सुपरटेक की 16 परियोजनाएं पूरा करे एनबीसीसी : उच्चतम न्यायालय - 12

अगले महीने से लागू हो सकता है भारत अमेरिका व्यापार समझौता : गोयल - 12

एआई से नौकरियां बचाने के लिए दक्षिण कोरिया की संसद में लाया गया विधेयक- 13

दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं : सुमित नागल - 14

आज का मौसम 23.0° अधिकतम तापमान 10.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.57 सूर्यास्त 05.56

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष पंचमी 01:18 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 6 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 73, पृष्ठ 14 मूल्य 6 रुपये

नई विश्व व्यवस्था का झुकाव भारत की ओर

राज्यसभा में प्रधानमंत्री बोले- पहले देश पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, आज चौथी सबसे बड़ी

- मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान दिया जवाब
- कहा, विकसित देश अपने आप भारत के साथ व्यापार समझौता करने आ रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत आज विश्व में पैदा हो रहीं चुनौतियों के समाधान के लिए आशा की किरण बना हुआ है और दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रही है। राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने यूरोपीय संघ के साथ हुए समझौतों का उल्लेख किया और कहा कि जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपने आप व्यापार समझौता करता है तो यह भी अर्थजगत के लिए बहुत बड़ा संदेश है।

उन्होंने कहा, भारत आज विश्व में पैदा हो रहीं चुनौतियों के समाधान के लिए आशा की किरण बना हुआ है। हम समाधान दे रहे हैं। कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच भाषण शुरू करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का तेज आर्थिक विकास और कम मुद्रास्फीति एक दुर्लभ संयोग है। पिछले कुछ समय में विश्व के नौ बड़े देशों के साथ हमारे समझौते हुए हैं और उसमें 'मदर ऑफ आल डील' में यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ एकमुश्त समझौता हुआ है। उन्होंने कहा, विकसित देश अपने आप भारत के साथ व्यापार समझौता करने आ रहे हैं। जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपने आप व्यापार समझौता करता है तो यह भी अर्थजगत के लिए बहुत बड़ा संदेश है। ऐसे में साफ दिख रहा है कि दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रही है, जिस तरह दूसरे विश्व युद्ध के बाद एक वैश्विक व्यवस्था बनी थी। अपने भाषण के बीच वाकऑउट करने वाले विपक्षी दलों के सदस्यों की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग थककर चले गए, कभी न कभी उनको जवाब देना पड़ेगा कि देश की कैसी हालत बनाकर रखी थी। कोई देश अपने आप हमारे साथ समझौता करने नहीं आता था। मोदी ने कहा कि हमारा देश पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, लेकिन आज हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के क्रम में हैं। प्रधानमंत्री के भाषण के बीच विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। मोदी ने कहा कि आज चाहे अंतरिक्ष हो, विज्ञान हो, खेल हो, भारत हर क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। कहा कि आज पूरा विश्व 'ग्लोबल साउथ' की चर्चा कर रहा है।

तृणमूल कांग्रेस पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने सत्ता में रहते हुए जनता के कल्याण के लिए काम नहीं किया। तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने चर्चा के दौरान केंद्र सरकार के विरोध में काफी कुछ कहा, 'किंतु वे अपने गिरेबान में भी देखें। पतन के जितने भी मानक हैं, सब मानकों में नए-नए रिकार्ड बनाते जा रहे हैं और यहां उपदेश दे रहे हैं। ऐसी सरकार से वहां के लोगों का भविष्य अंधकार में डूब रहा है।

कांग्रेस कभी मेरी कब्र नहीं खोद पाएगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विपक्षी दल लगातार चुनावी हार को पचा नहीं पा रहा है और उनके प्रति गहरी नफरत रखने के बावजूद वह कभी उनकी कब्र नहीं खोद पाएगा। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने लोकसभा में विपक्षी दल द्वारा डाले गए व्यवधान पर खेद जताया और कहा कि यह न केवल एक आदिवासी और महिला राष्ट्रपति का अपमान है, बल्कि उनके सर्वोच्च संवैधानिक पद और भारत के संविधान का भी अपमान है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर राहुल गांधी की 'गद्दार' टिप्पणी की भी निंदा की और इसे पूरे सिख समुदाय का अपमान बताया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग 'मोहब्बत की दुकान' की बात करते हैं, वे 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' जैसे नारे लगा रहे हैं, जो चुनावी हार से उत्पन्न उनकी हताशा को उजागर करता है। उन्होंने कहा, यह कैसी मोहब्बत की दुकान है? उन्होंने यह कौन से संविधान से सीखा है? क्या यह संविधान का अपमान नहीं है? मोदी ने कहा, वे कभी मेरी कब्र नहीं खोद पाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष कभी उनकी कब्र नहीं खोद पाएगा क्योंकि उन्हें करोड़ों माताओं, बहनों और देश के गरीबों का आशीर्वाद प्राप्त है, जिनके लिए वे निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। कांग्रेस हर भारतीय नागरिक को समस्या मानती थी, जबकि उनकी सरकार उन्हें अपनी ताकत और चुनौतियों का समाधान मानती है। प्रधानमंत्री ने करीब 100 मिनट लंबे भाषण में कहा कि वे (विपक्ष) उन्हें रोज गालियां देते हैं क्योंकि वे यह पचा नहीं पा रहे हैं कि उनके जैसा एक गरीब आदमी इस पद पर कैसे आसीन है।

- मोदी बोले- मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं वे मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसे नारे लगा रहे हैं यह चुनावी हार से उत्पन्न उनकी हताशा है

पीएम के साथ कुछ भी हो सकता था, इसलिए मैंने लोस में उनकी स्पीच टाली

- लोकसभा स्पीकर बिरला का दावा- अप्रत्याशित हमले की थी प्लानिंग
- प्रधानमंत्री के जवाब के बिना लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि बुधवार को सदन में कांग्रेस के कई नेता सदन के नेता के आसन के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री मोदी सदन में नहीं आए। बिरला ने यह भी कहा कि बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने उनके चैंबर में आकर जिस तरह का व्यवहार किया, वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ और यह दृश्य एक 'काले धब्बे' की तरह था।

लोकसभा की बैठक विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे पुनः शुरू हुई तो लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बुधवार सदन के नेता (प्रधानमंत्री मोदी) को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था। मेरे पास ऐसी पुख्ता जानकारी आई कि कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य नेता सदन के आसन पर पहुंचकर कोई भी अप्रत्याशित घटना को अंजाम दे सकते थे। मैंने यह दृश्य सदन में देखा भी। अगर ऐसी घटना हो जाती तो यह अत्यंत अप्रिय दृश्य देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार कर देता।

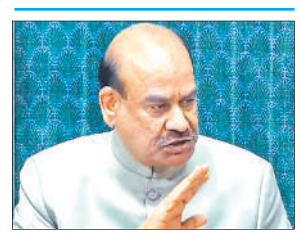

देश ने देखी पूरी घटना

बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सदन में नहीं आकर उनके आग्रह को मानते हुए सदन को अप्रिय दृश्य से बचाया और इसके लिए वह प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने यह भी कहा, बुधवार की घटना देश ने देखी है कि किस तरह महिला सदस्य वहां (प्रधानमंत्री के बैठने के स्थान) तक पहुंची हैं। यह किसी तरह उचित नहीं था। आप शब्दों से बात कह सकते हैं, आरोप लगा सकते हैं। लेकिन आप इधर (सत्तापक्ष की तरफ) आकर जिस तरह कर रहे हैं, यह उचित नहीं है।

ब्रीफ न्यूज

धोखाधड़ी मामले में अल फलाह विश्वविद्यालय का चेयरमैन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में विस्फोट के बाद यूजीसी की शिकायत पर दर्ज दो प्राथमिकी के आधार पर दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने अल फलाह विश्वविद्यालय के चेयरमैन जावद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में ईडी द्वारा कार्यवाही शुरू करने के बाद दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई की है। लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद अपराध शाखा ने निजी विश्वविद्यालय के कामकाज से संबंधित कथित अनियमितताओं और धोखाधड़ी के संबंध में मामले दर्ज किए थे। सिद्दीकी को स्थानीय अदालत में पेश किया जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

नीट पीजी काउंसिलिंग की मेरिट सूची जारी

लखनऊ। प्रदेश के सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पीजी सीटों पर प्रवेश के लिए संचालित तीसरी काउंसिलिंग में गुरुवार को मेरिट सूची जारी कर दी गयी हैं। कॉलेजों में एमडी-एमएस व डिप्लोमा सीटों पर दाखिले के लिए 8935 अभ्यर्थियों की और डीएनबी सीटों के लिए 290 अभ्यर्थियों की सूची जारी की गयी है। महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा द्वारा जारी मेरिट सूची के अभ्यर्थियों को छह फरवरी से 11 फरवरी तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी। अगले 14 फरवरी को सीट आवंटन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे और 17 फरवरी तक प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।

चाइनीज मांझे से मौत होना हत्या के समान : मुख्यमंत्री

- सीएम योगी का दुर्घटनाओं पर सख्त रुख पुलिस को प्रदेशव्यापी छापेमारी के दिए निर्देश
- प्रतिबंध के बाद भी चाइनीज मांझे की उपलब्धता कैसे, कार्रवाई की होगी उच्चस्तरीय समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चाइनीज मांझे से हो रही दुर्घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि इस कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु होना हत्या के समान है। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि चाइनीज मांझा पूरी तरह प्रतिबंधित है, इसके बावजूद इसकी उपलब्धता गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने पुलिस को प्रदेशव्यापी सघन छापेमारी अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को लखनऊ के हैदरगंज ओवरब्रिज पर शोएब की चाइनीज मांझे से मौत का संज्ञान लेने के बाद पूरे प्रदेश में पुलिस को निर्देश दिए कि यह पता लगाया जाए कि चाइनीज मांझा किन माध्यमों से बाजार में पहुंच रहा है। इसके लिए प्रदेशभर में सघन छापेमारी अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि केवल बिक्री ही नहीं, बल्कि इसके भंडारण और परिवहन पर भी कड़ी नजर रखी जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जन-सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। चाइनीज मांझा आमजन, विशेषकर बच्चों और पशु-पक्षियों के लिए जानलेवा खतरा है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को निर्देश दिए कि आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह तोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और इसकी प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा नियमित रूप से की जाए, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। योगी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश को चाइनीज मांझे के खतरे से पूरी तरह मुक्त करना है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करें और प्रतिबंध का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

प्रदेशभर में छापेमारी शुरू

योगी के निर्देश पर गुरुवार को पूरे प्रदेश में चाइनीज मांझे के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया गया है। सभी जिलों में थानावार छापेमारी कर दुकानों, गोदामों और संदिग्ध ठिकानों की सघन जांच की जा रही है। पुलिस को चाइनीज मांझे की बिक्री, भंडारण और परिवहन पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। बरामदगी की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अभियान की उच्चस्तरीय समीक्षा होगी, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न रहे।

अवैध कोयला खदान में विस्फोट, 16 मजदूरों की गई जान

- मेघालय में घटी बड़ी घटना, कई अन्य के फंसे होने की आशंका

शिलांग, एजेंसी

मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को अवैध कोयला खदान में विस्फोट होने से 16 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य के फंसे होने की आशंका है।

डीजीपी आई नोंगरंग ने बताया कि यह घटना थांगस्कू इलाके में हुई और बचाव दल तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने अब तक 16 शव बरामद किए हैं, लेकिन विस्फोट के समय खदान के अंदर मौजूद लोगों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी नहीं है। ईस्ट जयंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि घटना में घायल एक व्यक्ति को एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए उसे राज्य की राजधानी शिलांग रेफर कर दिया गया। शक है कि यह विस्फोट उस जगह पर कोयला खनन की गतिविधियों के दौरान हुआ, जिसे एक गैर-कानूनी काम माना जा रहा है। जब पूछा गया कि क्या खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी, तो कुमार ने कहा, हां, ऐसा ही लगता है। विस्फोट की वजह का पता अभी नहीं चला है, और इसकी जांच की जाएगी। उल्लेखनीय है कि एनजीटी ने 2014 में मेघालय में रैट-होल कोयला खनन तथा खनन के दूसरे अवैज्ञानिक तरीकों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

मोदी ने शोक जताया, अनुग्रह राशि की घोषणा की

शिलांग। प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में कोयला खदान में हुए विस्फोट के कारण कम से कम 16 मजदूरों की मौत होने पर शोक जताया और मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। पीएमओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी के हवाले से कहा, ईस्ट जयंतिया हिल्स, मेघालय में हुई दुर्घटना के बारे में जानकर दुख हुआ। अपने प्रियजन को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायल व्यक्ति के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

आरएसी बर्थ मिलने पर आंशिक किराया लौटाए रेलवे : पीएसी

- संसद में पेश की रिपोर्ट

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने कहा है कि आरएसी श्रेणी के तहत बुक किए गए टिकटों के लिए पूरा किराया वसूलना उचित नहीं है। लोक लेखा समिति (पीएसी) ने संसद में पेश की गई अपनी रिपोर्ट भारतीय रेलवे में ट्रेन परिचालन में समय की पाबंदी और यात्रा का समय में कहा कि आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन) के तहत टिकटों के लिए पूरा किराया वसूलना, जिसमें चार्ट बनने के बाद टिकट धारक को पूरी बर्थ नहीं मिलती है, उचित नहीं है, आंशिक किराया वापस लौटाया जाना चाहिए। वहीं, 'सुपरफास्ट' ट्रेनों पर कहा कि ऑडिट में पाया गया कि किसी ट्रेन को सुपरफास्ट के रूप में वर्गीकृत करने के लिए 55 किमी प्रति घंटे का मानक अपने आप में ही कम है। 2007 से ट्रेनों के वर्गीकरण के मानदंडों में बदलाव नहीं हुआ है।

चचेरे चाचा ने ढाई साल की भतीजी से किया दुष्कर्म, घर में विवाद पर फंदा लगाकर दी जान

- दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में हुई घटना, पुलिस कार्रवाई में जुटी

संवाददाता, बीसलपुर (पीलीभीत)

अमृत विचार: रिश्तों को शर्मसार करती हुई एक घटना दियोरियाकलां क्षेत्र से सामने आई। छत पर खेल रही ढाई साल की भतीजी को उसका चचेरा चाचा साथ ले गया और दुष्कर्म किया।

घटना की जानकारी परिवार तक पहुंची तो कुछ ही देर बाद आरोपी चाचा ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। आरोपी की मौत हो गई और बच्ची को सीएचसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पीलीभीत जिले के दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार देर शाम एक ग्रामीण की ढाई साल की बच्ची अपनी छत पर खेल रही थी। इस दौरान उसका 25 वर्षीय चचेरा चाचा पहुंचा और बच्ची को पहले बहलाया फुसलाया। इसके बाद अपने साथ ले गया और दरिंदगी दिखाते हुए बच्ची से दुष्कर्म किया। बच्ची की हालत बिगड़ गई। जिसके बाद घर में घटना को लेकर विवाद हुआ। आरोपी को डांट फटकार लगाई गई। इसके बाद आरोपी चाचा ने फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। उधर, बच्ची को परिजन सीएचसी बीसलपुर ले गए। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सूचना पर कोतवाली पुलिस पहुंची और जानकारी की। अफसर भी पहुंचे और मौका मुआयना किया। एसओ दियोरिया गौतम सिंह ने बताया कि चचेरे चाचा ने छत पर खेल रही ढ़ाई साल की भतीजी से दुष्कर्म किया। इसके बाद खुदकुशी कर ली है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

नेशनल हाईवे पर वाहन की टक्कर से भीषण हादसा, दंपती समेत 4 की मौत

- खीरी में पीलीभीत-बस्ती हाईवे स्थित जलालपुर मोड़ पर हुआ हादसा
- दिल्ली से बहराइच जा रहा था कार में सवार परिवार, दो घायल

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार : नेशनल हाईवे 730 पर गोला-लखीमपुर रोड स्थित जलालपुर मोड़ के पास गुरुवार सुबह कार में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दंपती समेत चार लोगों की की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। सभी एक ही परिवार के थे, जो दिल्ली से बहराइच मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे।

बहराइच के धर्मकुंडा निवासी सुनील सिंह (30), साले संतोष सिंह (30), संतोष के भाई मुकेश सिंह (25) और गरेठी निवासी प्रवेश सिंह (25) दिल्ली के राजौरी गार्डन में डेकोरेशन का काम करते थे। संतोष सिंह की बहन का गुरुवार को तिलक होना था। इसलिए सुनील, संतोष, मुकेश, प्रवेश के अलावा पत्नी सुधा सिंह (25) और पुत्री मानवी (2) के साथ दिल्ली से रात में चलकर सभी लोग कार से घर लौट रहे थे। वाहन संतोष सिंह चला रहे थे। लखीमपुर रोड पर जलालपुर मोड़ के पास अज्ञात वाहन की टक्कर में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। रास्ते से गुजर रहे शुभम रस्तोगी निवासी इटौंजा लखनऊ ने घटना की सूचना यूपी 112 पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने सुनील सिंह, सुधा सिंह और संतोष सिंह को मृत घोषित कर दिया। घटना में मुकेश सिंह, प्रवेश सिंह और मासूम मानवी घायल हो गए थे। जिनमें मुकेश की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उन्हें पहले जिला अस्पताल और फिर लखनऊ रेफर किया था, लेकिन लखनऊ ले जाते समय उनकी भी रास्ते में मौत हो गई। सीओ गोला रमेश कुमार तिवारी ने बताया कि कार में छह लोग सवार थे, जिसमें कार चालक और पति-पत्नी की मौत हो गई है। सभी एक ही परिवार के हैं, जो बहराइच के रहने वाले हैं। वह लोग अपने घर किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने जा रहे थे। अनुमान है कि घटना कोहरे के कारण हुई है।

उपलब्धि | लखनऊ के साथ ही रामपुर, अमेठी, ललितपुर और एटा में अभिनव प्रयोग

प्लास्टिक कचरे से बनाई 75 किलोमीटर लंबी सड़क

- पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास का नया मॉडल, कूड़े से तीन करोड़ रुपये की आय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के गांव अब स्वच्छता और नवाचार की नई पहचान गढ़ रहे हैं। प्लास्टिक कचरे से सड़क निर्माण, घर-घर कूड़ा संग्रहण कर उससे खाद निर्माण और आय सृजन के अभिनव प्रयोगों ने प्रदेश के ग्रामीण परिदृश्य को हाईटेक बना दिया है।

राजधानी लखनऊ समेत रामपुर, अमेठी, ललितपुर और एटा में प्लास्टिक कचरे से अब तक 75 किलोमीटर लंबी सड़कें तैयार की जा चुकी हैं, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास का नया मॉडल पेश कर रही हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में वेस्ट मैनेजमेंट का मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत ग्राम पंचायतों में घर-घर से कूड़ा संग्रहण शुरू कर वर्मी खाद का उत्पादन किया जा रहा है। इस पहल से अब तक 3 करोड़ रुपये से अधिक की आय सृजित हो चुकी है। वहीं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों से 29 लाख रुपये की अतिरिक्त कमाई की गई है। इस योजना के तहत पंचायतीराज विभाग प्रदेश में 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल पर काम कर रहा है।

लखनऊ के साथ ही रामपुर, अमेठी, ललितपुर और एटा में इसी तरह प्लास्टिक कचरे से बनाई जा रही सड़क।

प्रदेश के हर गांव में होगा प्रयोग

पंचायती राज विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ गांव महाभियान के तहत कूड़े को संसाधन में बदला जा रहा है। प्लास्टिक कचरे का सदुपयोग कर सड़क निर्माण, जैविक कचरे से खाद उत्पादन और पंचायतों की आय बढ़ाने के ये प्रयोग प्रदेश के हर गांव को स्वच्छ, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। इस योजना के जरिए प्रदेश के हर गांव में अभिनव प्रयोग किए जाएंगे।

प्लास्टिक वेस्ट का उपयोग

पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह के अनुसार, विभाग ग्राम पंचायतों को नवाचार के माध्यम से मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। गांव-गांव स्वच्छता अभियान के साथ प्लास्टिक वेस्ट के उपयोग से न केवल पर्यावरण सुरक्षित हो रहा है, बल्कि करोड़ों रुपये की आय भी सृजित हो रही है।

जिले में आज

- सहकारी गन्ना विकास समिति पीलीभीत में बैठक दोपहर 01 बजे।
- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- मेडिकल कॉलेज टीम का नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर सुबह 10 बजे से।
- बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण सुबह 10 बजे से।
- ग्राम खरदहाई में श्रीमद भागवत कथा सुबह 09 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

छह को होगी गन्ना विकास समिति की बैठक

पीलीभीत, अमृत विचार : सहकारी गन्ना विकास समिति के प्रभारी सचिव प्रदीप कुमार अग्निहोत्री ने बताया कि छह फरवरी को समिति कार्यालय में दोपहर एक बजे से बैठक होगी। गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि करने पर विचार होगा। समिति बजट स्वीकृत करने पर विचार, माह नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुए व्ययों के अनुमोदन पर विचार किया जाएगा।

पारिवारिक विवाद में मारपीट, रिपोर्ट

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला जाटवपुरा निवासी सत्यप्रकाश सागर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि एक फरवरी की रात करीब आठ बजे उसकी पत्नी रिंकी देवी का सगे भाई रोहित सागर, उसकी पत्नी पूनम के साथ विवाद हो रहा था। आरोप है कि गाली गलौज करते हुए दंपति ने उनकी पत्नी से मारपीट की। आसपास के लोगों ने पहुंचकर बचाया। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

दो बाइक की टक्कर में दो घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव जसकन्नापुर के पास दो बाइकों की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों के चालक घायल हो गए। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बौनी निवासी नितिन कुमार और ग्राम नीवादाड़ी निवासी अमित कुमार बाइक से जसकन्नापुर की तरफ जा रहे थे। कुछ दूरी पर बाइकों की टक्कर हो गई। घायलों को सीएससी भिजवाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मानव-हाथी संघर्ष रोकने की पहल, एक्सपर्ट देंगे प्रशिक्षण

दो दिनी कार्यशाला आज से, कर्तनिया घाट के एलीफेंट एक्सपर्ट को बुलाया, ग्राम प्रधान समेत जनप्रतिनिधि व बाघमित्र होंगे शामिल

- कृषि विभाग समेत अन्य विभागों के अफसर भी लेंगे हिस्सा
- विश्व प्रकृति निधि के सहयोग से आयोजित होगी कार्यशाला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः पीलीभीत में मानव-बाघ संघर्ष के साथ ही अब बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष को थामने की पहल शुरू होने जा रही है। इसको लेकर शुक्रवार से दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित होने जा रही है। विश्व प्रकृति निधि के समन्वय से पीलीभीत टाइगर रिजर्व, वन एवं वन्यजीव प्रभाग की ओर से होने वाली कार्यशाला में कृषि विभाग समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, ग्राम प्रधान, बाघ मित्र आदि हिस्सा लेंगे। मुख्य प्रशिक्षक के तौर पर कर्तनियाघाट के एलीफेंट एक्सपर्ट दबीर हसन को आमंत्रित किया गया है।

नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी से लगभग हर साल ही जंगली हाथियों का जनपद में आना-जाना रहता है। दरअसल नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी की सीमा पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटी हुई है। जानकारों की मानें तो जंगली हाथियों के आने का सिलसिला दशकों से चला आ रहा है। हालांकि कुछ साल पहले तक बड़ी संख्या में जंगली हाथियों के अलावा गैंडे समेत अन्य वन्यजीवों की आवाजाही रहती थी। दरअसल लग्गा-भग्गा के जंगल के जिस रास्ते से जंगली हाथी और गैंडे आते रहते हैं, वह इन वन्यजीवों का दशकों पुराना एक सुरक्षित कॉरिडोर रहा था। पूर्व में जंगली हाथी कई-कई दिनों तक यहां के जंगल में विचरण करने के बाद वापस लौट जाते थे। यह दीगर बात है कि पिछले कुछ सालों से जंगली हाथियों की आवाजाही में पूर्व की अपेक्षा खासी कमी आई है। गत वर्ष भी करीब पांच जंगली हाथियों का झुंड नेपाल की ओर से यहां आया था। इन हाथियों ने जंगल से सटे इलाकों में जमकर तबाही मचाई थी। तबाही का सिलसिला बढ़ता देख टाइगर रिजर्व प्रशासन को 40 वनकर्मियों की टीम लगाकर इन सभी को खदेड़ना पड़ा था। इधर बीते कुछ समय से जंगली हाथियों ने दस्तक देने के साथ फिर से उत्पात मचाना शुरू कर दिया। बीते दिनों नेपाल से आए 20 से अधिक हाथियों के झुंड ने शारदा नदी पार के ढकिया ताल्लुके महाराजपुर में एक ग्रामीण की जान भी ले ली थी। कई किसानों की झोपड़ियां भी तहस नहस कर दी थी। इसके अलावा दो नेपाली हाथी पहले से ही यहां के जंगलों में डेरा डाले हुए हैं। यह दोनों हाथी भी फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ जंगल सीमा पर लगी जाल फेंसिंग समेत अन्य वनसंपदा को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। बीते साल कृषि फसलों के हुए नुकसान पर वन महकमे की ओर से किसानों को 37 लाख रुपये का मुआवजा भी देना पड़ा था। बीते साल कृषि फसलों के हुए नुकसान पर वन महकमे की ओर से किसानों को 37 लाख रुपये का मुआवजा भी देना पड़ा था। जनपद में जंगली हाथियों द्वारा नुकसान करने का सिलसिला अनवरत जारी है। इधर, अब जंगली हाथियों के बढ़ते उत्पात पर अंकुश लगाने की तैयारी चल रही है। दरअसल विश्व प्रकृति निधि (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) अब पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं वन एवं वन्यजीव प्रभाग के सहयोग से जनपद में मानव-हाथी संघर्ष प्रबंधन पर काम करने जा रहा है।

पीटीआर से सटे सीमावर्ती क्षेत्र में घूमते जंगली हाथी। (फाइल फोटो) • अमृत विचार

जनपद के हाथी प्रभावित इलाकों को दो हिस्सों बांटकर की जा रही है कार्यशाला

मानव-हाथी संघर्ष निवारण को लेकर आयोजित होने वाली दो दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा पूर्व में तैयार की जा चुकी है। कार्यशाला दो चरणों में होगी। 06 फरवरी को महोफ रेंज, माला रेंज से लेकर गजरौला तक के हाथी प्रभावित इलाकों के ग्राम प्रधान, बाघ मित्र, बीडीसी, पंचायत सदस्य शामिल होंगे। 06 फरवरी को होने वाली कार्यशाला मरौरी ब्लाक सभागार में आयोजित की जाएगी। जबकि 07 फरवरी को कार्यशाला माधोटांडा स्थित गोमती उदगम स्थल सभागार में आयोजित की जाएगी। इसमें पूरनपुर क्षेत्र, माधोटांडा, नौजल्हा नकटहा, मूसेपुर समेत आसपास के हाथी प्रभावित इलाकों के जनप्रतिनिधि एवं बाघ मित्र आदि प्रतिभाग करेंगे। कार्यशालाओं में कृषि विभाग के अलावा अन्य संबंधित विभागों के अफसर भी शामिल होंगे। इसमें मानव-हाथी संघर्ष के दौरान बचाव के तौर तरीकों के अलावा मुआवजा प्रक्रिया आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। खास बात यह है कि दो दिवसीय कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक के तौर पर कर्तनिया घाट के एलीफेंट एक्सपर्ट दबीर हसन को आमंत्रित किया गया है।

22 को मेगा शिविर 14 मार्च को लोक अदालत

पीलीभीत, अमृत विचारः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देशानुसार 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। पूर्णकालिक सचिव अपर सत्र न्यायाधीश सतीश कुमार ने बताया कि चौदह मार्च को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में समस्त प्रवृति के मामलों को सुलह समझौते के आधार निपटाया जाएगा। इसके संबंध में राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक कर अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के सम्बन्ध में चर्चा की गई। सम्बन्धित न्यायालयों को दिशा निर्देश भी जारी किये गये कि अधिक से अधिक मामलों में निस्तारण कर, उक्त आयोजित विशेष लोक अदालत एवं राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। इसके अलावा 22 फरवरी को मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में सात फरवरी की शाम चार बजे विधि सेवा प्राधिकरण के विश्राम कक्ष में बैठ होगी। उक्त शिविर आयोजन के लिए बाइस फरवरी को लाभार्थी इस मेगा शिविर का लाभ उठा सकते हैं, सूची के साथ सात फरवरी की बैठक में प्रतिभाग करें।

1000 ने कराया पंजीकरण, 263 को मिला रोजगार

- विधायक बोले: ज्ञान को कौशल में बदलना रोजगार से ही संभव
- गन्ना कृषक पीजी कालेज पूरनपुर में लगा रोजगार मेला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर बेरोजगार युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए, जिला सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेंटर और गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

मेले की शुरुआत विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान, सीडीओ राजेन्द्र कुमार श्रीवास, प्राचार्य डॉ.सुधीर कुमार शर्मा, जिला सेवायोजन अधिकारी विवेक शुक्ला, काउंसलर जिला सेवायोजन कार्यालय प्रदीप शुक्ला, प्रधान काउंसलर जितेंद्र कुमार शर्मा, तोताराम, अनुज सिंह ने संयुक्त रुप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई। मुख्य अतिथि पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने कहा कि महाविद्यालय के विकास में सांसद का निरंतर सहयोग प्राप्त हुआ है। उनके द्वारा 100 कंप्यूटर महाविद्यालय में लगाने के लिए, धनराशि की मंजूरी दे दी गई है। रोजगार मेले का उद्देश्य छात्रों को उज्जवल भविष्य की तरफ अग्रसर करना है। सीडीओ ने कहा कि विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए श्रम करना है। उन्होंने कहा कि जितना माइग्रेट करेंगे उतना ही प्रोग्रेस करेंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञान को कौशल में बदलने की आवश्यकता है जो रोजगार द्वारा ही सम्भव है। श्रीराम पिस्टन एंड रिंग, टाटा मोटर्स, आई फोन, अशोक लीलैंड, शिव शक्ति एग्रोटेक, एल आई सी ऑफ इंडिया, बजाज इंश्योरेंस, पुखराज हेल्थ केयर, टीवीएस आदि ने मशीन ऑपरेटर, सेल्स एंड मार्केटिंग, वैलनेस एडवाइजर आदि पदों पर आकर्षक वेतनमान/मानदेय पर नियुक्ति कीं। विधायक ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर डॉ.रेखा सिंह, डॉ.रंजना सिंह, डॉ. अर्निका दीक्षित, शाहिद खान, डॉ. सौरभ सक्सेना, तहमीना शमसी, डॉ.विनोद सिंह, अंकित गुप्ता, डॉ. शिखा शर्मा, डॉ.मृदुला शर्मा, जय नारायण, डॉ.राजिया शकील, गौरव पांडेय आदि मौजूद रहे।

संचालन डॉ.पिन्दर सिंह ने किया। प्राचार्य ने बताया कि रोजगार मेले में करीब हजार युवाओं ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से विभिन्न पदों पर 263 का चयन किया गया है।

विधायक पूरनपुर, प्राचार्य के साथ नियुक्ति पत्र दिखाते विद्यार्थी। • अमृत विचार

बैंक योजनाओं की दी जानकारी

पीलीभीत, अमृत विचारः क्रिसिल फाउंडेशन के माध्यम से दियूनी बहादुरगंज में शिविर लगाया गया। जिसमें किसान, समूह की महिलाओं ने बैंक से जुड़ी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि एलडीएम केके सेठ ने फिलिप बुक के माध्यम से बैंक में चल रही योजनाओं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, बचत खाता, नामांकित व्यक्ति, कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, पासबुक एंट्री करने के लिए जानकारी दी। संचालन सीएफएल के केंद्र प्रबंधक संजीव कुमार ने किया। इस मौके पर ममता वर्मा, प्रभा देवी, रामश्री, रामनाथ, बालकराम, बाबूराम, मदनलाल, पार्वती सरिता, लालता प्रसाद, अरविंद कुमार आदि मौजूद रहे।

छूटे हुए कार्डधारकों को जोड़ने पर दिया जोर

बैठक में मौजूद कोटेदार। • अमृत विचार

- जिला स्तरीय क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचारः डीएम की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रम में गुरुवार को ब्लॉक सभागार में बैठक हुई। इसमें पात्र गृहस्थी (राशन कोटेदार से जुड़े) परिवारों को समूह में जोड़ने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त स्वतः रोजगार वंदना सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में कोटेदार शामिल हुए। समस्त समूह सखियों द्वारा छूटे हुए पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को समूह में जोड़ने पर पर जोर गया।

फर्जी प्रपत्र से कटवाए जा रहे वोट

संवाददाता, बीसलपुर

प्रेसवार्ता करतीं सपा नेत्री दिव्या गंगवार। • अमृत विचार

- सपा नेत्री का आरोप, डीएम से की गई शिकायत, उठाए सवाल

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव दिव्या गंगवार ने एसआईआर के दौरान फर्जी प्रपत्र की मदद से लोगों के वोट कटवाए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। इसकी डीएम सेशिकायत कर जांच की मांग की गई है। वहीं, प्रेसवार्ता कर तमाम सवाल भी उठाए।

सपा नेत्री दिव्या गंगवार ने गुरुवार को अपने आवास पर हुई प्रेसवार्ता के दौरानक हा कि फार्म संख्या सात फर्जी तरीके से एक प्रिंटिंग प्रेस से प्रकाशित कराकर एक समुदाय के वोटों को काटा जा रहा है। बूथों पर वोट काटने के लिए सुपरवाइजर व बीएलओ को 100 से 3000 की संख्या में कूट रचित प्रारूप 07 भर कर दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कूटरचित प्रारूप 7 को निरस्त कर पात्र मतदाताओं के वोट सुरक्षित रखने की बात कही। कहा कि पूर्व बीसलपुर एसडीएम नागेंद्र पांडे को ज्ञापन दिया था। एसडीएम के आश्वासन से संतुष्ट न होने पर डीएम से शिकायत का निर्णय लिया गया है। कहा कि जिन लोगों के फर्जी हस्ताक्षर व फर्जी मोबाइल नंबरों को डालकर गड़बड़ी की गई है, वह शपथ पत्र देने को तैयार हैं। छह जनवरी को नई वोटर लिस्ट आ चुकी है। इसके बाद भी वोट कटवाने का काम होने का आरोप लगाया। सपा के पूर्व विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष बीडी प्रजापति का कहना है कि उनकी तरफ से कोई फॉर्म वोट कटवाने के लिए नहीं दिया गया है फिर भी किसी ने उनके फर्जी हस्ताक्षर मोबाइल नंबर डालकर वोट काटने के लिए फॉर्म जमा किए। इस दौरान चौधरी प्रदीप सिंह पटेल, रूपलाल महातिया, अभि गंगवार आदि मौजूद रहे।

250 लोगों की हुई आंखों की जांच, मिली दवा

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचारः शारदा नेत्र चिकित्सालय राजेंद्र नगर बरेली की ओर से उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र परीक्षण और मोतियाबिंद चयन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 250 से अधिक लोगों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां प्रदान कीं। डॉ.शिशिर गुप्ता ने बताया कि शारदा नेत्र चिकित्सालय में अत्याधुनिक मशीनों और अनुभवी चिकित्सकों द्वारा उच्च स्तरीय नेत्र उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविर का आयोजन कौशल गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष असगर अली, इमरान कादरी, मोहम्मद तारिक, चंदू शर्मा, मोहम्मद परवेज, हर्षित गुप्ता, तनु गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शिविर में पंजीकरण करती टीम। • अमृत विचार

प्रीपेड मीटर व्यवस्था में सुधार की मांग

बीडीओ को ज्ञापन देते व्यापारी। • अमृत विचार

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचारः पावर कारपोरेशन की मनमानी और प्रीपेड मीटर की विसंगतियों व व्यापारियों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए गुरुवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बीडीओ को सौंपा। इसमें उन्नीस सूत्रीय मांगें रखी गई हैं।

संगठन के जिलाध्यक्ष एमए जिलानी के निर्देश पर नगर महामंत्री हरीश भारती, जिला उपाध्यक्ष नदीम अंसारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अनस के नेतृत्व में व्यापारी जमा हुए और फिर बीडीओ वेदप्रकाश को ज्ञापन सौंपा। जिसमें मुख्य रूप से प्रीपेड मीटर व्यवस्था में सुधार की मांग की गई है। व्यापारियों का कहना है कि प्रीपेड मीटर लगाने से पूर्व उपभोक्ताओं की पुरानी जमा सिक्योरिटी राशि वापस की जाए और प्रीपेड व्यवस्था में फिक्स चार्ज, मिनिमम चार्ज और इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी समाप्त कर शुद्ध उपभोग (जितनी बिजली खर्च, उतना बिल) आधारित बिलिंग की जाए। साथ ही, बंद मकानों पर लगने वाले शुल्क को पूरी तरह हटाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। संगठन ने विभागीय पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े किये। ज्ञापन में मांग की गई है कि मीटर बदलते या चेक करते समय मौके पर ही सीलिंग सर्टिफिकेट देना अनिवार्य किया जाए। इस मौके पर राजेश सक्सेना, शेर सिंह राठौर, अमन अंसारी, जगजीवन भारती, लक्ष्मीकांत भोजवाल, इलयास, मुकेश कुमार, अकील अहमद, सौरभ गंगवार, रईश अंसारी आदि मौजूद रहे।

राजाबाग कॉलोनी की सड़क का लोकार्पण

फीता काटकर सड़क का उद्घाटन करतीं चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल।

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः शहर के वार्ड नंबर 16 स्थित राजाबाग कॉलोनी की गली नंबर तीन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद गुरुवार को नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल द्वारा लोकार्पण किया गया। उन्होंने फीता काटकर इसकी शुरुआत कराई। शिलापट का अनावरण किया गया।

पालिकाध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका परिषद शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कॉलोनी वासियों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गली का निर्माण कराया गया है। इस मौके पर सभासद प्रतिनिधि अवतार सिंह मोनू, भाजपा नेता आशा मिश्रा, सुमित गंगवार, गगन मिश्रा, कपिल मिश्र, विपिन मिश्रा, सभासद साकेत सक्सेना, रोहित रॉय आदि मौजूद रहे। कॉलोनी वासियों ने चेयरमैन का आभार व्यक्त किया।

रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवा, सात बने महादानी

- गवर्नमेंट टेक्निकल इंस्टीट्यूट में मेडिकल कालेज की टीम ने लगाया रक्तदान शिविर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः गवर्नमेंट टेक्निकल इंस्टीट्यूट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वशासी मेडिकल कॉलेज के रक्त केंद्र की टीम ने पहुंचकर रक्तदान का महत्व बताया। शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

शिविर में कुल नौ लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से सात ने रक्तदान किया। रक्त केंद्र प्रभारी डॉ. परीक्षित सिंह के मार्गदर्शन में शिविर सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। काउंसलर अमरीन फातिमा, वार्ड बॉय जाकिर आदि मौजूद रहे। पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. विभूति गोयल ने लोगों को रक्तदान के स्वास्थ्य लाभों, सामाजिक महत्व एवं इससे जुड़ी भ्रांतियों के निराकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है।

शिविर के लिए मेडिकल कॉलेज से रवाना हुई टीम। • अमृत विचार

शिविर रक्तदान करता छात्र।

थारू जनजाति बाहुल्य गांवों में लगेंगे स्वास्थ्य शिविर

पीलीभीत, अमृत विचार : स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के एमबीबीएस बैच–2024 के छात्र छात्राएं गुरुवार को गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवा कार्यों के लिए रवाना हुए। चिकित्सीय टीम जिले के नेपाल बॉर्डर के आसपास स्थित थारू जनजाति बाहुल्य गांवों में छह व सात फरवरी को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करेगी। चिकित्सा दल का नेतृत्व डॉ. अर्चना सिंह ने किया। टीम में डॉ. प्रियंका यादव, डॉ. प्राची चौहान, डॉ. शोभित सिंह, डॉ. पीयूष पवीरी, डॉ. कुलवंत सिंह सहित एमबीबीएस छात्र प्रशांत वार्ष्णेय, दीपक पटेल, किरण सोनकर, अनमता अनीस, प्रखर पटेल आदि छात्र–छात्राएं शामिल हैं। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा और उपप्राचार्य डॉ. अरुण सिंह ने आशा व्यक्त की है कि यह अभियान जनजातीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बोर्ड परीक्षा में छात्रों को बसों व बिजली आपूर्ति की व्यवस्था

- जिले में 41,821 छात्र-छात्राएं देंगे हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर प्रशासन ने परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहम कदम उठाए जा रहे हैं। छात्रों को समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने और पढ़ाई के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए परिवहन और बिजली विभाग को विशेष निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का फोकस इस बात पर है कि परीक्षा के दौरान छात्रों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े, वे तनावमुक्त परीक्षा दे सकें।

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में इस वर्ष जिले से कुल 41,821 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें हाईस्कूल के 23,241 और इंटरमीडिएट के 18,580 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। छात्रों की संख्या को देखते हुए जिले में कुल 69 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। डीआईओएस कार्यालय की ओर से परिवहन विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा अवधि में रोडवेज बसों का संचालन बोर्ड की समय सारिणी के अनुसार किया जाए। सुबह की पाली शुरू होने से पहले और शाम की पाली समाप्त होने के बाद बसों की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी, ताकि खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले परीक्षार्थियों को आने-जाने में परेशानी न हो।

वहीं बिजली विभाग को साफ निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा के दौरान शाम और रात के समय अघोषित बिजली कटौती न की जाए। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा को नकल विहीन और सुविधायुक्त ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ काम कर रहे हैं। इन प्रयासों से छात्रों को बेहतर माहौल मिलेगा और वह पूर्ण रूप से परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

कार चालक पर कराई एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार : आठ दिन पूर्व कार की टक्कर से दंपति और बच्चे के घायल होने के मामले में कार्रवाई की गई। कस्बा के वार्ड नंबर पांच निवासी सगीर अहमद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका भाई जमील अहमद 28 जनवरी की रात करीब साढ़े नौ बजे बाइक से पत्नी मैनाज बी, साबिया फातमा और पुत्री सैयदा के साथ अपनी बहन के घर से लौट रहे थे। पीलीभीत बीसलपुर मार्ग पर बरखेड़ा ब्लॉक तिराहे के पास पहुंचते ही कार ने टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार घायल हो गए थे। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

विधायक ने जताई नाराजगी

बरखेड़ा, अमृत विचार : बिजली बिल से जुड़ी शिकायतों को लेकर विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद गुरुवार को पावर कॉरपोरेशन के ईई कार्यालय पहुंचे। बताते हैं कि जेई विधायक को देखते ही भाग गए। बिजली बिल में मनमाने तरीके से की जा रही बढ़ोतरी पर नाराजगी जताई। जेई की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। कार्यप्रणाली में सुधार ना होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

जिम्मेदारों ने फेरी निगाहें.. दुकानें बढ़ाकर डाल दिए टिनशेड

अतिक्रमण : किसान बाजार की गैलरी भी अतिक्रमण में गुम, जिम्मेदार मेहरबान, मंडी समिति के बाहर किसान बाजार की हैं 208 दुकान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मंडी गेट पर स्थित किसान बाजार की दुकानों के आगे लगाए गए टिनशेड और अतिक्रमण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नवीन मंडी समिति गेट पर अतिक्रमण की भरमार है। खास बात है कि ये अतिक्रमण सिर्फ सड़क पर अस्थायी रूप से नहीं किया गया है। बल्कि किसान बाजार की आवंटित दुकानों के साइज दोगुना हो चुके हैं। इसके बाद स्थायी अतिक्रमण कर टिनशेड भी डाल दिए गए हैं। उसके हाईवे पर किनारे सामान का ढेर लगा दिया है। लंबे समय से अव्यवस्था हावी है। शिकायतों के बाद भी एक्शन नहीं लिया जा सका है। बताते हैं कि कई ऐसे भी हैं, जिनको दुकानें आवंटित हुई, वह दूसरों को देकर चले गए। इसे लेकर भी नियमों की अनदेखी का आरोप है। फिलहाल अधिकांश दुकानदारों ने टिनशेड और पक्का निर्माण कराकर दुकानों के साइज दोगुना कर लिए हैं। सख्ती और कार्रवाई के नाम पर सिर्फ गेट पर लगने वाले फड़ और खोखा संचालकों की रोजी-रोटी बीते दिनों छीन ली गई थी। जिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के आरोप लगे लेकिन अब जिम्मेदार निगाहें फेर चुके हैं।

बता दें कि नगर पंचायत नौगवां पकड़िया क्षेत्र में नवीन मंडी समिति पीलीभीत है। टनकपुर हाईवे से सटी मंडी समिति के बाहर की तरफ किसान बाजार की 208 दुकानें हैं। इन दुकानों के आवंटन को लेकर पूर्व में शिकायतें हुईं और मामला चर्चित रहा था। हालांकि जांच के नाम पर जिम्मेदार गोलमाल कर गए थे। उस वक्त इसे लेकर तस्वीर पूर्णतया स्पष्ट नहीं हुई थी। इसके अलावा स्थानीय लोगों की मानें तो दुकानों पर काबिज लोगों ने अवैध अतिक्रमण कर लिया। कईयों ने दुकानों को दोगुना जगह तक बढ़ा लिया तो अन्य जगह पर सामान रखा जाने लगा। करीब पांच साल पहले शासन स्तर से सख्ती के बाद चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत तत्कालीन सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम समेत कई अधिकारियों ने पुलिस बल की मौजूदगी में सख्त रुख अपनाया। जिसके बाद दुकानों की हकीकत खुलकर सामने आ गई थी। गहरी और विशाल दुकानें अतिक्रमण कर बनाने की बात सामने आई थी। दुकानों के आगे डाले गए टिनशेड भी पर बुलडोजर चला। कई निर्माण कार्य ध्वस्त करा दिए गए थे। दुकानों को चिन्हित कर निशान लगाए गए थे, लेकिन बाद में मामला ठंडे बस्ते में चला गया। इसके बाद राजनीतिक दबाव की चर्चाएं तेज रहीं। अब लंबे समय तक जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते अब पुनः हालात बदतर होने लगे हैं। अधिकांश दुकानों का सामान फुटपाथ घेरकर रखा रहता है। इसके अलावा आगे तक दुकान बढ़ाने के साथ ही टिनशेड और पक्का निर्माण भी करा लिया गया है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब कोई जिम्मेदार इसकी रोकटोक या फिर कार्रवाई करने के लिए नहीं पहुंचता। पूर्व की शिकायतों पर कोई सख्त एक्शन नहीं लिया गया तो अब शिकायतकर्ता सवाल तो उठा रहे हैं, लेकिन लिखित शिकायत दोबारा फिलहाल नहीं की गई है। पिछले साल इतना जरूर हुआ कि सख्ती के नाम पर मंडी गेट पर ही कई फड़ -खोखा लगाकर गुजर बसर करने वालों पर जरूर कार्रवाई की गई। उस वक्त प्रशासन सख्त दिखा और उन्हें मंडी गेट से हटा दिया गया था। मगर, स्थायी अतिक्रमण हटाने की सुध नहीं ली गई। आलम ये है कि जिम्मेदार दुकानों की संख्या तो बता रहे हैं, लेकिन उनकी आवंटन के दौरान साइज क्या रहा। इसका जवाब देने से बच रहे हैं। हाईवे किनारे अतिक्रमण से जाम के साथ ही हादसे का भी डर बना रहता है। उधर, मंडी सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी का कहना है कि किसान बाजार की दुकानों में अतिक्रमण बगैरह से जुड़ी कोई शिकायत अभी तक नहीं की गई है। अगर कोई शिकायत मिलती है तो इसे दिखवाया जाएगा।

हमने आरटीआई डाली, मिला गोलमोल जवाब, गैलरी पर कब्जा

मंडी समिति के सामने की तरफ के नमक कारोबारी एवं अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा इसे लेकर पूर्व में शिकायत कर चुके हैं। उनका कहना है कि पहले से किसान बाजार हुआ करती थी इसके बीच में ही गैलरी हुआ करती थी। अब दुकानदारों ने गैलरी पर कब्जा करके दुकानें आगे बढ़ा लीं और फिर टिनशेड भी लगा लिए गए। इसे लेकर पूर्व में आरटीआई भी डाली गई थी। उसमें गोलमोल जवाब दे दिया गया। ऐसे में प्रतीत होता है कि इसमें जिम्मेदारों की मिलीभगत है, जबकि इससे राजस्व हानि भी हुई। ये स्पष्ट है कि यहां पर अवैध कब्जा किया गया है। प्रशासन को इस पर जांच कराकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने ये भी सवाल उठाए कि दुकानों की संख्या तो बताई गई लेकिन उस पर कौन काबिज है। इसकी कोई जानकारी आरटीआई में भी नहीं दी गई। कई दुकानें ऐसी भी हैं, जोकि मंडी के अभिलेखों में किसी और के नाम पर दर्ज हैं, लेकिन दुकान कोई अन्य ही चला रहा है। उनका कहना है कि अतिक्रमण का आलम ये है कि कहीं दुकानों का सामान रखा है तो कहीं रेत बजरी के ढेर लगे हुए हैं।

डीएम ने निरीक्षण करके परखे इंतजाम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बीसलपुर चीनी मिल का निरीक्षण करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचारः डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह ने बीसलपुर चीनी मिल, ब्लॉक कार्यालय और बीआरसी का गुरुवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गन्ना किसानों से संवाद कर फीडबैक लिया गया और प्रकाश में आई अव्यवस्थाओं को दूर करने के निर्देश दिए।

चीनी मिल का निरीक्षण करने के दौरान गन्ना से लदी ट्राली की तौल कराई। उन्होंने चीनी मिल में मौजूद किसानों से पेयजल, रात्रि विश्राम, गन्ना तौल के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देश दिए कि गन्ना पर्चियां नियमित काटी जाएं। जिससे किसानों को पर्ची की समस्या न उत्पन्न हो। सभी किसानों का गन्ना समय से चीनी मिल में तुलवाएं। इसके साथ ही उन्होंने अब तक तौल किए गए गन्ना भुगतान की जानकारी प्राप्त की और चीनी मिल के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ब्लॉक कार्यालय बीसलपुर के निरीक्षण के दौरान कैंटीन, ऑफिस, सभागार, कार्यालय के विभिन्न पटलों को देखा। पत्रावलियों को व्यवस्थित रखने व साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। बीडीओ के आवासीय भवन की जानकारी ली। इस पर बताया गया कि रंगाई-पुताई का कार्य चल रहा है। उच्च प्राथमिक विद्यालय बीसलपुर में चल रहे विशेष पुनरीक्षण-2026 कार्य के अन्तर्गत नो मैपिंग मतदाता को नोटिस के क्रम में की जा रही सुनवाई प्रक्रिया को भी परखा। अब तक प्राप्त फार्मों के बारे में जानकारी ली और उपस्थित नोटिस प्राप्तकर्ता से वार्ता की।

● **नो मैपिंग मतदाता को नोटिस के क्रम में की जा रही सुनवाई प्रक्रिया को भी देखा**

पिकअप और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर, चालक घायल

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचारः नवाबगंज मार्ग पर गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से पिकअप चालक घायल हो गया। वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। घायल चालक को सीएचसी भर्ती कराया गया है।

कस्बा बिलसंडा निवासी मैसर अली गुरुवार को जनपद बरेली के कस्बा बहेड़ी से पिकअप में मुर्गी दाना भरकर वापस लौट रहे थे। नवाबगंज बरखेड़ा मार्ग पर गांव पुनापुर और गाजीपुर कुंडा के बीच पहुंचते ही गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली से टक्कर हो गई। हादसे में वह घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचे और दोनों वाहनों को कब्जे में लिया। सीएचसी से प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

हादसे में क्षतिग्रस्त पिकअप। ● अमृत विचार

मालवाहक वाहनों को तिमाही-छमाही टैक्स से मिलेगा छुटकारा, एक मुश्त होगा जमा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **एक लाख कीमत के 7.5 टन लोड क्षमता वाले वाहनों को 10.5 प्रतिशत देना होगा टैक्स**

● **दो साल पुराने वाहन भी एक मुश्त जमा कर सकेंगे टैक्स, विभाग ने शुरू की नई व्यवस्था**

"व्यवसायिक वाहनों की टैक्स प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, इससे हल्के व भारी वाहनों के देय टैक्स में बदलाव किया गया है। अब उन्हें केवल एक बार तय दर के अनुसार भुगतान करना होगा। टैक्स प्रक्रिया आसान होने से अब नए लोग भी परिवहन व्यवसाय में उतरने के लिए प्रेरित होंगे।
– वीरेंद्र सिंह, उप संभागीय परिवहन अधिकारी।

अमृत विचारः मालवाहक वाहन स्वामियों को राहत देने वाली खबर है। अब 7.5 टन लोड क्षमता वाले व्यावसायिक वाहन स्वामियों को तिमाही-छमाही टैक्स भरने की झंझटों से छुटकारा मिलने जा रहा है। नए नियमों के मुताबिक इन्हें अब वन टाइम टैक्स प्रणाली के तहत एक मुश्त टैक्स जमा करना होगा। इससे वाहन स्वामियों को तो राहत मिलेगी ही, साथ ही परिवहन विभाग को टैक्स जमा कराने के लिए वाहनों की जांच भी नही करनी होगी।

परिवहन विभाग के मुताबिक जनपद में 10 हजार से अधिक माल वाहक वाहनों का संचालन किया जा रहा है। व्यावसायिक वाहन स्वामियों को अभी तक समय-समय पर तिमाही-छमाही टैक्स भरने के लिए तारीख याद रखनी पड़ रही है और चिंता रहती थी कहीं चालान न कट जाए। वहीं वाहन स्वामियों द्वारा निर्धारित समयानुसार टैक्स न भरने से विभाग को भी राजस्व नुकसान के साथ तमाम मुश्किलों से दो-चार होना पड़ रहा है। ऐसे में अब शासन ने व्यावसायिक मालवाहक वाहन मालिकों की मुश्किलों को दूर करने के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी है। इस नई व्यवस्था के तहत अब व्यावसायिक मालवाहक वाहन मालिकों को वन टाइम टैक्स प्रणाली के तहत एक मुश्त टैक्स जमा करने की सुविधा दी गई है। इसके तहत अब 7.5 टन लोड क्षमता वाले व्यावसायिक मालवाहक वाहनों को राहत मिल सकेगी। नई व्यवस्था में वाहनों की कीमत के आधार पर टैक्स तय किया गया है। ऐसे में अब 10 लाख कीमत तक के 7.5 टन लोड क्षमता वाले वाहनों को 10.5 प्रतिशत टैक्स रजिस्ट्रेशन के दौरान एक मुश्त जमा करना होगा। इसमें दो वर्ष पुराने मालवाहक वाहन स्वामियों को भी राहत दी गई है। ऐसे वाहन स्वामियों को अपने वाहन की कीमत का 8.5 प्रतिशत टैक्स एक मुश्त जमा करना होगा।

सुकीर्ति माधव मिश्रा होंगे नए एसपी

पीलीभीत, अमृत विचारः डीआईजी पद पर पदोन्नति के बाद एसपी अभिषेक यादव की एटीएस लखनऊ में तैनाती कर दी गई। पीलीभीत जिले का नया एसपी सुकीर्ति माधव मिश्रा को बनाया गया है। बिहार के मूल निवासी सुकीर्ति माधव मिश्रा तेज तर्रार 2015 बैच के आईपीएस हैं। कोरोना काल में मेरठ में पहली तैनाती के दौरान उन्होंने में खाकी हूं..कविता लिखी थी। क्राइम कंट्रोल को लेकर भी सख्त एक्शन लेने वाले कहे जाते हैं। जिले में उनकी तैनाती के बाद कानून व्यवस्था में और सुधार की उम्मीद है। अभिषेक यादव का कार्यकाल यहां करीब दस माह रहा। जिले के कप्तान के स्थानांतरण के बाद थाना प्रभारियों में भी खलबली मची हुई है।

सुकीर्ति माधव मिश्रा।

रूस में फंसे छह युवकों की जल्द होगी वापसी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों से रूस में फंसे जनपद के छह युवकों की वतन वापसी का रास्ता साफ हो गया है। वह आठ फरवरी की सुबह दिल्ली पहुंच जाएंगे और फिर वहां से अपने घरों तक आएंगे। सभी के टिकट जारी होने की जानकारी मिलने के बाद परिवार वालों ने केंद्रीय राज्यमंत्री का आभार जताया है।

बता दें कि जिले के विभिन्न इलाकों में रहने वाले कुछ लोगों ने 22 जनवरी को केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद को पत्र दिया था। जिसमें बताया था कि उनके बच्चों को रूस भेजने के लिए शाहजहांपुर जनपद के थाना बंडा क्षेत्र के ग्राम चंदुआपुर निवासी एक जालसाज ने बात की थी। इसके बाद छह लोगों को विदेश भेजने के नाम पर कुल 15 लाख रुपये लिए गए। इसके बाद टूरिस्ट वीजा पर छह युवकों को रूस भेज दिया गया। उस वक्त आरोपी ने कहा था कि रूस में वर्क वीजा पर भेज रहा है और अच्छी कंपनी में नौकरी भी लगवा देगा। जालसाज ने जो काम बताया था, वह बच्चों को नहीं मिला। सभी छह युवकों के पासपोर्ट जब्त कर लिए गए। 26 सितंबर 2025 को दिल्ली से जहाज पर बैठाकर रूस भेज दिया था। वहां 30-35 मंजिल पर बिना कोई सेफ्टी के काम करने को मजबूर किया गया। विरोध पर प्रताड़ित किया था। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने मामले का संज्ञान लिया और भारत सरकार एवं रूस के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से वार्ता की। फंसे युवकों की सही लोकेशन की जानकारी कराकर वतन वापसी के लिए प्रयास किए। जिसके बाद अब सभी को वापस लाने की तैयारी कर ली गई है। क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक देवस्वरूप पटेल ने बताया कि रूस से सभी छह लोगों की सकुशल वापसी के लिए उनके फ्लाइट के टिकट जारी कर दिए गए हैं। ये सात फरवरी की शाम सात बजे मास्को से चलकर आठ फरवरी की सुबह चार बजे दिल्ली पहुंचेंगे।

● **विदेश में अच्छी नौकरी पाने के चक्कर में जालसाज ने बनाया था निशाना**

ये छह लोग फंस गए थे रूस में

रूस में फंसे लोगों में बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम महदखास के निवासी राजा बाबू पुत्र रामकुमार, गजरौला क्षेत्र के ग्राम लालपुर के छोटेलाल पुत्र नन्हेलाल, बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम खाई निवासी गिरीश कुमार पुत्र हीरीलाल, ग्राम अधकटा निवासी रामवीर पुत्र रामस्वरूप, महेशपाल पुत्र नन्हेलाल, बेगराज पुत्र बाबूराम थे। इन लोगों ने रूस में फंसे होने के दौरान का वीडियो भी परिवार को भेजकर वतन वापसी की गुहार लगाई थी।

बाल संरक्षण समिति की बैठक में योजनाएं बताईं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बिलसंडा ब्लॉक में बाल विवाह न करने की शपथ लेतीं आंगनबाड़ी वर्कर व महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचारः महिला कल्याण विभाग की ओर से विकास खंड बिलसंडा में खंड शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक हुई। जिसमें समिति सदस्यों समेत आंगनबाड़ी वर्करों आदि को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत कस्तूरबा गांधी विद्यालय आदि में भी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत लोगों को शपथ दिलाई गई।

डीएम के निर्देशानुसार गुरुवार को खंड शिक्षा अधिकारी अमित शुक्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक में संरक्षण अधिकारी रमनदीप कौर ने समिति सदस्यों को बैठक के उद्देश्य की जानकारी दी। बताया कि ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के माध्यम से ब्लाक क्षेत्र के जरूरतमंद बच्चों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ना है। इसमें मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं स्पॉन्सरशिप योजना शामिल हैं। इन सभी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। बैठक में मौजूद आंगनबाड़ी वर्करों को बाल विवाह के दुष्परिणाम बताये गए और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत 07 बालिकाओं को हिमालया किट वितरित की गई। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय बिलसंडा, कस्तूरबा गांधी विद्यालय बिलसंडा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया और बाल विवाह न करने हेतु शपथ दिलाई गई। इस दौरान महिला कल्याण विभाग के काउंसलर अभिषेक शुक्ला, मनिस्ता के अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक एवं विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। इधर माधोटांडा में भी बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत लोगों को शपथ दिलाई गई और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

● **बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत दिलाई गई शपथ**

निगरानी

मदरसा संचालकों के लिए कौन कर रहा फंडिंग, अल्पसंख्यक विभाग करेगा जांच

बिना मदद लिए संचालित मदरसों के खंगाले जाएंगे बैंक अकाउंट

● **जिले में 222 मदरसे हो रहे संचालित, बॉर्डर एरिया वालों पर अधिक निगाहें**

सौरभ सिंह, पीलीभीत

अमृत विचार : बिना किसी सरकारी सहायता के संचालित हो रहे मदरसे अब शासन की गहन जांच के दायरे में आ गए हैं। जिले में संचालित 222 मदरसों की आर्थिक गतिविधियों को लेकर जांच होगी। खास तौर पर उन मदरसों पर विशेष फोकस रहेगा, जिनकी आय का कोई स्पष्ट स्रोत नहीं है। वे बड़े और पक्के भवनों में संचालित हो रहे हैं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह मदरसा संचालन से जुड़े बैंक खातों की पड़ताल कर यह स्पष्ट करें कि इन संस्थानों को फंडिंग कहां से और किस माध्यम से मिल रही है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को 15 दिनों में जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे मदरसा संचालकों में खलबली मची है।

जिले में 222 मदरसा संचालित हो रहे हैं। इनमें किसी भी मदरसे को सहायता प्राप्त नहीं है। मदरसों में कक्षा एक से 12वीं तक पढ़ाई होती है। जिले में कई मदरसा ऐसे हैं जिनकी आय के पुख्ता स्त्रोत नहीं हैं। इसके बाद भी कई आलीशान भवनों में संचालित हैं। इन मदरसों के निर्माण के लिए इतनी बड़ी रकम कहां से आई इसका प्रमाण मदरसा संचालकों के द्वारा कई बार हुई जांच के दौरान नहीं दिए गए। पूर्व में हुई जांचों में भी मदरसा संचालक इन भवनों के निर्माण से जुड़ी फंडिंग का संतोषजनक विवरण प्रस्तुत नहीं कर सके थे। आलीशान भवनों में संचालित मदरसों के पास कहां से फंडिंग हो रही है। इसकी जांच की जानी है। इसको लेकर शासन स्तर से आदेश जारी कर दिया गया है। अल्पसंख्यक विभाग के निदेशालय से मिले आदेश में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि जिले में संचालित हो रहे मदरसों के निर्माण के स्त्रोत की गहनता से पड़ताल करें। साथ ही निर्देश मिले हैं कि मदरसों की विदेशी फंडिंग की भी जांच की जाएगी। आशंका है कि कुछ मदरसों को विदेश से फंडिंग हो सकती है। खासकर इनका लाभ बॉर्डर एरिया में संचालित हो रहे मदरसे शामिल हैं। इसके लिए जिला स्तर और अभिसूचना इकाई से इनपुट प्राप्त करने के बाद अपने स्तर से सत्यापित करें। यदि जांच में किसी प्रकार की संदिग्धता सामने आती है तो मामले की जांच एसआईटी को सौंपी जाएगी। सभी मदरसों की जांच रिपोर्ट 15 दिनों के अंदर निदेशालय को प्रस्तुत करने के आदेश अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को मिले हैं। शासन के निर्देश पर अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने सभी मदरसा संचालकों को पत्र जारी कर बैंक खातों का विवरण मांगा है। मदरसा खाते के साथ-साथ संचालकों के व्यक्तिगत बैंक खातों की जानकारी भी ली जा रही है। जांच के आदेश मिलते ही मदरसा संचालकों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। माना जा रहा है कि किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टीम करेगी गहनता से पड़ताल

शासन के निर्देश पर मान्यता प्राप्त, गैर मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त मदरसों के बैंक अकाउंट की गहनता से पड़ताल की जाएगी। मदरसों के बैंक अकाउंट के साथ-साथ संचालकों के बैंक खाते भी देखे जाएंगे। अगर किसी तरह की गड़बड़ी मिलती है तो संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। जिसके आदेश शासन स्तर से विभाग के अधिकारी को मिले हैं। अल्पसंख्यक विभाग की ओर से संचालकों को पत्र भेजकर उनकी बैंक डिटेल जुटाई जा रही है।

"मदरसों की जांच के लिए शासन स्तर से पत्र मिला है। जिले में 222 मदरसे संचालित हो रहे हैं। इनमें किसी को भी सहायता प्राप्त नहीं है। पत्र के क्रम में सभी मदरसा संचालकों से उनके मदरसे और उनके खाते की डिटेल मांगी गई है। जिनकी जांच कराई जाएगी। जिसकी रिपोर्ट बनाकर निदेशालय को भेजा जाएगा।
– सुरेश कुमार मौर्या, कार्यवाहक जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

"मृतक की नानी ने जहर देकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। सूचना मिलने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
– संजीव शुक्ला, कोतवाल बीसलपुर

अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में हुई युवक की मौत के बाद परिजन उसके अंतिम संस्कार की तैयारी में थे। इसी बीच सूचना पर पहुंची मृतक की नानी ने हत्या का आरोप लगा दिया। पुलिस से शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव नसरुल्लापुर निवासी राजू उत्तराखंड के रुद्रपुर स्थित देवदास बंगाली कालोनी में किराए पर रहकर मजदूरी करता था। बुधवार की रात राजू की वहां संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी मौत कैसे हुई और क्या वजह रही इसका पता नहीं चल सका है। सूचना मिलने पर पहुंचे चचेरे भाई बलवीर और अन्य परिजन शव को रुद्रपुर से उसके पैतृक गांव नसरुल्लापुर पहुंचा। परिजनों ने मौत को सामान्य मानते हुए अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी और शव को श्मशान घाट ले गए। इसी दौरान इसी क्षेत्र के मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी मृतक की नानी सोमवती मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने उसकी जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए मामले की सूचना पुलिस को दी। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतिम संस्कार किया जा रहा है। पुलिस ने जानकारी जुटाने के बाद अंतिम संस्कार रुकवा दिया और चिता से शव को पोस्टमार्टम को भिजवाया। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

संदिग्ध हालात में ग्रामीण की मौत, फंदे से लटका मिला शव

बरखेड़ा के मोहल्ला ठाकुरद्वारा में पारिवारिक कलह में खुदकुशी करने की चर्चा

संवाददाता, बरखेड़ा

घटना के बाद मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचारः संदिग्ध परिस्थितियों में एक ग्रामीण की मौत हो गई। उसका शव ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में रस्सी के बने फंदे से लटका मिला। पारिवारिक कलह के चलते खुदकुशी करने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज मामले की जांच कर रही है।

मजहर मियां।

घटना कस्बा बरखेड़ा के वार्ड नंबर दो मोहल्ला ठाकुरद्वारा में हुई। यहां के रहने वाले 48 वर्षीय मजहर मियां पुत्र नन्हे मियां का शव गुरुवार सुबह ऊपरी मंजिल पर स्थित कमरे में रस्सी के बने फंदे से लटका मिला। काफी देर बाद भी पिता के कमरे से बाहर न आने पर दस वर्षीय पुत्री आयरा पिता को बुलाने के लिए पहुंची। इस दौरान कमरे में पिता का फंदे से लटका शव देख उसके होश उड़ गए। बच्ची के चीखने चिल्लाने पर आसपास के लोग जमा हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। बरखेड़ा पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। मृतक का एक पैर कुर्सी पर टिका हुआ था। जिसे लेकर मौजूदा लोग अनहोनी की आशंका भी जताते रहे। हालांकि पारिवारिक कलह में खुदकुशी की बात मानी जा रही है। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस गई थी। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच कराई जा रही है।

एक दिन पूर्व पत्नी से विवाद की चर्चाएं

अधेड़ का शव फंदे से लटका मिलने के बाद आसपास के काफी लोग जमा हो गए थे। परिवार वालों में चीख पुकार मची हुई थी। पारिवारिक कलह में खुदकुशी करने की आशंका जताई गई है। बताते हैं कि एक दिन पूर्व मृतक की पत्नी ने बारह वर्षीय पुत्र को डांट डपट दिया था। जिसे लेकर दंपति के बीच झगड़ा हो गया था। इसके बाद बताते हैं कि पत्नी मोहल्ले में ही चली गई थी और उसे बुलाने का प्रयास किया लेकिन नहीं आई। इसके बाद दूसरे ही दिन घटना हो गई। फिलहाल परिवार वालों का रोकर बुरा हाल रहा।

मंडलायुक्त आज करेंगे वार्षिक मुआयना, तैयारियां

सदर तहसील परिसर में साफ-सफाई करते कर्मी। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी 06 फरवरी को कलेक्ट्रेट समेत सरकारी कार्यालयों का वार्षिक मुआयना करेंगे। इस दौरान मंडलायुक्त विभागीय अफसरों के साथ बैठक कर समीक्षा करेंगे। इधर मंडलायुक्त के दौरे से एक दिन पूर्व गुरुवार को कलेक्ट्रेट समेत सदर तहसील परिसर में दिन भर तैयारियां चलती रही। सरकारी कार्यालयों समेत परिसरों साफ सफाई का कार्य चलता रहा। वहीं कर्मचारी अभिलेखों को दुरुस्त करते देखे गए। वहीं विभागीय अफसर भी कार्यालयों में बैठकर कामकाज निपटाते देखे गए।

पालेज खोदने से रोकने पर युवक को पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम कुर्री निवासी जाहिद पुत्र मोहम्मद नूर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार जनवरी को उनके भाई इरशाद अहमद पुत्र मोहम्मद नूर ग्राम बेहरी खेड़ा में ग्राम प्रधान द्वारा दी गई जमीन पर पालेज खोद रहे थे। आरोप है कि इस बीच कुछ लोग आए और जमीन को अपनी बताते हुए काम रोकने को कहा। विरोध करने पर आरोपियों ने इरशाद अहमद से अभद्रता कर धमकाया। जब शिकायत करने के लिए जा रहे थे तो हमला किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिना बिजली मीटर जगमग हो रहा था नेहरु पार्क, लाइट काटी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- टीएसी जांच के दौरान सभासदों ने लगाया था बिजली चोरी का आरोप

अमृत विचार : टनकपुर हाईवे पर स्थित नेहरु पार्क में जांच करने पहुंची टीएसी टीम की मौजूदगी में नेहरु पार्क में बिना बिजली मीटर के ही जगमग होने की बात कही गई। मामला संज्ञान में आने के बाद अब नेहरु पार्क की लाइट काट दी गई है। जिस वजह से रात में चमकने वाला नेहरु पार्क अब अंधेरे में है। इधर, लाइट कटने के बाद पार्क का ठेका लेने वाले ठेकेदार परेशान है और वह लाइट चालू करने की मांग कर रहे हैं।

बता दें कि टनकपुर हाईवे निरंजन कुंज कॉलोनी के सामने स्थित नेहरू पार्क का सौंदर्यीकरण कार्य नगर पालिका के स्तर से कराया गया है। इसके लिए शासन स्तर से 1.33 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया था। बजट मिलने के बाद नगर पालिका की ओर से काम शुरू करा दिया गया था। पार्क के स्वरूप को बदलते हुए परिसर में नए झूले, ओपन जिम, पाथवे, लाइट, गार्डन आदि तैयार किए गए हैं। साथ ही नेहरू पार्क का मुख्य द्वार का भी स्वरूप बदला गया है। मई में पार्क का काम पूरा कर लिया गया था। नगरपालिका की ओर से जून में इसका उद्घाटन कराने की रणनीति बनाई गई थी, लेकिन अभी तक इसका उद्घाटन नहीं हो सका है। जिसके बाद इसका ठेका दे दिया गया था। मगर पूर्व में सभासदों की ओर से की गई शिकायत के बाद टीएसी की टीम जांच करने के लिए एक दिन पूर्व नेहरु पार्क पहुंची थी। बरेली आरईएस के राजेश कुमार को अनिमिताएं मिली थी। साथ ही मौके पर बिना बिजली मीटर के लाइट चलती मिली। बताते हैं कि अभी तक पार्क में बिजली कनेक्शन नहीं लिया गया। सिर्फ सीधे तार जोड़कर लाइट जलाई जा रही है। शिकायत के बाद कनेक्शन काट दिया गया है। ईओ संजीव कुमार ने बताया कि लाइट को लेकर वार्ता चल रही है। जल्द ही कनेक्शन करा दिया जाएगा।

एबीएम से बदसलूकी और धमकी, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : बैंक में कार्यरत महिला अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार और धमकी देने का मामला सामने आया है। सोलर लोन की जानकारी के दौरान हुए विवाद के बाद आरोपी ने दोबारा रास्ते में रोककर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र में इंडियन बैंक की सहायक शाखा प्रबंधक (एबीएम) ने दिव्या वर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह चौक बाजार शाखा में एबीएम पद पर कार्यरत हैं। 20 जनवरी को दोपहर ऋषभ अग्रवाल नामक युवक बैंक आया था। आरोप है कि युवक ने सोलर लोन और उससे जुड़ी सब्सिडी के बारे में जानकारी ली। इसी दौरान बात बढ़ने पर वह बहस करने लगा और दुर्व्यवहार पर उतर आया। 26 जनवरी की सुबह करीब आठ से नौ बजे के बीच युवक ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि युवक ने सब्सिडी न मिलने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। शोर सुनकर राहगीर मौके पर जुट गए, जिसके बाद आरोपी धमकी देता भाग गया। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

नर्तकियों के डांस का वीडियो वायरल, पुलिस ने की जांच

संवाददाता, दियोरियाकलां

अमृत विचारः नर्तकियों के डांस के मामले थम नहीं रहे हैं। कुछ दिन पहले अमरिया क्षेत्र का प्रकरण उजागर हुआ था। अब दियोरियाकलां क्षेत्र के एक गांव में नर्तकियों को बुलाकर ठुमके लगवाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद खलबली मच गई। पुलिस ने मामले में जांच की।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दियोहना गांव का यह वीडियो बताया जाता है। बुधवार रात नर्तकियों को बुलाकर आपत्तिजनक डांस कराया गया। बकायदा पंडाल लगाकर पूरा कार्यक्रम चला, जिसमें काफी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और नोट भी लुटाए। इसका वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। जिसके बाद पुलिस प्रशासन में खलबली मच गई। बताते हैं कि कुछ पुलिसकर्मी भी वहां पहुंचे और बिना कार्रवाई किए ही वापस आ गए। क्योंकि यह एक ग्रामीण के घर नामकरण संस्कार की दावत थी। मगर, किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दी। एसओ गौतम सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। इसकी जांच कराई जा रही है।

वायरल वीडियो से लिया स्क्रीनशॉट।

एयरगन के साथ दबोचा शिकारी

बदायूं, अमृत विचार : शहर में मुरादाबाद रोड स्थित एक ढाबे के निकट एक शिकारी को एयरगन के साथ पुलिस टीम ने दबोच लिया। वन विभाग की टीम ने शिकारी के खिलाफ वन्य जीव अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराने को तहरीर दी। गुरुवार को बिसौली रोड स्थित दादी की रसोई के निकट जंगल में एक शिकारी अपनी एयरगन के साथ पहुंचा। शिकारी ने एयरगन से एक कबूतर को मार गिराया। एयरगन के फायर की आवाज पर आस पास के लोग पहुंच गए। साथ ही थाना सिविल लाइन पुलिस भी पहुंच गयी। पुलिस ने शिकारी युवक को उसकी एयरगन और मोटर साइकिल के साथ पकड़ लिया। साथ ही वन विभाग को सूचना पर वन विभाग के रेंजर अशोक कुमार ने पुलिस को उक्त आरोपी के खिलाफ वन्य जीव अधिनियम के तहत कार्यवाही करने को तहरीर दी है।

ऑफिस जाने निकली युवती लापता

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी 21 वर्षीय पुत्री चार फरवरी सुबह 10 बजे घर से आनलाइन ऑफिस, लेखराज चौराहा पर काम करने गई थी। देर शाम तक घर वापस नहीं लौटी। जब तलाश शुरू की तो ऑफिस में बताया गया कि युवती उस दिन ऑफिस नहीं पहुंची। परिजनों ने युवती के मोबाइल पर कई बार कॉल की, लेकिन दोनों नंबर बंद मिले। रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर भी खोजबीन की, लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिल सकी। आशंका है कि किसी ने युवती को बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। युवती की तलाश की जा रही है।

आपत्तिजनक फोटो पोस्ट करने पर कार्रवाई

पीलीभीत : सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री का फोटो एडिट कर वायरल करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। ग्राम चंदोई के ऐश मौर्य की ओर से की गई शिकायत में बताया कि इंस्टाग्राम पर किसी ने एडिट की गई मुख्यमंत्री की फोटो पोस्ट की। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

ADITYA **आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर**
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
8077344353
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
NABH PRE ACCREDITED

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अनुदेशकों में जागी उम्मीद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : अंशकालिक अनुदेशकों के लंबे संघर्ष को आखिरकार राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अनुदेशकों में खुशी है। शीर्ष अदालत की ओर से बकाया भुगतान को लेकर किए गए आदेश के बाद अनुदेशकों ने हर्ष जताया है।

बता दें कि बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने अनुदेशकों के मानदेय से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 17 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय को न्यायोचित ठहराते हुए सरकार की याचिका खारिज कर दी। साथ ही वर्ष 2017 से अब तक का समस्त बकाया एरियर के रूप में छह माह के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जिले के 573 अनुदेशकों में खुशी का माहौल है।

अनुदेशक संगठन के प्रदेश मंत्री प्रखर मिश्र ने कहा कि यह मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अंशकालिक शिक्षकों से वर्षों तक निरंतर सेवाएं लेने के बावजूद उन्हें संविदा कर्मी मानना अनुचित है। वर्ष 2013 से तय सात हजार मानदेय को अदालत ने अनुचित श्रम व्यवहार की श्रेणी में माना है। फैसले के अनुसार संशोधित मानदेय शैक्षिक सत्र 2017-18 से लागू माना जाएगा और एक अप्रैल 2026 से भुगतान प्रारंभ होगा। साथ ही पूर्व अवधि का समस्त बकाया छह माह में देना अनिवार्य होगा। फिलहाल इस फैसले को अनुदेशक उज्जवल भविष्य की राह से जोड़कर देख रहे हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा दिया गया न्याय ऐतिहासिक है। अनुदेशकों का भविष्य उज्जवल होगा। सरकार अगर चाहे तो नियमतीकरण भी कर सकती है। अभी तक सराहनीय निर्णय है।
- प्रखर मिश्र, प्रांतीय संगठन मंत्री, माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति

न्यायालय का हृदय से आभार। अब सरकार से निवेदन ये है कि उक्त निर्णय को अतिशीघ्र लागू कर अनुदेशकों के हित को संरक्षित करे। अब सात हजार से बढ़कर 17 हजार रुपये मानदेय का फैसला दिया गया है।
- राकेश पटेल, प्रदेश अध्यक्ष, माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति

सुप्रीम कोर्ट का फैसला अनुदेशकों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला है। आगे भी संगठन अनुदेशक हित में कार्य करता रहेगा। यह आदेश वर्ष 2017-18 से लागू होगा। जिससे अनुदेशकों को लाभ होगा।
- सुरेंद्र गंगवार, जिला अध्यक्ष, माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति

एसआई मोहित नैन के स्थानांतरण पर दी विदाई

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली परिसर में बृहस्पतिवार को विदाई समारोह का आयोजन कर स्थानांतरित उप निरीक्षक मोहित कुमार नैन को भावपूर्ण विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोतवाल मनोज कुमार ने की। इस दौरान उनके उत्कृष्ट कार्य, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना करते हुए उनके भविष्य में भी उसी निष्ठा के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई गई।

ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा, ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन भानु गुट ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए बिल्सी तहसील के गांव खितौरा में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते अनवीर सिंह वर्मा ने कहा कि उसने गांव में ग्राम समाज की भूमि गाटा संख्या 553 रकबा 0,506 हेक्टेयर खरीदा है। लेकिन गांव के दबंग ने उस ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा कर लिया है।दबंगा ने 553 गाटा संख्या पर सहसवान तहसील न्यायालय से ले लिया है। उक्त दबंग ने 556 व गाटा संख्या 558 को भी जोत लिया है।पीड़ित ने बताया कि गाटा संख्या 556 खेल मैदान है जबकि 538 होली चौक है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि उक्त भूमि की पैमाइश कराई जाए। प्रदर्शन करने वालो ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की। इस मौके पर बिहारी, लालाराम, कौशर, जसबीर, किशनपाल, प्रेम सिंह, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

शिक्षक सुनील बने एनसीसी सेकंड ऑफिसर

महंगापुर, अमृत विचार : गुरु तेग बहादुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक सुनील कुमार का एनसीसी में सेकंड ऑफिसर पद पर चयन हुआ है। 26 यूपी बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल चित्र सेन सिंह एवं एसएम सुरेंद्र सिंह ने शिक्षक सुनील कुमार को स्टार लगाकर प्रमोशन दिया। सुनील कुमार एनसीसी कोर्स का कार्यभार लंबे समय से संभाल रहे थे। बीते माह उन्होंने ओटीएस, महाराष्ट्र में आयोजित दो माह का विशेष प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। स्कूल प्रबंधक सरबजीत सिंह, प्रधानाचार्य संगीता जायसवाल आदि ने उन्हें बधाई दी।

दंपती व पुत्रवधू के साथ मारपीट

धौरहरा, अमृत विचार : गांव रामनगर लहबड़ी निवासी अनवरी ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे समीम, रोशन जहां, सोफिया व नासिर की पत्नी रास्ते पर कूड़ा करकट फेंक रहे थे। जब उसने रास्ता अवरुद्ध होने से मना किया तो गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। शोर सुनकर पति रसूल अहमद और बहू तरन्नुम मौके पर पहुंची, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इस घटना में तीनों को चोटें आईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तीनों घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

संपूर्णानगर, अमृत विचार : एसएसबी कमलापुरी और थाना संपूर्णानगर पुलिस ने बुधवार की देर शाम संयुक्त कार्रवाई करते हुए भारत-नेपाल सीमा पर बाइक सवार अनुज गुप्ता और शिवा गौड निवासी बसही कॉलोनी थाना संपूर्णानगर को रोककर तलाशी ली तो दोनों के पास से कुल 4 .45 ग्राम ब्राउन बरामद हुई। पुलिस ने बाइक सीज करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों का पुलिस ने गुरुवार को चालान भेजा है।

प्रधानाचार्य बने एनसीसी ऑफिसर

पलियाकलां, अमृत विचार : गोल्डन फ्लावर सीनियर सेकेंड्री स्कूल के प्रधानाचार्य श्याम महेंद्रू को एनसीसी के सेकंड ऑफिसर पद पर पदोन्नत किया गया है। 26 यूपी बटालियन एनसीसी. मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में कमांडिंग ऑफिसर चित्र सेन व सूबेदार मेजर सुरेंद्र सिंह ने उनके कंधों पर स्टार लगा कर बधाई दी। स्कूल प्रबंध संचालक जसमेल सिंह मांगट, उपप्रबंधक अमनप्रीत सिंह मांगट, प्रबंध संचालिका हरदीप कौर मांगट, रमनजीत कौर मांगट ने भी उन्हें बधाई दी है।

शिवरात्रि व होली को लेकर बैठक आज

पलिया कलां, अमृत विचार : शिवरात्रि, होली व नव संवत्सर पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर आध्यात्मिक श्रीकुल सेवा संस्थान के पदाधिकारियों की एक बैठक शुक्रवार यानी आज शाम 7 :00 बजे होगी। संस्थान के महामंत्री कृष्ण कुमार गोपी ने बताया कि बैठक में कार्यक्रमों की सफलता को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा। बैठक में सभी पदाधिकारियों व सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है।

तीन अधिकारी और 24 कर्मचारी अनुपस्थित

विकास भवन में सीडीओ अभिषेक कुमार ने किया औचक निरीक्षण, एक दिन का वेतन काटने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : विकास भवन में गुरुवार सुबह सीडीओ अभिषेक कुमार ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान तीन अधिकारी और 24 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिससे प्रशासनिक अधिकारियों में खलबली मच गई। सीडीओ ने अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश जारी किया।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की समयपालन सुनिश्चित करें, स्वयं भी प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जनसुनवाई में उपस्थित रहे। परिसर में गंदगी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों और कार्यालय अधीक्षक की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

विकास भवन के एक कार्यालय में उपस्थिति रजिस्टर चेक करते सीडीओ अभिषेक कुमार।

सीडीओ ने निर्देशित किया कि सभी कर्मचारियों के लिए समान टेबल, केबिन व्यवस्था, नाम पट्टिका अनिवार्य की जाए।

अभिलेख नियमित अद्यतन कर अलमारी/रैक में व्यवस्थित रूप से रखवाए जाएं। कार्यालय की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने विकास भवन में सभी कार्मिकों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। सीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जो कर्मचारी अवकाश पर हों, उनका अवकाश प्रार्थना पत्र मानव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड किया जाए और उपस्थिति पंजिका में प्रातः 10 बजे तक अवकाश का अंकन अनिवार्य रूप से किया जाए। यदि निरीक्षण के समय किसी कर्मचारी का हस्ताक्षर कालम रिक्त पाया जाता है या अवकाश दर्ज नहीं किया गया, तो उसे अनुपस्थित मानते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, अवकाश दर्ज न करने की जिम्मेदारी संबंधित स्थापना लिपिक पर भी होगी।

ये रहे अनुपस्थित अधिकारी और कर्मचारी

निरीक्षण में जिले की समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह कार्यालय में नहीं मिलीं। उनके कार्यालय के वरिष्ठ सहायक सय्यद साद, पर्यवेक्षक सचिन, महेन्द्र कुमार, अंशुमान सिंह, विकास गुप्ता, पत्रवाहक नरेन्द्र कुमार भी अनुपस्थित पाए गए। डीएसटीओ कार्यालय के अपर सांख्यिकी अधिकारी नीति शर्मा और अरविन्द, सहायक अभियंता ल. सिं. कार्यालय के वरिष्ठ सहायक रोहित सक्सेना और कनिष्ठ सहायक अजय कुमार राज भी अनुपस्थित थे। एआरसीएस कार्यालय के एआर कॉपरेटिव रजनीश प्रताप सिंह और सहयोगी साधना सिंह, पशुपालन से कनिष्ठ सहायक रवि कुमार और पत्रवाहक कृष्ण कुमार, अधिशासी अभियंता, ग्रा.अ.वि. कार्यालय के वरिष्ठ सहायक समीर शरण सिंह भी अनुपस्थित पाए गए। डीपीआरओ कार्यालय के कनिष्ठ सहायक बीएल राना, पत्रवाहक बब्लू, सफाई कर्मी सुभाष सिंह, अखिलेश कुमार, छोटे लाल, विपिन कुमार और उपायुक्त श्रम रोजगार कार्यालय के एपीओ नीतू और कम्प्यूटर आपरेटर मनोज कुमार भी अपनी ड्यूटी से गायब रहे।

पर्ची नहीं मिलने से क्रेशर पर गन्ना बेचने को किसान मजबूर

संवाददाता, भीरा

- गन्ने का री सर्वे न होने से किसानों को नहीं मिल पा रही पर्ची

अमृत विचार : गन्ने का री सर्वे न होने से किसानों को पर्ची नहीं मिल पा रही है। इससे किसान अपना गन्ना क्रेशर पर बेचने के लिए मजबूर है।

किसानों को इस बात की चिंता सता रही है कि वह चीनी मिलों को सट्टा सर्वे के आधार पर कैसे गन्ने की आपूर्ति कर सकेंगे। वजह है कि सहकारी गन्ना विकास समिति भीरा क्षेत्र में अधिकतर किसानों ने अधिक उत्पादन के प्रयास में अस्वीकृत प्रजाति के गन्ने की बुवाई की है।इस वजह से गन्ना विकास समिति उन्हें अस्वीकृत प्रजाति की सप्लाई के लिए पर्चियां जारी नहीं कर रही है।

जानकार बताते हैं कि रिजेक्ट गन्ने की री सर्वे करने के निर्देश शासन स्तर से दिए गए हैं। इस सर्वे को करवाने के लिए गन्ना विकास परिषद के वरिष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अधिकृत हैं, जिन्हें जिला गन्ना अधिकारी ने बीते दिनों हटा कर पलिया का सचिव बना दिया है, फिर भी खेतों में खड़े गन्ने का री सर्व नहीं हो पा रहा है।

यह सर्वे 5 फरवरी तक करने के निर्देश गन्ना आयुक्त ने दिए हैं। एडिशनल चार्ज संभाले वरिष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मधुकर आशुतोष का कहना है इस समय एसआईआर के कार्यों में लगे हैं, जिससे वह यहां समय नहीं दे पा रहे हैं।

फिर भी उन्होंने गन्ना विकास परिषद के फील्ड कर्मचारियों को दोबारा सर्वे करने के निर्देश दे दिए हैं।

विद्यार्थी अपने दांतों की न करें अनदेखी, रखें ख्याल

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : गांधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को दंत चिकित्सक ने बच्चों को दांत की विभिन्न समस्याओं, उनसे सम्बंधित रोगों और उनके इलाज की जानकारी देते हुए कहा कि दांतों की अनदेखी कतई न करें।

रात में सोने से पहले या मीठा खाने के बाद ब्रश जरूर करना चाहिए।नगर के दंत चिकित्सक डॉ कमलेश वर्मा ने गांधी विद्यालय में विद्यार्थियों के दांत चेक किए। उन्होंने बताया कि कैविटी, मसूड़ों से खून आना, संवेदनशीलता, ठंडा गर्म लगना, दर्द और बदबू, दांतों का आड़ा तिरछा होना दांतों की प्रमुख समस्याएं होती हैं। घरेलू उपचारों गर्म पानी में नमक मिला कर कुल्ला करने, फ्लोराइड युक्त पेस्ट से ब्रश करने, मीठे पदार्थों के सीमित सेवन प्रति छह माह पर डेन्टिस्ट को दांतों को दिखाने से कुछ हद तक दांतों की समस्या दूर की जा सकती है। कहा कि रात में सोने से पहले भी ब्रश करना जरूरी है, ताकि मुंह के बैक्टीरिया हट सके। दांतों को सड़न से बचाव के लिए रात में मीठा खाने के बाद भी ब्रश करने की आदत डालनी चाहिए। प्रधानाचार्य डॉ. सौरभ दीक्षित ने डॉ. कमलेश वर्मा का आभार व्यक्त किया। राम सनेही, डॉ. राजेश कुमार सहित स्टाफ मौजूद रहा।

दांतों का परीक्षण करते डॉ. कमलेश वर्मा।

जिला विकास अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष बने रोमी

पलिया कलां, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पलिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोमी साहनी को जिला विकास अनुश्रवण समिति का अध्यक्ष नामित किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा गठित एक जिला स्तरीय संस्था है, जिसकी अध्यक्षता संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि करते हैं। इस समिति का मुख्य उद्देश्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा आदि का जनहित में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है, ताकि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके।

केंद्रीय बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर पर दिया जोर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- अटल सभागार में जिले के प्रभारी मंत्री ने की प्रेस वार्ता
- बोले- मील का पत्थर साबित होगा वित्त मंत्री का बजट

अमृत विचार : जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि हाल में ही पेश हुआ वर्ष 2026-27 का बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत व आत्मनिर्भर 2047 संकल्प के लिए मील का पत्थर साबित होगा। वर्ष 2026-27 के इस केंद्रीय बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया गया है, जो प्रधानमंत्री के संकल्प में मील का पत्थर साबित होगा।

कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि पिछले दिनों केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश यह बजट आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया है। बजट का कुल आकार 53.47 लाख करोड़ रखा गया है। सरकार ने इस बजट में घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, आयात पर निर्भरता घटाने, रोजगार सृजन, कृषि उत्पादकता बढ़ाने तथा शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं के विस्तार पर फोकस किया है। यह बजट को युवा, गरीब, किसान और महिलाओं को समर्पित है। खासबात यह है कि बीते वर्ष की तुलना में यह काफी भारी भरकम बजट है। वित्तीय वर्ष के बजट की तुलना में शिक्षा विभागः को 1,39,289 करोड़, स्वास्थ्य विभाग 1,06,530 करोड़, रक्षा विभागः 7,84,678 करोड़ (15.3% की वृद्धि), कृषि एवं किसान कल्याणः 1,40,528 करोड़, ग्रामीण विकासः 1,97,023 करोड़, सड़क एवं राजमार्गः 3,09,875 करोड़, गृह विभागः 2,55,233 करोड़, रेलवे 2,81,377 करोड़ है, जो वित्तीय वर्ष 2025–26 की तुलना में शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, सड़क और रेल क्षेत्र के बजट में वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त मंत्री ने तीन प्रमुख कर्तव्यों पर जोर दिया है, जिसमें उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हुए तेज और सतत विकास सुनिश्चित करना। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उनकी क्षमताओं का निर्माण करना।

यह सुनिश्चित करना कि विकास का लाभ प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र और प्रदेश तक पहुंचे। बजट में परिवहन नेटवर्क, उद्योगों और लॉजिस्टिक्स को गति देने के लिए सड़क, रेल और अन्य बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार का उद्देश्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। इस दौरान जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, विधायक धौरहरा विनोद शंकर अवस्थी, श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी, प्रभारी डीएम सीडीओ अभिषेक कुमार, सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता समेत कई जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता करते जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल। ● अमृत विचार

बाजार पर चढ़ा सहालग का रंग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- दो माह बाद शुरू हुए मांगलिक कार्य, बारात घर गेस्ट हाउस सज कर तैयार

अमृत विचारःमांगलिक कार्यों के शुरुआत हो गई है। दो माह के अंतराल के बाद प्रारंभ हुए मांगलिक कार्यों का शुभ मुहूर्त शुरू होते ही शहनाइयों की गूंज सुनाई देने लगी है। वहीं बाजारों में दुकानों पर खरीदारी को लेकर हलचल तेज हो गई है। बारात घरों, मैरिज लॉन में सजावट देखी जा रही है। साथ ही ब्यूटी पार्लरों में भी रौनक दिखाई देने लगी है।

हर बार मकर संक्रांति के बाद से मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते थे। परंतु इस बार मांगलिक कार्य पांच फरवरी से शुरू हुए हैं। जिन घरों में विवाह समारोह का आयोजन होना है, उन घरों में पहले से ही तैयारी चल रही थी। बारात घर, मैरिज लॉन और होटल पहले से ही बुक किए जा चुके थे। वहीं ब्यूटी पार्लर, बैंड बाजा , कैटरिंग, फोटोग्राफी, कारीगर आदि पहले से ही ऑर्डर दिए जा चुके थे। विवाह समारोहों को लेकर बाजार में हलचल काफी बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को बाजार में दुकानों पर अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक भीड़भाड़ दिखाई दी। लोग रेडीमेड कपड़े, जूता, चप्पल और कॉस्मेटिक की दुकानों पर खरीदारी करते दिखाई दिए। ठंड की वजह से मंदी से गुजर रहे कारोबारी भी ग्राहकों की भीड़ देखकर खुश दिखाई दिए। व्यापारियों का कहना है कि लंबे अंतराल के बाद शुरू हुए सहालग के दौरान कारोबार में तेजी आई है और मंडी का असर कुछ हद तक कम हुआ है।

कपड़ा व्यापारी सौरभ सिंह, दीपक अग्रवाल, दिनेश गुप्ता आदि ने बताया कि सहालग शुरू हो गए हैं, कई दिनों से बाजार में मंदी का दौर था, अब ग्राहक आने लगे हैं। विवाह का सीजन शुरू होने से शेरवानी लहंगा की मांग अधिक है। बताया कि दुकान में चार हजार से लेकर 40 हजार तक के लहंगे और शेरवानी मौजूद हैं, जिसे लोग पसंद भी कर रहे हैं।

मैरिज लॉन की हो चुकी एडवांस बुकिंग

नगर में 40 से अधिक मैरिज लॉन, गेस्ट हाउस उपलब्ध हैं। सहालग शुरू होने से पूर्व ही इनमें रंग रोगन सजावट आदि का काम चल रहा था। सहालग में शुभ मुहूर्त पर होने वाले कार्य की वजह से इन सभी के पास ऑर्डर पहले से लगे हैं। बृहस्पतिवार को नगर में 20 से अधिक मैरिज लाइन में शहनाई की गूंज सुनाई दी।

पंचायत भवन से कंप्यूटर-इनवर्टर चोरी

धौरहरा, अमृत विचार : गांव हरदी स्थित पंचायत भवन का ताला तोड़कर चोर पंचायत भवन से पूरा कंप्यूटर सेट समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना की तहरीर पुलिस को दी गई है। जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव हरदी निवासी पंचायत सहायक रवीन्द्र कुमार ने बताया कि पंचायत भवन से चोर डेस्कटॉप, मॉनिटर, की-बोर्ड, माउस, सीपीयू के साथ-साथ एक बैटरा, एक इनवर्टर और एक हार्ड डिस्क चोरी कर ले गए। सुबह पंचायत भवन पहुंचने पर ताले टूटे मिले और अंदर रखा सामान गायब था। चोरी की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। पंचायत सहायक की तहरीर पर पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच विनोद कुमार द्विवेदी को सौंपी गई है।

दिव्यांग पर लाठी-डंडों व धारदार हथियार से हमला

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- गुटखा बेचने को लेकर हुआ विवाद

अमृत विचार : थाना भीरा क्षेत्र में पान-पुड़िया की बिक्री को लेकर हुए विवाद में एक दिव्यांग दुकानदार के साथ मारपीट की गई। आरोपी ने पड़ोसी दुकानदार और उसके परिजनों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया।

कस्बा भीरा निवासी लालू ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे वह अपनी पान-पुड़िया की खोखा दुकान पर बैठा था। उसी दौरान एक ग्राहक पुड़िया लेने आया, जिस पर वह 10 रुपये में 3 पुड़िया दे रहा था। आरोप है कि पास में ही दुकान लगाए नेपाली 10 रुपये में 4 पुड़िया बेच रहा था, इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि नेपाली, उसकी पत्नी कौलिया और विनेश ने उसे गालियां देते हुए लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया। मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने बताया कि वह एक पैर से दिव्यांग है। इसके बावजूद आरोपियों ने बेरहमी से उसकी पिटाई की। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई अवनीश कुमार को सौंपी गई है। घायल को अस्पताल भेजा गया है।

घर में घुसा तेंदुआ, बकरी को बनाया निवाला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : भारत-नेपाल सीमा पर स्थित कोतवाली तिकुनिया की ग्राम पंचायत कड़िया के किशनगर में बुधवार की रात उस समय हड़कंप मच गया। जब तेंदुआ आबादी में घुस आया और एक ग्रामीण की बकरी को घर के अंदर से उठा ले गया। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गांव किशन नगर निवासी बिफू ने बताया कि उनकी बकरी घर के अंदर बंधी थी। रात में तेंदुआ घर के अंदर घुस आया और बकरी को उठाकर ले गया। कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनकर घरवाले जागे तो देखा कि तेंदुआ बकरी को जबड़े में दबाकर घसीटते हुए ले जा रहा था। शोर मचाने और पीछा करने पर तेंदुआ बकरी को लेकर कुछ दूर तक भागा। इसके बाद बकरी को छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। तेंदुए के हमले में बकरी की मौके पर ही मौत हो गई।

हाथियों के झुंड ने दो एकड़ गन्ने की फसल रौंदकर की तहस-नहस

संवाददाता, मझगईं

- हाथियों को जंगल से बाहर आने से नहीं रोक पा रहा वन विभाग

अमृत विचार : कभी बाघ तो कभी तेंदुआ के साथ ही अब हाथियों ने भी चौखड़ा फार्म को अपने निशाने पर ले लिया है। बुधवार की रात दुधवा टाइगर रिजर्व के जंगल से निकले हाथियों के झुंड ने दो एकड़ गन्ने की फसल को रौंदकर उजाड़ दी। मंगलवार की रात में भी हाथियों ने दस एकड़ फसल को बर्बाद किया था।

मझगई रेंज के चौखड़ा फार्म में बुधवार देर रात पार्क के जंगल से निकलकर आए जंगली हाथियों के झुंड ने खलला गुरुद्वारा के पास स्थित किसानों जगदीप सिंह व मोहम्मद खान के खेतों में जमकर तांडव मचाया। हाथियों ने खड़ी गन्ने की फसल को रौंदकर तहस-नहस कर दिया। किसानों के अनुसार उन्होंने कर्ज लेकर और खून-पसीना बहाकर फसल तैयार की थी, पर्ची आने का इंतजार ही कर रहे थे कि उससे पहले हाथियों ने पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया।

गुरुवार सुबह जब किसान खेतों की ओर पहुंचे तो बर्बाद फसल देखकर उनके होश उड़ गए और वे मायूस होकर खेतों में ही बैठ गए। किसानों का कहना है कि हाथियों का झुंड आए दिन जंगल से बाहर निकलकर खेतिहर इलाकों में उत्पात मचा रहा है। मंगलवार की रात भी हाथियों का झुंड इसी इलाके में पहुंचा था और करीब 10 एकड़ गन्ने की फसल तबाह कर दी थी, लेकिन वन विभाग और पार्क प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस और कारगर कदम नहीं उठाया गया है, जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

वन क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि किसानों की फसल क्षति का आकलन कर लिया गया है।

खलला गुरुद्वारे के निकट रौंदा पड़ा गन्ना। ● अमृत विचार

डॉ. ख्याति गर्ग लखीमपुर खीरी की एसपी बनीं

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शासन ने बुधवार की देर शाम आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं, जिसमें प्रमोशन पाकर डीआईजी बने संकल्प शर्मा को कमिश्नरेट कानपुर का संयुक्त पुलिस आयुक्त के पद पर भेजा है। उनके स्थान पर 09 वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद की सेनानायक ख्याति गर्ग को लखीमपुर खीरी का नया पुलिस अधीक्षक बनाया है। उनके देर शाम तक लखीमपुर पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। आईपीएस डॉ. ख्याति गर्ग उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की एक मेधावी आईपीएस अधिकारी हैं। वह मूलतः हरियाणा की रहने वाली हैं। उन्होंने अमेठी में अपनी तैनाती के दौरान कॉप टॉक जैसी नवीन और जनसंवाद केंद्रित अपनी अलग पहचान बनाई। वह तेज तर्रार और अनुशासित अफसरों में मानी जाती हैं।

किसानों को शुद्ध बीज उपयोग करने की दी सलाह

संवाददाता, धौरहरा

- गोविंद शुगर मिल ऐरा की ओर से गन्ना प्रदर्शन प्लॉट की बुवाई कराई

अमृत विचार : बसंत कालीन गन्ना बुवाई के तहत गुरुवार को गांव अकठी में प्रगतिशील किसान पैकरमा प्रसाद के प्लॉट पर गोविंद शुगर मिल ऐरा ने गन्ना प्रदर्शन प्लॉट की बुवाई कराई।

बुवाई से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार किया गया, जिसके बाद 0118 प्रजाति के गन्ने की बुवाई की गई। बुवाई में लाइन से लाइन की दूरी चार फीट रखी गई व दो आंख के उपचारित टुकड़ों का प्रयोग किया गया। शुगर मिल के रीजनल हेड यादवेन्द्र प्रताप राव ने किसानों को गन्ना बुवाई में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी।

उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर गन्ना बीज की प्रजाति बदलकर किसानों को गलत बीज दिया जा रहा है, जो नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि किसी भी स्थिति में गन्ना विकास परिषद के अधिकारी या चीनी मिल के क्षेत्रीय अधिकारियों की जानकारी में लाए बिना दूसरे क्षेत्रों से गन्ना बीज न लाएं।

गोविंद शुगर मिल ने इस बार बसंत कालीन गन्ना बुवाई के लिए किसानों के हित में दवाओं एवं कृषि यंत्रों पर सब्सिडी भी दी जा रही है। कार्यक्रम में चीनी मिल के अधिकारी सतेन्द्र तोमर, बृजेश अवस्थी, अनुज सिंह, पप्पू कश्यप सहित किसान विनोद कुमार, जगनमोहन, रामछल समेत कई किसान मौजूद रहे।

पूजा-अर्चना के बाद गन्ना बुवाई करते गोविंद शुगर मिल के रीजनल हेड यादवेंद्र प्रताप राव व अन्य लोग। ● अमृत विचार

गोविंद शुगर मिल ऐरा का 180 लाख क्विंटल पेराई का लक्ष्य निर्धारित किया

गोविंद शुगर मिल ऐरा की एडवाइजर फौजिया तरन्नुम ने बताया कि गन्ना आपूर्ति सत्र 2025–26 के लिए चीनी मिल का 180 लाख क्विंटल पेराई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 4 फरवरी तक 103 लाख क्विंटल गन्ने की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 14 दिनों में भुगतान की घोषणा के क्रम में 15 जनवरी तक खरीदे गए गन्ने का भुगतान किसानों के खातों में भेजा जा चुका है। वर्तमान में चीनी मिल में प्रतिदिन लगभग एक लाख पांच हजार क्विंटल गन्ने की पेराई की जा रही है। किसान अपना गन्ना अपने नाम से ही चीनी मिल को आपूर्ति करें। अपना बेसिक कोटा अवश्य बनवाएं।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ. आर. एस. सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic
*पतले-दुबले *गाल पिचके *कमजोर स्त्री-पुरुष *मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए परामर्श लें।
चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।
किसी भी प्रकार का नशा जैसे शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।
स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
● स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
● हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
● इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
● वीर्य में शुक्राणु का कम होना
● ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
● यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
● मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना
वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें
Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :- 8 फरवरी 2026, रविवार 22 फरवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

शहर में ओवरब्रिज की लाइटें खराब निरीक्षण में सामने आई हकीकत

अधिशासी अभियंता को लगाई फटकार, लाइटें तत्काल ठीक करने के निर्देश

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● ठंड और कोहरे में अंधेरी सड़कें देख सीडीओ सख्त

अमृत विचार : शहर में राजापुर से लेकर छाउछ तक आरओबी (ओवरब्रिज) पर लगीं स्ट्रीट लाइटें खराब हो गई हैं, जिससे ठंड और कोहरे में हादसे की आशंका है, लेकिन एनएचएआई के जिम्मेदार आंखें मूदे हैं।

बुधवार की रात सीडीओ अभिषेक कुमार ने निरीक्षण किया तो हकीकत सामने आई गई। सीडीओ ने जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजापुर-छाउछ आरओबी से लालपुर तक सड़क मार्ग का रात में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ज्यादातर स्ट्रीट लाइटें बंद पाई गईं, जिस पर सीडीओ ने एनएच अधिशासी अभियंता शुभ नारायण को जमकर फटकार लगाई और सभी लाइट तुरंत चालू कराने के सख्त आदेश दिए। सीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अब सड़कें अंधेरे और कोहरे में लोगों के लिए खतरे का कारण नहीं बनेंगी। उन्होंने भविष्य की तैयारियों पर भी जोर देते हुए कहा कि राजापुर चौराहे से नहर पटरी तक फोरलेन मार्ग पर समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पीडब्ल्यूडी को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश देते हुए सीडीओ ने कहा कि अब सड़कें सिर्फ गाड़ी चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा का पैमाना होंगी।

शहर में आरओबी पर लगीं स्ट्रीट लाइट खराब होने से छाया अंधेरा। ● अमृत विचार

फ्लाईओवर की लापरवाही पर शिकंजा

फ्लाईओवर में गुणवत्ताविहीन निर्माण पर घेरा, अधिशासी अभियंता से मांगा जवाब सीडीओ अभिषेक कुमार ने गोला-फरधान फ्लाईओवर निर्माण में भारी लापरवाही पर प्रशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने अधिशासी अभियंता शुभ नारायण को पत्र जारी करते हुए साफ निर्देश दिए कि कई वर्षों से अधूरा पड़ा फ्लाईओवर अब गुणवत्ताविहीन और मानकविरुद्ध निर्माण की वजह से सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए खतरा बन सकता है। सीडीओ ने कहा कि फ्लाईओवर की संरचना और सतह इतनी खराब स्थिति में है कि भविष्य में किसी गंभीर दुर्घटना की संभावना है। उन्होंने अभियंता को स्वयं स्थल पर जाकर जांच करने, आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने और तीन दिन के भीतर फोटोग्राफ सहित सुस्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए। सीडीओ अभिषेक कुमार की इस सख्त कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है कि अब किसी भी निर्माण एजेंसी द्वारा जनता की सुरक्षा और गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कोचिंग में पढ़ने गई दो किशोरियों से छेड़छाड़ का प्रयास

पसगवां, अमृत विचार : उचौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव की दो किशोरियां पसगवां में कोचिंग पढ़ने आई.। दोनों के साथ चार मनचलों ने छेड़छाड़ का प्रयास किया। गाली गलौज करते हुए दोनों का पीछा किया। तभी एक गांव के लोगों के एकत्र हो जाने पर शोहदे बाइक छोड़कर भाग गए। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। उचौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव की दो किशोरियां पसगवां में कोचिंग पढ़ने पैदल आ रही थी। पसगवां में शारदा नहर पुल पर बाइक सवार शोहदों ने छेड़छाड़ का प्रयास किया तो दोनों तेज गति से भागीं। इसी बीच थोड़ी दूर पर गांव मढ़िया में लोग एकत्र हो गए। यह गांव थाना उचौलिया में आता है। लोगों के एकत्रित होने पर आरोपी बाइक छोड़कर भाग गए। घटना की सूचना उचौलिया पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने आरोपियों की बाइक कब्जे में ले ली है। प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि घटना पसगवां थाना क्षेत्र की है, लेकिन वह आरोपियों के पकड़वाने की कोशिश में हैं।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा से पहले निकाली गई शिव बारात

शिव बारात में शामिल झांकी के साथ श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: जंगबहादुरगंज कस्बे में प्राचीन शिव मंदिर में मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले गुरुवार को शिव बारात निकाली गई।

जंगबहादुरगंज निवासी और सल्लिया के पूर्व प्रधान कुलदीप सिंह और भाई मनजीत सिंह ने इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराया है। शिव परिवार सहित अन्य दिव्य मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए यह बारात में शिव परिवार की मूर्तियों के साथ-साथ नंदेश्वर, विष्णु-लक्ष्मी, सीता-राम, राधा-कृष्ण, हनुमान जी, दुर्गा जी और साईं बाबा की मूर्तियां भी शामिल थीं। बारात कस्बे के दो शिवालयों से होकर मढ़िया घाट स्थित ऋषि पाराशर की तपस्थली गई और पूजा-अर्चना की।

बारात की वापसी पर भक्तों भोलेनाथ, जय श्री राम, राधा कृष्ण और ''बालाजी महाराज के जयकारे लगाए। ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजे और रंग-गुलाल के साथ खुशी मनाते हुए भक्त भजनों पर झूमते नजर आए। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्रीराम और ऋषियों के मिलन का सुनाया प्रसंग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : बाबा धर्मेश्वरनाथ मंदिर पर हो रही कथा में नैमिषधाम के कथाव्यास पंकज महारथी ने गुरुवार को भगवान श्रीराम के वनवास के दौरान संतो, ऋषियों के आश्रम में पहुंचकर उनसे आशीर्वाद, दिव्या शस्त्र प्राप्त करने का प्रसंग सुनाया।

गुरुवार को कथाव्यास ने सुनाया कि देवी अनुसूया ने माता सीता को पातिव्रत्य धर्म का उपदेश दिया और उन्हें दिव्य वस्त्र और आभूषण प्रदान किए। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने बहुत से दिव्य, अलौकिक संतो, ऋषियों के दर्शन किए और उनसे दिव्य अस्त्र, आशीर्वाद प्राप्त किया। महर्षि शरभंग, अत्रि मुनि के आश्रम से आगे बढ़ते हुए श्रीराम ने महर्षि शरभंग से मुलाकात की। सुनाया कि यह वही स्थान था, जहां श्रीराम ने राक्षसों की हड्डियों का ढेर देखा था और उन्होंने राक्षसों को खत्म करने की प्रतिज्ञा ली थी। इसके बाद श्री राम, सीता और लक्ष्मण दंडकारण्य में 21 ऋषि समूहों से मिले और उनसे राजधर्म सीखा। ऋषियों की समस्याएं सुनी। 10 वर्ष तक कुटी बनाकर प्रभु श्रीराम दंडकारण्य में रहे। कथा में नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, विजय बाजपेयी, विजय प्रकाश मिश्रा, प्रेमप्रकाश मिश्रा, राजेश दीक्षित, निरंजना मिश्रा, प्रेमलता दीक्षित, प्रियंका, प्राची, शीतल आदि मौजूद रही।

गोला में कथा सुनाते पंकज महारथी। ● अमृत विचार

पारंपरिक वेशभूषा में 22 को निकलेगी पालकी यात्रा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● धूमधाम से शिव उत्सव मनाने की तैयारियां तेज, घरों में जलेंगे दीये

अमृत विचार : छोटी काशी में 22 फरवरी रविवार को धूमधाम से शिव उत्सव मनाया जाएगा और नगर में पहली बार पौराणिक शिव मंदिर से पालकी यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों पर निकाली जाएगी। इसमें शामिल लोग पारंपरिक वेशभूषा में रहेंगे। उत्सव को आने वाले वर्षों में भी बढ़-चढ़कर मनाने की तैयारी के चलते मुन्नूगंज मोहल्ले में हुई बैठक में विधायक अमन गिरि ने रूपरेखा तय की।

नगर के मोहल्ला मन्नूगंज में सभासद आनंद सोनी द्वारा आयोजित वार्ड की बैठक में विधायक अमन गिरि ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 22 फरवरी 2025 को पौराणिक शिव मंदिर में शिव मंदिर कॉरिडोर की आधारशिला रखी थी। इस ऐतिहासिक दिवस को प्रतिवर्ष 22 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। आगामी 22 फरवरी को इस दिवस को शिव उत्सव के रूप में धूमधाम से बनाने के लिए आप सभी लोगों के सहयोग से इस दिवस को यादगार बनाने की तैयारी को लेकर नगर के सभी वार्डों में बैठके की जा रही है।

कहा कि पौराणिक शिव मंदिर से पालकी यात्रा नगर के सभी प्रमुख मार्गों पर निकाली जाएगी और यात्रा का समापन शिव मंदिर में पूजन, अर्चन के साथ होगा। पालकी यात्रा में शामिल लोग धोती और गमछे में और महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में रहेंगी, जिससे यात्रा की शोभा में चार चांद लगेंगे और इसका संदेश भी दूर तक जाएगा। उन्होंने सभी से घरों, आसपास मंदिरों में 12 ज्योतिर्लिंग को समर्पित 12 दीए जलाने की बात कही।

सभी ने शिव उत्सव धूमधाम से मनाए जाने पर सहमत व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके व नगर लिए गौरव की बात होगी। सभासद आनंद सोनी ने विधायक को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया। बैठक की अध्यक्षता पब्लिक इंटर कॉलेज के अवकाश प्राप्त प्रवक्ता सुधीश शुक्ला ने की और संचालन पारस वर्मा ने किया। बैठक में सुरेंद्र शर्मा, खन्ना वर्मा, रामगुलाम पांडे, राजेश सिंह, अभय सोनी, सचिन सिंह, आयुष शुक्ला सहित तमाम वार्ड वासी मौजूद रहे।

गोला की सभा में मंचासीन विधायक व अन्य। ● अमृत विचार

डायबिटीज, मोटापा और इन्फ्लामेट्री रोग कैंसर के प्रमुख कारण : डॉ. वाणी

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● विश्व कैंसर दिवस पर मेडिकल कॉलेज में शैक्षणिक कार्यक्रम का किया आयोजन

अमृत विचार : स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर एक शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। आरंभ प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ. वाणी गुप्ता ने किया। इस दौरान गेस्ट लेक्चरर्स ने विद्यार्थियों को विषय से संबंधित विस्तृत एवं वैज्ञानिक जानकारी दी।

प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ. वाणी गुप्ता ने कहा कि मधुमेह (डायबिटीज) गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है, जिसके प्रभावी नियंत्रण के लिए चिकित्सकों का निरंतर अद्यतन रहना जरूरी है। कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसका प्राथमिक स्तर पर समय रहते पता लगना बेहद जरूरी है, ताकि उचित उपचार द्वारा रोगी की जान बचाई जा सके। डायबिटीज, मोटापा एवं इन्फ्लामेट्री बीमारियां कैंसर के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। इसलिए इन गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस दौरान डायबिटीज डिस्टिल्ड शीर्षक से विशेष गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। इसमें रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ नरसिंह वर्मा एवं अध्यक्ष डॉ अनुज महेश्वरी ने डायबिटीज के क्लीनिकल, व्यवहारिक एवं आधुनिक उपचार पहलुओं पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने डायबिटीज की मूलभूत समझ, नवीन शोध, साक्ष्य आधारित उपचार रणनीतियों, जीवनशैली में बदलाव, दवाओं के सही चयन तथा दीर्घकालिक जटिलताओं की रोकथाम पर जानकारी साझा की। मेडिकल छात्रों को डायबिटीज और कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों को प्रारंभिक स्तर पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने और भविष्य में बेहतर चिकित्सक बनने के लिए प्रेरित किया गया। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम में लगभग 200 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें एमबीबीएस प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र, जूनियर व सीनियर रेजीडेंट तथा फैकल्टी सदस्य शामिल रहे।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. वाणी गुप्ता।

हाईवे पर खड़ी ट्राली में बाइक के टकराने से एक की मौत

बरवर, अमृत विचार : बरवर-मोहम्मदी मार्ग पर कस्बे से एक किमी दूर गांव गलरई के पास गुरुवार की सुबह सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसी बाइक पर सवार दो बच्चों सहित तीन लोग घायल हो गए। मितौली थाना के ग्राम उदारा निवासी हरिकेश (28) अपने बच्चों पुष्कर (8) व आराध्या (10) और उसी गांव के हरि प्रकाश (35) को बिठाकर मोहम्मदी की ओर से अपने गांव को जा रहे थे। गलरई गांव के पास हाईवे पर एक ट्राली खड़ी थी। सुबह घने कोहरे के बीच बाइक इसी खड़ी ट्राली में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि सभी उछलकर गिर पड़े। सूचना पर पहुंची बरवर पुलिस ने 108 एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदी भेजा लेकिन हरि प्रकाश ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घायलों का इलाज सीएचसी में किया गया।

लखीमपुर अकादमी ने जीता मुकाबला

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● अमिय त्रिपाठी मेमोरियल इंटर अकादमी लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का किया आयोजन

अमृत विचार : रॉयल फूड्स डिग्री कॉलेज मैदान पर अंडर-16 स्वर्गीय अमिय त्रिपाठी मेमोरियल इंटर अकादमी लीग क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का उद्घाटन मुकाबला लखीमपुर क्रिकेट अकादमी एवं रॉयल क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इसके पश्चात टॉस जीतकर रॉयल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन पूरी टीम 118 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से एरिन ने 31 रन तथा धर्मवीर ने 22 रन का योगदान दिया। लखीमपुर क्रिकेट अकादमी की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए प्रांजल सिंह और हर्षित ने चार-चार विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखीमपुर क्रिकेट अकादमी ने 19.4 ओवर में 7 विकेट खोकर 122 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से हर्षित ने 27 रन, प्रांजल ने 24 रन, तनय ने 21 रन तथा अंशुमन ने नाबाद 18 रन बनाए। रॉयल क्रिकेट अकादमी की ओर से धर्मवीर ने 3 विकेट हासिल किए। अपने उत्कृष्ट हरफनमौला प्रदर्शन के लिए हर्षित को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। यह पुरस्कार राम जी एवं श्याम मोहन द्वारा प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में अभिषेक शुक्ला, अनुपम त्रिपाठी, रश्मि त्रिपाठी, पारिजात त्रिपाठी, अनिल शुक्ला, रचना शुक्ला, रामजी कश्यप, विशाल वर्मा, मालिक इरफान, नीरज शुक्ला, श्याम मोहन श्रीवास्तव, रवि शंकर आदि मौजूद रहे।

विजयी खिलाड़ी को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

धनुष यज्ञ मेला में श्रीराम जन्म का किया मंचन

तुरन्तनाथ मंदिर पर राम जन्म का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलहरी

अमृत विचार : गोला तहसील क्षेत्र के गांव कपरहा के मजरा तेन्दुआ में तुरंतनाथ मन्दिर पर पौराणिक धनुष यज्ञ मेले में तीसरे दिन कलाकरों के राम जन्म का मंचन किया।

कलाकारों ने मंचन में दिखाया कि जब राजा दशरथ को ग्लानि हुई तो वह नंगे पैरो से दौड़कर अपने गुरू के पास गये और उनसे अनुनय-विनय करने लगे कि मेरे कोई पुत्र नही है मै निरवंशी हूं, तो श्रृषि ने कहा जाओ तुम्हारे चार पुत्र होगे, तुम श्रंगी श्रृषि को बुलाकर पुत्रेश्ठि यज्ञ कराओ, तो राजा दशरथ ने ऐसा ही किया। यज्ञ के दौरान अग्नि देवता प्रगट हुये और उन्होने खीर का कटोरा देकर सभी रानियों को बराबर बराबर बांटने के लिये कहा। इस अवसर पर आयोजक उमाशकर मिश्र, ललुआ सेठ, मेला कमेटी के अध्यक्ष कमलेश शुक्ला, कोषाध्यक्ष राजू वर्मा, राधेश्याम वर्मा, गौरव शुक्ला, लालता प्रसाद पुजारी, आशाराम शुक्ला, तिलक राम, मुनेश दिक्षित सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

ठगी की साजिश नाकाम, दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आया था विदेशी नागरिक
● ढखेरवा रोड स्थित ढाबे पर पुलिस ने डील करते दबोचा

अमृत विचार: थाना निघासन क्षेत्र में रेड मर्करी जैसे कथित दुर्लभ और कीमती पदार्थ की आड़ में विदेशी नागरिक से ठगी की साजिश रचने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। निघासन पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनका एक साथी बाइक लेकर फरार हो गया। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, दक्षिण कोरिया का एक युवक सोशल मीडिया के जरिए आरोपियों के संपर्क में आया था। आरोपियों ने उसे रेड मर्करी होने का दावा करते हुए भारी रकम में सौदा तय करने का झांसा दिया। आरोपियों के बहकावे में आकर विदेशी नागरिक गुरुवार को लखनऊ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां से उसने कैब बुक कर निघासन कस्बे के ढखेरवा रोड स्थित एक ढाबे पर पहुंचकर आरोपियों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि ढाबे पर बातचीत के दौरान आरोपी युवक से बड़ी रकम ऐंठने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच किसी माध्यम से निघासन पुलिस को मामले की सूचना मिल गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक महेश चंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर छापा मार दिया। पुलिस को देखकर आरोपी घबरा गए, जिसमें थाना पढुआ क्षेत्र के गांव सोठियाना निवासी वसीक और रिहान को मौके से पकड़ लिया गया, जबकि उनका तीसरा साथी कल्लू बाइक लेकर फरार होने में सफल रहा। पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपियों और दक्षिण कोरियाई नागरिक को थाने ले आई, जहां उनसे पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी रिहान ने बताया कि उसकी विदेशी नागरिक से रेड मर्करी को लेकर इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बातचीत हुई थी। उसने यह भी स्वीकार किया कि इसी बातचीत के आधार पर विदेशी नागरिक को निघासन बुलाया गया था। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आरोपियों के पास वास्तव में कोई संदिग्ध पदार्थ था या नहीं, अथवा यह पूरी तरह से ठगी की योजना थी। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं यह गिरोह पहले भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम तो नहीं दे चुका है। प्रभारी निरीक्षक महेश चंद्र ने बताया कि विदेशी नागरिक से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। फरार आरोपी कल्लू की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

आरोपियों के साथ दक्षिण कोरिया का युवक।

सीएम योगी से मिलीं डीएम विकास कार्यों की प्रगति बताई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति से उन्हें अवगत कराया।

जिले से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक, विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी विषयों पर मुख्यमंत्री से मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। भेंट के दौरान डीएम ने मुख्यमंत्री को बताया कि जनपद में आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण, सड़क निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सिंचाई, कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के लिए प्रशासन सतत प्रयासरत है। साथ ही शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जन सहभागिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जनहित से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। साथ ही कानून-व्यवस्था, राजस्व कार्यों, निवेश प्रोत्साहन एवं रोजगार सृजन जैसे विषयों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम ने जनपद की ओर से मुख्यमंत्री को आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक छोटी काशी के पवित्र शिवलिंग की प्रतिमा भेंट की।

सीएम को शिवलिंग प्रतिमा भेंट करतीं डीएम।

न्यूज ब्रीफ

नगरीय विकास पर अब ज्यादा खर्च कर सकेगा नगर निगम

बरेली, अमृत विचार : नए वित्तीय वर्ष के साथ ही 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें लागू होने जा रही हैं, जिससे नगर निगमों की तिजोरी में ज्यादा धन आने की संभावना बढ़ गई है। अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा 15वें वित्त आयोग के मुकाबले नए वित्त आयोग से निगम को करीब 9 फीसदी अधिक धनराशि मिलगी। यह राशि नगर निगमों के आधारभूत ढांचे को सुधारने और शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में खर्च की जाएगी। नई किस्त अप्रैल से आरंभ होने जा रहे नए वित्तीय वर्ष के बाद जारी होगी। नगर निगम के अधिकारी बताते हैं कि केंद्र सरकार राज्यों के जरिये नगर निकायों की मदद के लिए अनुदान के तौर पर यह रकम देती है। मौजूदा वित्त आयोग की सिफारिशों के जरिये शहरी निकायों को स्थानीय निकाय निधि में केवल 36 फीसदी धनराशि दी जाती थी, लेकिन नए वित्त आयोग में इस रकम को बढ़ाया गया है।

रुविवि में वतन को जानो में दिखेगी कश्मीरी झलक

बरेली, अमृत विचार : एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में भारत सरकार के मेरा युवा भारत अभियान के तहत छह दिवसीय वतन को जानो कार्यक्रम की शुरुआत शुक्रवार को होगी। आयोजन में गृह मंत्रालय और खेल मंत्रालय के सहयोग से कश्मीर के छह जिलों अनंतनाग, पुलवामा, कुपवाड़ा, बारामुला, बडगाम और श्रीनगर से आए 132 युवा हिस्सा लेंगे। ये 18 से 25 वर्ष के युवा छह दिनों तक बरेली की मेहमाननवाजी का आनंद लेंगे और भारतीय संस्कृति की विविधता को करीब से जानेंगे। जिला युवा अधिकारी कार्यालय ने कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुरुवार को विश्वविद्यालय में आयोजित कॉन्फ्रेंस में भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की उप निदेशक पुष्पा सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का हर दिन खास होगा। सुबह की शुरुआत योग, स्वच्छता और श्रमदान से होगी, जबकि शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नाम रहेगी।

धौरेरा माफी व कमुआ कलां की मतदाता सूची में फर्जीवाड़ा

बरेली, अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले मतदाता सूची का वृहद पुनरीक्षण कार्य कराया जा रहा है। पुनरीक्षण कार्य में पंचायत की मतदाता सूची में फर्जीवाड़ा कर नाम शामिल करने की तमाम शिकायतें पहुंचने लगी हैं। ग्राम पंचायत धौरेरा माफी और कमुआ कलां की वोटर लिस्ट में फर्जीवाड़ा होने की लिखित शिकायत मिलने पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने जांच बैठाई है। एसडीएम सदर को जांच करने के लिए पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं।

कटर से कार को काटकर निकाला चालक का शव

गोला-लखीमपुर मार्ग पर हुए हादसे के बाद एसडीएम ने दिखाई तत्परता, घायलों के इलाज की खुद संभाली कमान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : गोला-लखीमपुर मार्ग पर थाना गोला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तिसौरा के समीप गुरुवार अलसुबह घने कोहरे के चलते एक सड़क दुर्घटना घटित हुई, जिसमें एक कार को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी, तहसीलदार भीमसेन, प्रभारी निरीक्षक गोला अंबर सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेकर राहत-बचाव कार्य तेज कराया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे चालक संतोष सिंह को बाहर निकालने का भरसक प्रयास किया किंतु कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने से असफल रहने पर पुलिस ने कटर से कार काटकर चालक के शव को बाहर निकाला। परिवार के मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिये बहराइच के एक ही परिवार के छह लोग बुधवार की रात में खुशी खुशी माहौल कार से घर वापस जा रहे थे, किंतु नीयत को कुछ और ही मंजूर था कि गुरुवार सुबह घने कोहरे में कोतवाली क्षेत्र के गोला लखीमपुर रोड स्थित जलालपुर मोड़ के पास अज्ञात वाहन की टक्कर कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए।

गाला लखीमपुर रोड पर घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कार। ● अमृत विचार

संतोष सिंह।

सुनील सिंह

सुधा सिंह।

हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी, तहसीलदार भीमसेन, प्रभारी निरीक्षक गोला अंबर सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेकर राहत-बचाव कार्य तेज कराया। इसके बाद दोनों अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंभी गोला पहुंचे, जहां घायलों के उपचार की व्यवस्थाओं की जानकारी ली और चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। वही हालत गंभीर होने पर रेफर मरीज को भिजवाया। एसडीएम गोला ने बताया कि गंभीर रूप से घायल मुकेश सिंह (25) को पहले जिला चिकित्सालय लखीमपुर खीरी और वहां से बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है।

लखनऊ ले जाते समय उसकी रास्ते में मौत हो गई। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को पूरी मदद दी जा रही है।

सीएचसी में मौजूद एसडीएम, सीओ और कोतवाल। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने सड़क हादसे का लिया संज्ञान, जताया शोक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोला क्षेत्र में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य तेज करने और घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

शादी वाले घर में मचा कोहराम

सड़क हादसे में घायल प्रवेश सिंह ने बताया कि कार चालक संतोष सिंह की बहन का गुरुवार को तिलक होना था और आठ फरवरी को शादी तय थी। साथ ही आठ फरवरी को मुकेश का तिलक और 10 फरवरी को शादी होनी थी। परिवार में एक साथ दो शादियों के कारण कार में सवार सभी लोग काफी खुशियों से ओतप्रोत थे। प्रवेश सिंह ने बताया कि हादसा कोहरे के कारण हुआ है। कार कैसे टकराई यह पता नहीं चला। घर में मेहमानों के आने-जाने, रस्मों की तैयारी और खुशियों का माहौल बना हुआ था। परिजन सुबह से ही आयोजन की अंतिम तैयारियों में जुटे थे। इसी बीच सड़क हादसे की सूचना घर पहुंची तो चीख-पुकार मच गई। जिन दीवारों पर शादी की रौनक थी, वहां अचानक सन्नाटा छा गया। परिजन बदहवास हो उठे और खुशी का आंगन शोक में डूब गया। खबर फैलते ही गांव और रिश्तेदारों में शोक की लहर दौड़ गई, लोग सांत्वना देने गांव पहुंचने लगे।

पड़रिया तुला में ढाबा संचालक की अचानक गिरकर मौत

बिजुआ, अमृत विचार : पड़रिया तुला कस्बे में बुधवार देर रात ढाबे के अंदर अचानक गिरने से ढाबा संचालक की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

पहाड़ापुर सवारान निवासी रिंकू बाथम (45) पुत्र रामचन्द्र बाथम पड़रिया तुला कस्बे में लखीमपुर-भीरा राजामार्ग पर ढाबा संचालित करते थे। बुधवार रात ग्राहकों की अधिक भीड़ होने के कारण ढाबा देर रात तक खुला हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रिंकू बाथम ग्राहकों को खाना परोस रहे थे। तभी अचानक वह ढाबे के अंदर फर्श पर गिर पड़े और बेसुध हो गए। यह देख मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में उन्हें बिजुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल है। रिंकू बाथम को क्षेत्र में एक मिलनसार, मेहनती और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

मौसम : दोपहर बाद कुछ देर को झलकी हल्की धूप

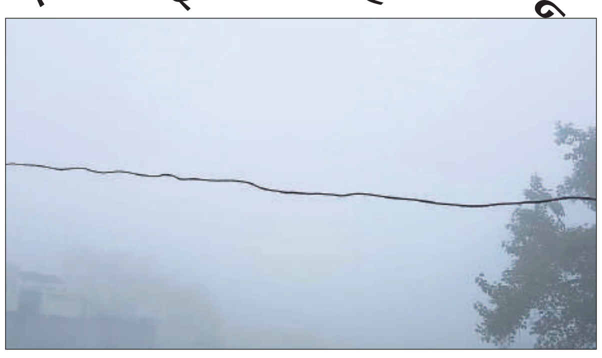

पलिया में गुरुवार को छाया कोहरा। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : तराई क्षेत्र में बदल रहे मौसम ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर रखा है। एक दिन यदि धूप निकल भी आती है, तो दूसरे दिन घना कोहरा सारे दिन छाया रहता है। गुरुवार को भी दोपहर बाद तक कोहरा छाया रहा और लोग गर्म कपड़े पहन कर घरों में दुबके रहे।

सड़कों पर दृश्यता काफी कम रही और वाहन रेंगते हुए नजर आए। दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए अनेक वाहन चालकों को फॉग लाइट जला कर चलते हुए भी देखा गया। कई स्थानों पर लोग आग जलाकर तापते भी दिखे। अधिक सर्दी के कारण सुबह से चिड़ियां भी काफी कम दिखाई दीं। रोज कमाने, खाने वाले अनेक मजदूरों को आज काम न मिलने से खाली घर लौटना पड़ा। बाजार में दोपहर तक ग्राहकों की कमी के चलते दुकानदार भी खाली बैठ आपस में गपशप हांकते रहे। दोपहर बाद हल्की धूप निकलने पर बाजार में कुछ रौनक बढ़ी।

पदोन्नति में देरी पर भड़का शिक्षणेत्तर कर्मचारी महासंघ

बरेली, अमृत विचारः शिक्षणेत्तर कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों ने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आलोक चौहान संघर्षी के नेतृत्व में सह जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. गिरीश चंद्र यादव से मुलाकात कर लंबित पदोन्नतियों को लेकर विरोध दर्ज कराया। पदाधिकारियों ने डीआईओएस को संबोधित ज्ञापन में जिले के आधा दर्जन से अधिक अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में वर्षों से रिक्त पड़े दफ्तरी पदों पर पात्र परिचारकों की पदोन्नति और जिला परिषद प्रबंधन के विद्यालयों में रिक्त लिपिक पदों पर 50 प्रतिशत पदोन्नति कोटे के अंतर्गत शीघ्र पदोन्नति की मांग उठाई। इस पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक ने डीआईओएस से वार्ता कर समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आलोक चौहान ने कहा कि शिक्षा निदेशालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर से पदोन्नति प्रक्रिया में हीलाहवाली की जा रही है।

जगदेवपुर के पास मिले गोवंश के अवशेष, ग्रामीणों ने जताया रोष

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार : थाना भीरा क्षेत्र में गांव जगदेवपुर के पास गन्ने के खेत में गोवंश के अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और घटना पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अवशेषों को जमीन में दफन करवा दिया है। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

इमलिया फार्म रोड जगदेवपुर के पास कुछ ग्रामीणों ने एक गन्ने के खेत में गोवंश के ताजे अवशेष देखे तो इसकी सूचना भारतीय बजरंग दल के लोगों को दी। अवशेष मिलने की सूचना पर ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण व बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फर्मेसी अधिकारी अंजू पवार भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। भारतीय बजरंग दल के विधानसभा अध्यक्ष विवेक मिश्रा, महामंत्री सुमित कुमार और गौ रक्षा प्रमुख धर्मवीर सिंह मौके पर मौजूद थे। एसएसआई अवनीश कुमार और बिजुआ चौकी इंचार्ज ने अवशेषों को गड्ढा खोदकर गड़वा दिया है। साथ ही कुछ सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

भारतीय बजरंग दल के लोगों का कहना है कि यह घटना बहुत ही दुखद है और इसके पीछे के लोगों को जल्द पकड़ा जाना चाहिए। इस घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है और लोगों में आक्रोश है।

मौके पर मौजूद पुलिस व अन्य लोग। ● अमृत विचार

● भीरा क्षेत्र में बढ़े मामले, ग्रामीणों ने पुलिस पर लगाया ढिलाई बरतने का आरोप

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मोहम्मद अलीशान को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **शादाब चौधरी पुत्र इल्यास निवासी मोहल्ला कबूलपुरा नई बस्ती थाना कोतवाली तह. व जनपद बदायूं**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अजीत 26 वर्ष व पुत्रवधु राजमाला 24 वर्ष को उसके गलत व्यवहार व आचरण के कारण अपनी समस्त चल - अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। अब मेरे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से उनका कोई संबंध व सरोकार नहीं होगा वह अपने कृत्य का स्वयं जिम्मेदार होंगे । **जगदीश पुत्र किशन लाल उर्फ केशों निवासी ग्राम उस्मानपुर परगना व तहसील सहसवान जिला (बदायू)**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अजीत 26 वर्ष व पुत्रवधु राजमाला 24 वर्ष को उसके गलत व्यवहार व आचरण के कारण अपनी समस्त चल - अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। अब मेरे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से उनका कोई संबंध व सरोकार नहीं होगा वह अपने कृत्य का स्वयं जिम्मेदार होंगे । **जगदीश पुत्र किशन लाल उर्फ केशों निवासी ग्राम उस्मानपुर परगना व तहसील सहसवान जिला (बदायू)**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2018 अनुक्रमांक 0972511 एवं इण्टर मीडिएट वर्ष 2020 अनुक्रमांक 0720758 की अंकतालिका सहप्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **दिव्या कुमारी पुत्री अनिल कुमार निवासी अशोक नगर निकट आर.के. कॉन्वेन्ट स्कूल के पास, इज्जतनगर, बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम आधार कार्ड में भूलवश गौरा दर्ज हो गया है जोकि गलत है जबकि उसका वास्तविक नाम वैष्णों जौहरी है। जन्म प्रमाण पत्र में भी वैष्णों जौहरी नाम ही दर्ज है। **विनीत जौहरी पुत्र श्री राकेश जौहरी निवासी निकट संतोषी माता मन्दिर, पाठक इंग्लिश कोचिंग, मढ़ीनाथ, थाना सुभाष नगर, जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इण्टरमीडिएट मुख्य परीक्षा सन् 1997, अनुक्रमांक 0275755 का प्रमाण पत्र (सनद) वास्तव में खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **अजीत कुमार पुत्र श्री राकेश कुमार निवासी राजनगर कालोनी, नवादा शेखान पीलीभीत बाईपास रोड, पोस्ट श्यामगंज, जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

पलिया से लौटते समय युवक की हादसे में मौत

संवाददाता, मझगईं

● निघासन मार्ग पर नौगवां धर्म कांटे के पास हुआ हादसा

अमृत विचार : मोबाइल खरीदने पलिया गए युवक की वापस लौटते समय सड़क हादसे में मौत हो गई। परिवार वालों के पोस्टमार्टम कराए जाने से इंकार करने पर पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव परिवार को सौंप दिया।

हादसा निघासन रोड पर स्थित नौगवां धर्मकांटा के पास हुआ। मझगई थाना क्षेत्र के जानकी नगर फार्म निवासी गुरमीत सिंह मिस्त्री का 19 वर्षीय पुत्र संदीप सिंह पलिया मोबाइल लेने गया था। मोबाइल न मिलने के बाद वह बाइक से घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान नौगवां धर्म कांटे के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल संदीप को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना जैसे ही परिजनों को मिली, घर में कोहराम मच गया। पिता गुरमीत सिंह और मां का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इस पर पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया।

प्रसाद नहीं पहुंचाने पर हिस्ट्रीशीटर ने आयोजक को पीटा

सीबीगंज, अमृत विचार : मंदिर पर हुए श्री राम चरित मानस पाठ का प्रसाद गांव के ही दबंग हिस्ट्रीशीटर के घर नहीं पहुंचाया तो आयोजक के घर में घुस कर उसकी जमकर पिटाई करके जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित अब दहशत में हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर समेत दो लोगों के विरुद्ध मुकद्मा दर्ज किया है। आरोपी हिस्ट्रीशीटर ग्राम प्रधान के साथ ही सत्ता पक्ष के पूर्व सांसद के अधिवक्ता बहनोई पर हमला कर उनके घर को बम से उड़ाने की धमकी दे चुका है।

सीबीगंज के गांव ठिरिया ठाकुरान निवासी रुद्रपाल सिंह पुत्र राममूर्ति सिंह ने बताया कि उसके घर के ही सामने शिव मंदिर है।

बेला कला गांव में खेत में छिपे तेंदुए ने आठ साल की बच्ची पर किया हमला

संवाददाता, मझगई

● घायल बच्ची की हालत गंभीर अस्पताल में चल रहा उपचार

अमृत विचारः मझगई वन रेंज क्षेत्र के गांव बेला कला में गुरुवार शाम तेंदुए के हमले से दहशत फैल गई। गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार की 8 वर्षीय पुत्री पिंकी गन्ने के खेत में काम कर रही थी, तभी गन्ने में छिपे तेंदुए ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र कुमार व मोहन कुमार की बेटियां गांव के उत्तर दिशा स्थित हीरालाल के खेत में शाम करीब 4 बजे जलाने के लिए गन्ने की सूखी पत्तियां बांध रही थीं। इसी दौरान पिंकी हरी पत्तियां नोच रही थी कि तभी खेत में घात लगाए बैठे तेंदुए ने उस पर झपट्टा मार दिया।हमले के बाद साथ मौजूद दूसरी बच्ची चीखने-चिल्लाने लगी। शोर सुनकर पास के लोहरा वीरान गांव निवासी विजयपाल, जो पास ही गन्ने की छिलाई कर रहे थे, दौड़कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि तेंदुआ बच्ची को दबोचे हुए है। विजयपाल के शोर मचाने पर तेंदुआ बच्ची को छोड़कर भाग गया। शोर सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और गन्ने के खेत को घेर लिया, लेकिन तेंदुआ भागकर अनिल मौर्य के खेत में जा छिपा। बच्ची की हालत गंभीर देख ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर उसे पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कांबिंग अभियान शुरू किया, लेकिन देर शाम तक तेंदुए की लोकेशन ट्रेस नहीं हो सकी। वन क्षेत्राधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम को मौके पर भेजा गया है। तेंदुए की लोकेशन ट्रेस की जा रही है और उसे जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़ने और क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

वृहद पुनरीक्षण में बीएलओ अनुराग आनंद प्रथम

बरेली, अमृत विचारः पंचायत एवं नगरीय निकाय के जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने पंचायत निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण में ई-बीएलओ एप पर 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं की एंट्री करने पर सर्वोच्च आठ बीएलओ को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की है। जनपद स्तर मीरापुर ग्राम पंचायत के बीएलओ अनुराग आनंद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अनुराग को 10 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। बसंतपुर ग्राम पंचायत के बीएलओ को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 8 हजार रुपये, मीरापुर ग्राम पंचायत के बीएलओ लालाराम को तृतीय स्थान मिला।

वर्षों से सीता स्वयंवर के लिए धनुष बना रहा मुस्लिम परिवार

सुनील श्रीवास्तव, बिझौली

अमृत विचार : पिछले 107 वर्षों से अनवरत हो रहा ऐतिहासिक धनुष यज्ञ मेला रजागंज क्षेत्र की एक पहचान होने के साथ ही एक मुस्लिम परिवार का भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण भाव भी दर्शाता है। मेला प्रारंभ होने के समय से ही सीता स्वयंवर के लिए धनुष रजागंज निवासी मुस्लिम परिवार ही पीढ़ी दर पीढ़ी बनाता आ रहा है।

कस्बा रजागंज में हो रहे ऐतिहासिक धनुष यज्ञ मेले में सालों से रजागंज निवासी अख्तर नामक स्थानीय कारीगर सीता स्वयंवर के लिए शिव धनुष बनाने की परंपरा निभा रहे हैं। यह सांप्रदायिक सौहार्द का एक अनूठा उदाहरण है, जहां मुस्लिम कारीगर श्रद्धा के साथ रामलीला महोत्सव के लिए भव्य और दिव्य धनुष का निर्माण करते हैं। वर्तमान में धनुष यज्ञ मेला में सीता स्वयंवर के लिए शिव धनुष बनाने वाले अख्तर ने बताया कि उनके बाबा हुसैनी ने 1919 में पहली बार धनुष बनाया था। उन्होंने लगभग 40 वर्ष तक धनुष बनाया। उसके बाद 1960 में उनका निधन हो गया तो पिता अकबर अली ने 1961 से 2005 तक धनुष बनाया। उसके बाद 2006 से अभी तक मैं और मेरा परिवार इस पवित्र काम को श्रद्धा भाव से कर रहे हैं।

यह परिवार पिछले 107 सालों (या एक सदी से अधिक) से लगातार यह धनुष बना रहा है। यह धनुष यज्ञ मेला सीता स्वयंवर (रामलीला) का एक मुख्य हिस्सा है, जहां भगवान राम शिव धनुष को तोड़ते हैं। मुस्लिम परिवार द्वारा रामलीला का धनुष बनाने की यह परंपरा हिंदू-मुस्लिम एकता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह परंपरा करनपुर रजागंज के ग्रामीण इलाकों में रामायण के मंचन और सामाजिक सद्भाव की जीवंत परंपरा को दर्शाती है।

धनुष बनाने का कुछ भी नहीं लेते मेहनताना

अख्तर का परिवार पिछले 107 वर्षों से सीता स्वयंवर के लिए धनुष बना रहा है। परंतु अपने कार्य के बदले उसने मेला कमेटी से कभी कुछ नहीं लिया है, बल्कि वह उसे सामाजिक कार्य में अपना योगदान मानते हैं। अख्तर कहते हैं कि मेला जब तक चलता रहेगा, तब तक उनका परिवार पूर्वजों की इस परंपरा का नि:स्वार्थ भाव से पालन करते हुए धनुष बनाता रहेगा। इससे उन्हें आत्म शांति मिलती है।

● गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल बना रजागंज का मेला धनुष यज्ञ

रजागंज में धनुष के साथ अख्तर।

ट्रैवल एजेंट की मौत के बाद गाड़ी ट्रांसफर की पोल खुलने पर हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : संभागीय परिवहन कार्यालय का यह हाल है कि यहां नियमों की नहीं, बल्कि दलालों की चलती है। ताजा मामला इसका जीता-जागता उदाहरण है, जहां एक ट्रैवल एजेंट की मौत के पूरे एक साल बाद उसकी कार उसके भाई के नाम ट्रांसफर कर दी गई।

न किसी को मौत दिखी, न दस्तावेजों की जांच जरूरी समझी गई। बस फाइल चली, दस्तखत हुए और गाड़ी ट्रांसफर हो गई। जैसे यह कोई सामान्य औपचारिकता हो। एडीजी के आदेश पर जब बुधवार को कैंट थाने में ट्रैवल एजेंट के भाई और परिवहन विभाग के अज्ञात कर्मियों पर रिपोर्ट दर्ज हुई तो आरटीओ कार्यालय में हड़कंप मचा है। यह मामला सिर्फ गाड़ी ट्रांसफर तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम की पोल खोल रहा है। यह घटनाक्रम पांच साल पुराना है, इसलिए पटल सहायक से लेकर तत्कालीन एआरटीओ तक की भूमिका संदिग्ध है। आरटीओ कार्यालय के बाहर खुलेआम बैठे दलाल हर काम की गारंटी देते हैं-चाहे वह गाड़ी ट्रांसफर हो, परमिट हो या लाइसेंस। अधिकारी सिर्फ हस्ताक्षर करने तक सीमित रह जाते हैं, मानो नियमों से उनका कोई लेना-देना ही न हो। इस प्रकरण में मुकदमा दर्ज होने के बाद विडंबना यह है कि विभागीय अधिकारी इसे पुराने अधिकारियों और कर्मचारियों की करतूत बताकर खुद को पाक-साफ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर मामले की निष्पक्ष जांच हुई तो सिर्फ बाबू ही नहीं, बल्कि तत्कालीन एआरटीओ और जिम्मेदार अफसरों तक आंच आना तय है। फिलहाल आरटीओ में हालात यही है-यहां सब चलता है, बस नियम नहीं चलते।

छात्रों को बताए कैंसर के लक्षण और बचाव के तरीके

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट ने दो दिन में 600 बच्चों को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट ने अमृत विचार के सहयोग से विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन जीके सिटी मोंटेसरी स्कूल, जय नारायण सरस्वती स्कूल और नालंदा पब्लिक स्कूल में हुए कार्यक्रम में रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने विद्यार्थियों को कैंसर के संबंध में ए टू जेड तक जागरूक किया। कैंसर के लक्षण, उपचार और बचाव के साथ ही इससे बचाव रखने के लिए जीवनशैली कैसी रखनी चाहिए, किस तरह का खानपान रखना चाहिए आदि बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। जागरूकता कार्यक्रम में दो दिन में शहर के छह स्कूलों के करीब छह सौ बच्चों को कैंसर के प्रति जागरूक किया।

कैंसर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पहले सत्र में सुबह करीब 11.15 बजे से जीके सिटी मोंटेसरी स्कूल में कार्यक्रम कराया गया। डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने छात्र-छात्राओं को कैंसर के लक्षण, बचाव के संबंध में विस्तार से बताया। छात्र-छात्राओं ने कैंसर को लेकर कई सवाल किए, जिस पर डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने बच्चों की मन की शंकाओं को दूर किया। बच्चों को जीवनशैली बेहतर रखने और खानपान पर ध्यान देने पर जोर दिया। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र शर्मा ने कहा कि बच्चों को कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करते रहना चाहिए, ताकि बच्चे अपने परिवार, समाज को जागरूक कर सकें। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करने में सहयोगी बनते हैं। कैंसर से डरना नहीं चाहिए। सही समय पर इलाज से कैंसर से मरीज को बचाया जा सकता है। वहीं, दूसरे सत्र में दोपहर 1 बजे जय नारायण सरस्वती स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया। डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने बच्चों को कैंसर के शुरुआती लक्षण, उनकी पहचान सहित कई कारणों से होने वाले विभिन्न कैंसर के प्रति जागरूक किया। कैंसर के प्रति सभी स्कूलों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए, समाज में जितनी जागरूकता आएगी, उतना ही ज्यादा लोग कैंसर से अपना बचाव रख सकेंगे।

तीसरे सत्र में दोपहर करीब 2.15 बजे नालंदा पब्लिक स्कूल में आयोजित किए गए कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ने बच्चों को विभिन्न कैंसर के प्रति जागरूक किया। बच्चों से कहा कि कैंसर लाइलाज नहीं है, आधुनिक उपचार से कैंसर को मात दी जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी मौजूद रही।

रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट व अमृत विचार की ओर से जयनारायण सरस्वती स्कूल में आयोजित कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में बोलते डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा।

- छात्रों को कैंसर से बचाव के लिए नियंत्रित जीवनशैली और सेहतमंद खानपान की आदत अपनाने की दी गई सलाह

अफीम तस्करी के आरोपी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : अफीम तस्करी के आरोपी बदायूं के थाना बिसौली के ग्राम खजुरिया निवासी ज्ञान सिंह की अग्रिम जमानत अर्जी अपर सत्र न्यायाधीश कु. अफशां ने खारिज कर दी। एनसीबी के वकील घनश्याम द्विवेदी ने बताया कि 10 फरवरी 2025 को एनसीबी को सूचना मिली कि छोटू उर्फ भुईया अपने काले रंग के बैग में भारी मात्रा में अवैध अफीम लेकर बरेली देने जा रहा है।

फरीदपुर टोल प्लाजा से टीम ने छोटू को पकड़ लिया। उसने बताया कि वह हजारीबाग झारखंड से बैग में अफीम रखकर बरेली देने जा रहा है। बैग में 2 किलो 600 ग्राम अफीम बरामद हुई। विवेचना में ज्ञान सिंह की संलिप्तता प्रकाश में आने पर एनसीबी ने अभियुक्त बनाया था।

योगी को बताया सर्वश्रेष्ठ सीएम

बरेली, अमृत विचार : ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा है कि देश के विभिन्न प्रांतों के मुख्यमंत्रियों के परिपेक्ष्य में प्रदेश के मुख्यमंत्री को देखें तो उनके काम करने का तौर तरीका अलग ही नजर आएगा। आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत कुमार बिस्वा ने मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठते ही 1200 मदरसों पर ताले लगवा दिये, मदरसा शिक्षा को खत्म कर दिया। मौलाना ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुसलमानों को चिढ़ाने के लिए सामान्य नागरिक संहिता कानून लागू किया। आरोप लगाया कि दो दर्जन से ज्यादा मदरसों पर ताले लगवा दिए।

पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से नहीं कटेगा : कमिश्नर

बरेली, अमृत विचार : कमिश्नर एवं एसआईआर के रोल प्रेक्षक भूपेन्द्र एस. चौधरी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विधानसभा निर्वाचक नामावली विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की समीक्षा की। कमिश्नर ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से काटा नहीं जाएगा।

कमिश्नर ने कहा कि बैठक बुलाने का मकसद सिर्फ यह जानना था कि राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों और ईआरओ के साथ आपसी संवाद तथा समन्वय हो रहा है या नहीं। समीक्षा में पाया गया कि आप लोगों के मध्य आपसी संवाद बना है। विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने बूथवार फार्म 6, 7 व 8 कितनी संख्या में प्राप्त हो रहे हैं, इसकी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग रखी, जिससे वह भी अपने स्तर पर समीक्षा कर सकें। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि पूरा कार्य पारदर्शी तरीके से हो रहा है और सभी को सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। एएसडी में यदि कोई फार्म भरने से रह गया है या जो नवयुवा 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, उनके फार्म-6 भरवाए जाने पर युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा आंवला जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, विधायक नवाबगंज डॉ. एमपी आर्य, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, सपा महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी, कांग्रेस नेता अजय शुक्ला के अलावा सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, एसडीएम सदर प्रमोद कुमार समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी और राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में तमाम निगरानी बरतने के बावजूद फार्मों में गड़बड़ियों की भरमार है।

महावीर स्वामी का हुआ जलाभिषेक

पुवायां, अमृत विचार : खुटार रोड स्थित महावीर स्वामी बाग में बालाजी मंदिर बनने के लिए भगवान का जलाभिषेक किया गया। इस दौरान शोभायात्रा निकालकर भगवत स्वरूप को नगर भ्रमण कराया गया।

शोभायात्रा नगर भ्रमण कर महावीर स्वामी बाग खुटार रोड तक पहुंची, जहां हवन-पूजन के साथ भगवान बालाजी का जलाभिषेक किया गया। शोभायात्रा के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भगवान के जयकारे लगाए। कलश यात्रा में कमेटी सदस्य महेश गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, पुष्पेंद्र गुप्ता लकी, जय प्रकाश, बृजेन्द्र प्रजापति, विशाल गुप्ता, विकास गुप्ता, कुलदीप गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं। महिलाओं में गरिमा गुप्ता, ऋचा, बबली, अनिता प्रजापति, खुशबू, कल्पना, राधा अग्रवाल, रानी, रीता, गुंजन गुप्ता, निष्ठा गुप्ता आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा बरेली, 89–सी, सिविल लाइन्स अयूब खान चौराहा, बरेली, 243001
Phone + 8477009101 , E-mail: sarbly@bankofbaroda.com

कब्जे की सूचना (केवल अचल सम्पत्ति के लिए)

(सिक्योरिटी इंटरेस्ट (इनफोर्समेंट) नियम, 2002 के नियम 8(1) के साथ, अपेंडिक्स IV के अनुसार)
(हमारा दिनांक 10.04.2024 वाला पिछला नोटिस तकनीकी कारणों द्वारा तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाता है)

जबकि, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (54 ऑफ 2002) की धारा 13 (12) नियम 3 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा, के प्राधिकृत अधिकारी ने एक मांग नोटिस (निम्नलिखित) को उधारकर्ता एवं जमानतकर्ता से मांग नोटिस में उल्लिखित रकम (निम्नलिखित) को कथित नोटिस की प्राप्ति से 60 दिन के अन्दर भुगतान करने का जारी किया।

उधारकर्ता / जमानतकर्ता / बंधककर्ता द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल रहने पर, प्रतिभूत हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 4 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतदद्वारा उधारकर्ता और आम लोगों को यह नोटिस दिया जाता है, कि अधोहस्ताक्षरी ने नीचे उल्लेख की गई सम्पत्ति पर (निम्नलिखित) दिनांक को सांकेतिक कब्जा ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ता और जन साधारण को नीचे उल्लेखित सम्पत्ति के सम्बन्ध में लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती है. और सम्पत्ति के सम्बन्ध में ऐसा लेन देन **बैंक ऑफ बड़ौदा, दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा बरेली** के अधीन होगा।

उधारकर्ता / जमानतकर्ता / बंधककर्ता का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के सन्दर्भ में अधिनियम की धारा 13 उप धारा 8 के उपबंधो की ओर आकृष्ट किया जाता है। **गिरवी रखी गई संपत्तियों का विवरण, राशि, उधारकर्ता / जमानतकर्ता / बंधककर्ता , तिथि आदि नीचे उल्लेखित है :**

क्र. सं.	उधारकर्ता / जमानतकर्ता / बन्धककर्ता का नाम व पता	मांग सूचना की तिथि / देय राशि एवं कब्जा की तिथि	बंधक रखी गई सम्पत्ति का विवरण
1.	**उधारकर्ता : मैसर्स बाबा एजेन्सीज** प्रोपराइटर श्री मोहन दास पुत्र श्री चंदू मल **जमानतकर्ता :** 1. श्री विनोद परचानी पुत्र मोहन दास 2. श्रीमती पदमा देवी पत्नी मोहन दास	मांग सूचना तिथि 13.11.2025 / रु. 33,07,507.91 (रूपये तेतीस लाख सात हजार पांच सौ सात एवं इकयानवे पैसे मात्र) एवं उस पर संविदात्मक दर से ब्याज, साथ ही लागत शुल्क एवं अन्य खर्चे / कब्जा तिथि : 02.02.2026	आवासीय सम्पत्ति सं. ई–1135 के सभी भाग एवं भूखण्ड जो श्रीमती पदमा देवी पत्नी श्री मोहन दास के नाम पर राजेन्द्र नगर तहसील व जिला बरेली (यू.पी.) में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 36.98 वर्गमीटर है। **सीमाएँ –पूरब** : रोड 3 मीटर चौड़ा, उसके बाद पार्क, **पश्चिम** : मकान सं. ई–1079, **उत्तर** : मकान सं. ई–1136, **दक्षिण** : रास्ता 6 मीटर उसके बाद मकान सं. ई–1133 एवं ई–1134

दिनांक : 02.02.2026 स्थान : बरेली प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि-पत्र

"ई–निविदा सूचना सं.: DYCE-CON-LJN-11-2025, जिसकी टेण्डर क्लोजिंग दिनांक 06-02-2026 को 15:00 बजे थी, को आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर तकनीकि कारणों से निरस्त कर दिया गया है।"

उप मुख्य इन्जीनियर / निर्माण-I, लखनऊ
मुजाधि / डब्लू-450

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, यॉंत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमन्त्रित की जाती है :–
निविदा सं. एवं कार्य का विवरण: EL-MWS-GKP-2025-26-25, (i) स्ट्रीपिंग, रिपेयरिंग एण्ड रि–फीटिंग आफ बैटरी, फैन एण्ड बैटरी बॉक्स आफ आई.सी.एफ. (ए.सी. एण्ड नान ए.सी.) कोचेज एट टी.एल. इन मेकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर। (ii) स्ट्रीपिंग, रिपेयरिंग एण्ड रि–फीटिंग आफ बैटरी, फैन एण्ड बैटरी बॉक्स आफ एल.एच.बी. (ए.सी. एण्ड नान ए.सी.) कोचेज एट टी.एल. इन मेकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर। अनुमानित लागत : Rs. 1,28,36,371.28/-, बयाने की राशि : Rs. 2,14,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने के तिथि से – 24 महीना।
● आन लाइन ई–निविदा जमा करने की तिथि 25.02.2026 समय 11:00 बजे तक। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर(कार.)/पू.उ.रे./गोरखपुर
मुजाधि/विद्युत – 274

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर, लखीमपुर–खीरी (उ0प्र0)

अल्प–कालीन ई–निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा निर्धारित तिथि को सायंकाल 6:55 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई–निविदा की अन्तिम तिथि
1	Replacement of damage A.C. Sheet in drier House, Mill House and Pan Station & Strengthening of trusses and purlin.	रू0 36000/-	रू0 590/-	14.02.2026

उपरोक्त कार्य हेतु विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। समस्त निविदा प्रक्रिया ई-निविदा के माध्यम से पूर्ण की जायेंगी आवश्यकतानुसार निगोशिएसन भी किया जा सकता है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्वसुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

सेक्शन–1

कार्यालय सहायक अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उपखण्ड बदायूँ।

(पता :– कक्ष सं0 206, प्रथम तल, विकास भवन, जिला – बदायूँ।)

पत्रांक :– 77 /ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्रा0/2025–26 दिनांक :– 27.01.2026

मैनुअल निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से सहायक अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उपखण्ड–बदायूँ में मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए, बी, सी एवं डी सीमा के अनुरूप श्रेणी के निविदाताओं से मोहरबन्द निविदायें मैनुअल टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है।

1. कार्य से संबन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि बिड.सि0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
विधायक निधि – शेखूपुर।						
1.	बदायूँ	ग्राम मई में जब्बार के घर से इशित्याक के घर तक सी0सी0 कार्य (जगत)।	1.550	0.04	589.00	02 माह

2. कार्यालय में निविदा विक्रय की तिथि :– 07.02.2026 से 07.03.2026 तक प्रातः 10:00 बजे से सायः 05:00 बजे तक।
3. मोहरबन्द निविदा प्राप्ति (डालने) के लिए अन्तिम तिथि /समय :– दिनांक 09.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक।
4. प्राप्त मोहरबन्द निविदायें खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 09.03.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

UP-245251 दिनांक 04.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(भूपेन्द्र प्रताप सिंह)सहायक अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उपखण्ड–बदायूँ।
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से।

कार्यालय जिला पंचायत बदायूं

पत्रांक: 1411/जि.पं./कर अनु./2025–26 दिनांक: 05.02.2026

मृत पशु शव निस्तारण हेतु सामान्य निविदा आमंत्रण सूचना

उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग से पंजीकृत एवं क्रियाशील सहकारी समितियों के समस्त अध्यक्ष व सचिवों को एवं पैतृक रूप से उक्त पेशे से जुड़े सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत, बदायूं के समस्त वि.खं. की समस्त न्याय पंचायतों के वित्तीय वर्ष 2026–27 (दिनांक 01.04.2026 से 31.03.2027 तक) की अवधि के लिए मृत पशु शव निस्तारण के लाईसेन्स/ठेका की नीलामी सामान्य निविदा के माध्यम से दिनांक 18.02.2026 की अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो इसी दिनांक को अपरान्ह 04:00 बजे उपस्थिति निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा शुल्क मय जी.एस.टी. के रूपये 177/– प्रति न्याय पंचायत वार जमाकर निविदा फार्म कार्यालय से दिनांक 17.02.2026 के अपरान्ह 05:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। यदि उपरोक्त तिथि में अवशेष किसी भी वि.खं. की न्याय पंचायतों की निविदा प्राप्त नहीं होती है, तो ऐसी दशा में माह के प्रत्येक बुधवार को उक्त समय पर निविदा आमंत्रित की जायेगी व उपरोक्त तिथि व समय पर ही खोली जायेगी एवं निविदा फार्म माह के प्रत्येक मंगलवार को उपरोक्त समय तक कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। साथ ही अवगत कराना है कि यदि उपरोक्त तिथियों में अवकाश होता है तो सप्ताह के अगले मंगलवार को निविदा फार्म की बिक्री व सप्ताह के अगले बुधवार को निविदा आमंत्रित करने सम्बन्धी कार्यवाही की जायेगी। निविदा में भाग लेने वाली समिति उ.प्र. खादी एवं ग्रामोद्योग से पंजीकृत एवं क्रियाशील सहकारी समितियों का प्रमाणपत्र व अन्य अभिलेख निविदा के साथ संलग्न करना होगा। न्यूनतम धनराशि प्रति न्याय पंचायतवार रू. 2,000/– को प्रपत्र संख्या– 05 से नकद जमा करना होगा। निविदा के साथ आधार कार्ड एवं पैन कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी/अध्यक्ष जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा स्वीकार नहीं होगी। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी व शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है तथा वेबसाइट www.budaun.nic.in भी उपलब्ध है। विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र.	क्षेत्र पंचायत	न्याय पंचायत	धरोहर धनराशि प्रति न्याय पंचायत	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित
1.	सलारपुर	1. पुठीसराय 2. भगवतीपुर 3. बरातेगदार 4. बिनावर 5. मई रजऊ 6. कैली 7. लाही फरीदपुर 8. रैपुरा 9. युसुफनगर।	2,000/–	177.00
2.	जगत	1. रसूलपुर विलहरी 2. मचलई 3. मलगवां 4. रूपपुर 5. लखनपुर 6. खुनक 7. उतरना 8. जरवेली 9. ईकरी बसियानी।	2,000/–	177.00
3.	कादरचौक	1. कादरचौक 2. बमनौसी 3. ककोडा 4. लोहाठेर 5. भमुईया भदसिया 6. जलालपुर 7. वाराचिर्रा 8. भूड़ा भदरौल	2,000/–	177.00
4.	उझानी	1. अहरवारा 2. अब्दुल्लागंज 3. बुटला दौलत 4. बसंतनगर 5. बसोमा 6. पिपरौल 7. हजरतगंज 8. दहेमू 9. भैंसोरा 10. शेखूपुर 11. रौली	2,000/–	177.00
5.	वजीरगंज	1. वरौर अमानुलापुर 2. वनकोटा 3. व्योली 4. रहेडिया 5. रोटा 6. वगरैन 7. नौली हरनाथपुर।	2,000/–	177.00
6.	बिसौली	1. सर्वा 2. खजुरिया 3. करखडी 4. नागपुर 5. सरैरा 6. हतसा 7. फतेहपुर 8. शरह बरौलिया 9. करनपुर	2,000/–	177.00
7.	आसफपुर	1. आसफपुर 2. पृथ्वीपुर 3. मुसिया नगला 4. राजटिकौली 5. दांवरी 6. निजामपुर शाह 7. सीकरी 8. सिसरका 9. गुलड़िया	2,000/–	177.00
8.	इस्लामनगर	1. मितरौली 2. चन्दोई 3. करियामई 4. ईखखेड़ा 5. अल्लीपुर 6. मियांपुर दियौरा 7. सिठौली 8. नूरपुर पिनौनी 9. सादातपुर नाचनी।	2,000/–	177.00
9.	अम्बियापुर	1. वैन 2. नगला तरऊ 3. सिरासौल जसा 4. सिमर्रा भोजपुर 5. रिसौली 6. शहबाजपुर 7. सहसपुर 8. वर्नी ढकपुरा 9. हैदलपुर 10. वैरमई बुजुर्ग 11. संतेती गजा।	2,000/–	177.00
10.	सहसवान	1. मुजरिया 2. गंगापुर 3. तिगरा 4. भुजपुरा ट. जामिनी 5. रियोनाई 6. टिटौला 7. औरंगाबाद ट. जामिनी 8. रसूलपुर वेला, 9. खन्दक 10. अफजलपुर छगनपुर 11. मोह. पुर ऊधा 12. खण्डुआ।	2,000/–	177.00
11.	दहगवां	1. हसनपुर टा. वैश्य 2. अमनपुर 3. दहगवां 4. रसूलपुर कलां 5. दानपुर 6. शादीपुर 7. अल्लादादपुर धोवई 8. नाधा 9. सिलहरी।	2,000/–	177.00
12.	म्याऊ	1. चितरी 2. लभारी 3. गूरा वरेली 4. गौतरा 5. म्याऊ 6. चंगासी 7. संजरपुर 8. गुढ़ाना।	2,000/–	177.00
13.	उसावां	1. कटरा सादतगंज 2. रिलौला 3. भुण्डी 4. टिकरी वछेली 5. सरेली 6. टिकरा वछेली 7.सरेली 8. रसूलपुर नगला 9. उसावा देहात 10. लिलवां	2,000/–	177.00
14.	दातागंज	1. डहरपुर कलां 2. सलेमपुर 3. बेहटामाधौ 4. वसेली 5. कसेला 6. सैंजनी 7. नौनी टिकन्ना 8. प्रसिद्धपुर 9. आजमपुर विसौरिया 10. नगरिया खनू।	2,000/–	177.00
15.	समरेर	1. समरेर 2. सवलपुर 3. महताबपुर 4. गण्डाह 5. हसनपुर 6. सुखौरा 7. सिसईया गुसाई 8. जयपालपुर धनौरा।	2,000/–	177.00

अभियन्ता जिला पंचायत, बदायूं
अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, बदायूं

सेक्शन–1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड – बदायूँ।

(पता :– कक्ष सं0 226, प्रथम तल, विकास भवन, जिला – बदायूँ।)

पत्रांक :– 1450 /ग्रा0अ0वि0/ई–टेण्डर/2025–26 दिनांक :– 27.01.2026

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ में मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए, बी, सी एवं डी सीमा के अनुरूप श्रेणी के निविदाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है।

1. कार्य से संबन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि बिड सि0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
विधायक निधि – शेखूपुर।						
1.	बदायूँ	ग्राम पंचायत सखानू में रिटेनिंग वॉल का कार्य (जगत)।	25.388	0.51	854.00	03 माह
2.	बदायूँ	ग्राम देवीनगला में भूरे के घर से राजपाल के घर तक सी0सी0 कार्य (कादरचौक)।	12.555	0.26	766.00	03 माह
3.	बदायूँ	ग्राम कलिप्या में छुट्टन के घर से कश्मीरूद्दीन के घर तक सी0सी0 कार्य (कादरचौक)।	12.478	0.25	766.00	03 माह
4.	बदायूँ	ग्राम कदमनगला में मंदिर से सुरेश शर्मा के घर से राजपाल के घर तक सी0सी0 कार्य (कादरचौक)।	9.100	0.19	766.00	03 माह
5.	बदायूँ	ग्राम हसनपुर में हुरियाई मार्ग से बसियानी तक मिट्टी एवं खडंजा कार्य (जगत)।	18.452	0.37	854.00	03 माह
6.	बदायूँ	ग्राम ढडूनगला में पन्नालाल के घर से मैन रोड तक सी0सी0 कार्य (कादरचौक)।	10.492	0.21	766.00	03 माह
7.	बदायूँ	ग्राम फतेहपुर (जगत) भोजराज के मकान से आरिफ के मकान तक सी0सी0 कार्य (जगत)।	17.999	0.36	854.00	03 माह
8.	बदायूँ	ग्राम नरऊ बुजुर्ग के सियाराम नगर कॉलोनी में कमला मंदिर रोड से नरेन्द्र पाल के मकान तक और ब्रजपाल सिंह के मकान से मास्टर बाबू राम यादव के मकान तक सी0सी0 कार्य (जगत)।	12.596	0.26	766.00	03 माह
9.	बदायूँ	ग्राम नौशेरा मैन रोड से उरमान सिंह के घर तक सी0सी0 कार्य (उझानी)।	12.164	0.25	766.00	03 माह
10.	बदायूँ	ग्राम बिलहारी में ईदगाह से सुरेन्द्र की दुकान तक सी0सी0 कार्य (म्याऊँ)।	28.957	0.58	854.00	03 माह
11.	बदायूँ	ग्राम सरौरा नगला में मैन रोड से वीरेन्द्र के घर तक सी0सी0 कार्य (जगत)।	9.591	0.20	766.00	03 माह
12.	बदायूँ	ग्राम पस्तौर में राममूर्ति पूर्व प्रधान की बैठक से रामपाल के घेर होते हुये वीरपाल पाली के घर तक सी0सी0 कार्य (जगत)।	20.220	0.41	854.00	03 माह
13.	बदायूँ	ग्राम मल्लाहपुर में रामभरोसे सिंह मैमोरियल महाविद्यालय में मेन गेट से पश्चिम साइड बाउड्रीवॉल एवं व्यायाम कक्ष तक सी0सी0 कार्य (जगत)।	9.547	0.20	766.00	03 माह
14.	बदायूँ	ग्राम कादरावाडी में अली हसन के घर से मुब्बर के घर तक सी0सी0 कार्य (कादरचौक)।	22.897	0.46	854.00	03 माह
15.	बदायूँ	ग्राम ननाखेडा में खुशी माहम्मद खाँ के मकान तक सी0सी0 कार्य (उझानी)।	21.180	0.43	854.00	03 माह
16.	बदायूँ	ग्राम गौरामई में परवेज पुत्र सच्चन खाँ के मकान से डा0 शाकिर की दुकान तक सी0सी0 कार्य (म्याऊँ)।	16.209	0.33	854.00	03 माह
17.	बदायूँ	ग्राम झन्डपुर में महेश के मकान से धर्मेन्द्र के मकान तक सी0सी0 कार्य (जगत)।	14.572	0.30	766.00	03 माह
18.	बदायूँ	ग्राम सरेरी में ठाकुर जी के मन्दिर से प्राथमिक विद्यालय तक और महावीर ठाकुर के मकान से मदन कश्यप के मकान तक सी0सी0 कार्य (उसावा)।	17.526	0.36	854.00	03 माह
19.	बदायूँ	ग्राम बसोमा में संजीव के घर के पास माता मंदिर से शमशान भूमि पुलिया तक सी0सी0 कार्य (उझानी)।	21.107	0.43	854.00	03 माह
20.	बदायूँ	ग्राम बूंचा नगला में मुनेश के घर से रतिराम के खेत तक सी0सी0 कार्य (जगत)।	22.503	0.46	854.00	03 माह
21.	बदायूँ	ग्राम नसीरनगर धनपाल सिंह के घेर से तेजराम के घर तक सी0सी0 कार्य (म्याऊँ)।	11.590	0.24	766.00	03 माह
22.	बदायूँ	वार्ड नं0 इ0 जीमरूल के घर से दिलीशेर के मकान तक सी0सी0 कार्य (म्याऊँ)।	9.759	0.20	766.00	03 माह

2. वैब साईट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि :– 07.02.2026 को दोपहर 12:00 बजे से।
3. वैब साईट पर बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करने की तिथि :– 07.02.2026 को दोपहर 12:00 बजे से।
4. ई निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ की तिथि / समय :– 07.02.2026 को दोपहर 12:00 बजे से।
5. ई निविदा के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि / समय :– 09.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक।
6. ई निविदा के माध्यम से तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय :– 09.03.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे।
7. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज – 9 के अनुसार परिशिष्ट/ शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। सभी संभावित निविदाताओं को सलाह दी जाती है कि नियमित रूप से ई निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साईट http//etender.up.nic.in पर लॉग ऑन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

UP-245248 दिनांक 04.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजेश कुमार) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड – बदायूँ।
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से।

न्यूज ब्रीफ

डॉ. पवन अरुण बने नए स्वास्थ्य महानिदेशक

अमृत विचार, लखनऊ : परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण को प्रदेश का नया स्वास्थ्य महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उनके स्थान पर महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ. हरि दास अग्रवाल को पदोन्नति देकर महानिदेशक परिवार कल्याण बना दिया गया है। वहीं निदेशक स्वास्थ्य डॉ. रंजना खरे को महानिदेशक पद पर प्रोन्नति देते हुए महानिदेशक प्रशिक्षण नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितु महेश्वरी द्वारा इन तीनों पदों पर नियुक्ति एवं पदोन्नति से संबंधित आदेश गुरुवार को जारी कर दिए गए। उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी को निवर्तमान स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद रिक्त चल रहा था। शासन ने पदोन्नति के माध्यम से इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति कर प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया है।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0 आज से

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार एक और अहम पहल करने जा रही है। उप्र. कौशल विकास मिशन द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में 6 से 13 फरवरी तक "दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0" संचालित किया जाएगा। इस विशेष अभियान का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सेवायोजन के साथ-साथ स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को बताया कि अभियान के अंतर्गत विगत तीन वर्षों में कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई से प्रशिक्षित अर्ह एवं इच्छुक दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही जिला स्तर पर उपलब्ध अन्य इच्छुक दिव्यांगजन भी इसका लाभ ले सकेंगे।

इंद्री धाम का 1.27 करोड़ से होगा विकास

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को सशक्त बनाने की दिशा में पर्यटन विभाग ने प्रयागराज के फूलपुर क्षेत्र स्थित प्राचीन इंद्री धाम मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण का निर्णय लिया है। स्कंद पुराण और दुर्गा सप्तशती में वर्णित मां इन्द्री को समर्पित इस पौराणिक स्थल के समग्र विकास पर 1.27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि इन्द्री धाम श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां चैत्र एवं शारदीय नवरात्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि परियोजना अंतर्गत पहली किस्त के रूप में 30 लाख रुपये जारी किए गए हैं। मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, प्रवेश द्वार, यात्री शेड, स्टाम्प फ्लोरिंग युक्त मार्ग, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, पेयजल, साइनेज एवं म्यूरल आर्ट जैसे कार्य कराए जाएंगे।

कन्वेंशन हाल के लिए एक करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर प्रतापगढ़ के विकास भवन परिसर में पं. दीनदयाल उपाध्याय कन्वेंशन हाल (अनावासीय भवन) के निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि चालू वित्तीय वर्ष में तृतीय किश्त के रूप में जारी की गई है। इस संबंध में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा गुरुवार को शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासन ने निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं स्वीकृत लागत के अनुरूप समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। मालूम हो कि परियोजना के लिए कुल 532.10 लाख रुपये की स्वीकृति पहले दी जा चुकी है।

हर ब्लॉक में खुलेंगे पशु औषधि केंद्र, मिलेंगी सस्ती दवाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में पशुपालकों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण पशु औषधियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक विकास खंड में एक पशु औषधि केंद्र खोला जाएगा। यह केंद्र प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की तर्ज पर स्थापित होंगे, जिससे पशुओं के उपचार के लिए सस्ती दरों पर दवाएं सुलभ हो सकें।

लखनऊ के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि पशु औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदक को फार्मासिस्ट का नाम एवं उसका वैध पंजीकरण विवरण, दुकान के लिए न्यूनतम 120 वर्ग फुट स्थान का प्रमाण पत्र तथा ड्रग सेल लाइसेंस का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषक समृद्धि केंद्र एवं सहकारी समितियों से जुड़े योग्य लाभार्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। यह योजना भारत सरकार की पशुधन स्वास्थ्य एवं बीमारी नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जाएगी।

पशु औषधि केंद्र स्थापित करने के इच्छुक आवेदकों को 5000 रुपये शुल्क अदा करना होगा। आवेदन की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी, इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी http://pashuaushadhi.dahd.gov.in पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

डीबीटी योजनाओं में फैमिली आईडी अब अनिवार्य

सभी योजनाओं को फैमिली आईडी से किया जाएगा लिंक, मुख्य सचिव ने जारी किया शासनादेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने राज्य सेक्टर की सभी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं और सेवाओं में फैमिली आईडी से शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार अब सभी पात्र लाभार्थियों के लिए फैमिली आईडी अनिवार्य होगी, ताकि योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंच सके।

गुरुवार को जारी शासनादेश में कहा गया है कि प्रदेश में संचालित वर्तमान और भविष्य की सभी ऐसी योजनाएं, जो आधार अधिनियम के तहत अधिसूचित हैं या की जाएंगी, उनके अंतर्गत प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन में फैमिली आईडी का अंकन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। यदि आवेदक की फैमिली आईडी उपलब्ध नहीं होगी तो ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के दौरान फैमिली आईडी बनवाने के लिए स्वतः पॉप-अप संदेश प्रदर्शित किया जाएगा। सरकार द्वारा सभी डीबीटी योजनाओं और सेवाओं को फैमिली आईडी डेटाबेस से लिंक किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पात्र लाभार्थियों की सही पहचान, योजनाओं का लक्षित क्रियान्वयन और शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करना है। फैमिली आईडी पोर्टल पर वेब आधारित ई-पासबुक भी विकसित की गई है, जिसमें परिवार को प्राप्त सभी सरकारी योजनाओं और सेवाओं का सदस्यवार विवरण देखा जा सकेगा।

शासनादेश के अनुसार फैमिली आईडी डेटाबेस के माध्यम से एडीपी भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे परिवार अपनी आयु, आय और पारिवारिक संरचना के आधार पर संभावित पात्र योजनाओं की जानकारी स्वतः प्राप्त कर सकेगा। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से डुप्लीकेशन रुकेगा, पारदर्शिता बढ़ेगी और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

अब टीबी मरीजों को एसएनए स्पर्श पोर्टल से मिलेगा भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत संचालित निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत टीबी मरीजों को दी जाने वाली पोषण सहायता राशि के भुगतान की व्यवस्था में अहम बदलाव किया गया है। अब तक यह भुगतान पीएफएमएस और निक्षय पोर्टल के माध्यम से किया जाता था, लेकिन अब इसे और अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनाने के लिए एसएनए स्पर्श पोर्टल से जोड़ा गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने पत्र जारी कर सभी जिलाधिकारियों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों एवं जिला क्षय रोग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निक्षय पोषण योजना का भुगतान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एसएनए स्पर्श पोर्टल के माध्यम से समयबद्ध ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) आधारित है, जिससे लाभार्थियों के बैंक खातों में राशि सीधे भेजी जाएगी। इससे न केवल टीबी मरीजों को नियमित पोषण सहायता मिलेगी, बल्कि प्रदेश में क्षय रोग उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

किसानों को पांच मिनट में ई-केसीसी से ऋण

मुख्यमंत्री योगी ने राज्य ऋण संगोष्ठी का किया उद्घाटन, बैंकों से ऋण शर्तें सरल बनाने की अपील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री सुरेश खन्ना व सूर्य प्रताप शाही।

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस से प्रदेश में ऋण स्वीकृति प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हुई है। एफपीओ, सहकारिता व एमएसएमई से अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। ई-केसीसी के जरिए अब किसानों को 5 मिनट में ऋण मिल रहा है, जबकि पहले एक माह लग जाते थे। उन्होंने बैंकरों से ऋण शर्तें सरल करके किसानों, एफपीओ, एमएसएमई व सहकारिता से जुड़े लोगों को सहयोग देने की अपील की।

मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में आयोजित राज्य ऋण संगोष्ठी के उद्घाटन और राज्य फोकस पेपर वर्ष 2026-27 के विमोचन के बाद बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि नए सत्र के लिए कृषि ऋण लक्ष्य 3 लाख करोड़ रुपये है, जो 13 फीसदी अधिक है। पीएम मोदी की प्रेरणा से केंद्रीय बजट में एआई एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है और प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी देश का पहला राज्य है, जो एमएसएमई सेक्टर को 5 लाख रुपये का सुरक्षा बीमा दे रहा है।

ओडीओपी को टेक्नोलॉजी, मार्केटिंग, पैकेजिंग और डिजाइनिंग से जोड़ने के कारण निर्यात 84 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। इससे पलायन रुका है। 2016 में 11.7 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था आज बढ़कर 36 लाख करोड़ रुपये पहुंच रही है। प्रति व्यक्ति आय 43 हजार से बढ़कर 1.20 लाख रुपये हो चुकी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एफपीओ) को मंच पर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, नाबार्ड के महाप्रबंधक पंकज कुमार और रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय महाप्रबंधक पंकज कुमार उपस्थित रहे।

सहकारिता क्षेत्र में पहले हावी थे माफिया

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में भी बड़ा परिवर्तन आया है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2017 से पहले माफिया हावी था और रिजर्व बैंक ने 16 जिला सरकारी बैंकों को डिफाल्टर घोषित कर बंद करने का आदेश दिया था। आज इनमें से 15 बैंक मुनाफे में आ चुके हैं और शेष को भी लाभ में लाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक के साथ यूपी एग्री-टेक के क्षेत्र में काम करने वाला देश का पहला राज्य है।

लापता लोगों के मामले में एसीएस गृह व डीजीपी तलब

विधि संवाददाता, लखनऊ

- दो साल में एक लाख से अधिक लोगों के लापता होने का मामला

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में दर्ज स्वतः संज्ञान याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की। कोर्ट ने उक्त मामले के संबंध में राज्य सरकार के संबंधित विभागों के पास उपलब्ध सभी आंकड़ों और रिकॉर्ड को तलब किया है । इसके साथ ही कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 मार्च की तिथि नियत करते हुए अपर मुख्य सचिव (एसीएस गृह) तथा पुलिस महानिदेशक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा सुनवाई के समय उपस्थित रहने का भी निर्देश दिया है ।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन राय वह न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने उक्त मामले में दर्ज स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

उल्लेखनीय है कि एक गुमशुदा व्यक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय के संज्ञान में आया कि प्रदेश में पिछले लगभग दो साल में 1,08,300 लोग लापता हो चुके हैं, जिनके संबंध में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज हैं। इनमें से मात्र 9700 लोगों का पुलिस पता लगा सकी है। न्यायालय ने इस स्थिति को बेहद चिंताजनक व गंभीर करार देते हुए, मामले को 'प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में' शीर्षक से जनहित याचिका दर्ज करने का आदेश दिया था।

अस्थायी पदों के 205 कर्मियों को राहत

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत तकनीकी मैनपावर के 205 अस्थायी पदों को सरकार ने एक वर्ष की और राहत दे दी है। न्याय विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार इन पदों की निरंतरता 1 मार्च 2026 से 28 फरवरी 2027 तक प्रदान की गई है। यह निर्णय न्यायालयों में ई-कोर्ट और आईसीटी आधारित कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से लिया गया है। प्रमुख सचिव न्याय उदय प्रताप सिंह की ओर से गुरुवार को इलाहाबाद के महानिबंधक को भेजे गए शासनादेश में बताया गया है कि यह व्यवस्था 14वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अंतर्गत उच्च न्यायालय की ई-समिति द्वारा पारित प्रस्तावों के क्रम में की गई है। इससे पहले इन्हीं 205 पदों की स्वीकृति 1 मार्च 2025 से 28 फरवरी 2026 तक के लिए दी गई थी, जिसकी अवधि अब बढ़ा दी गई है।

अभ्युदय योजना से जुड़े 77 अभ्यर्थी देंगे साक्षात्कार

- यूपीपीसीएस-2024 की मुख्य परीक्षा में पाई सफलता

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने एक बार फिर अपनी सार्थकता सिद्ध की है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केंद्रों से मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे 77 अभ्यर्थियों ने उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (यूपीपीसीएस) 2024 की मुख्य परीक्षा में सफलता अर्जित की है।

अभ्युदय योजना प्रदेश के युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंच दिलाने में मील का पत्थर साबित हो रही है। समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि भागीदारी भवन, लखनऊ स्थित कोचिंग केंद्र से 40, अलीगंज स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र से 20 तथा हापुड़ स्थित राजकीय आईएएस/पीसीएस कोचिंग केंद्र से 17 अभ्यर्थी यूपीपीसीएस-2024 की मुख्य परीक्षा में सफल हुए हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत अभ्यर्थियों को निःशुल्क आवास, भोजन, पुस्तकालय, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कक्षाएं, विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, मुख्य परीक्षा केंद्रित उत्तर लेखन अभ्यास, मॉडल टेस्ट तथा अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

ग्लोबल होगा यूपी का शहद, महिलाएं करेंगी लांच

अमृत विचार, लखनऊ : एक लाख ग्रामीण महिलाएं शहद उद्यमी बनकर अपना ब्रांड लांच करेंगी। इससे आय में एक लाख रुपये की सालाना वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। यूपी सरकार तैयार शहद को ग्लोबल स्तर पर बाजार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन विलेज के तहत राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा मधुमक्खी पालन कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी एक लाख ग्रामीण महिलाएं शहद उत्पादन के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता भी बढ़ाएंगी। योजना के अंतर्गत अगले तीन वर्षों में एक लाख ग्रामीण महिलाओं को मधुमक्खी पालक के रूप में विकसित किया जाएगा। लक्ष्य है कि प्रत्येक महिला उद्यमी की वार्षिक आय में लगभग एक लाख रुपये की वृद्धि हो।

पांचवीं तक के छात्रों को मोबाइल पर न दिया जाए होमवर्क : डॉ. बबीता चौहान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महिला आयोग अध्यक्ष ने सभी डीएम को डिजिटल अनुशासन अनिवार्य करने का दिया निर्देश

अमृत विचारः गाजियाबाद में मोबाइल पर कोरियन गेम्स खेलने की लत के चलते तीन बालिकाओं ने आत्महत्या कर ली। इस घटना को राज्य महिला आयोग ने को गंभीरता से लिया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है। कहा कि बालक और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए अब डिजिटल अनुशासन अनिवार्य होगा। कक्षा पांचवीं तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्रों को विषम परिस्थितियों को छोड़कर मोबाइल फोन के माध्यम से होमवर्क नहीं दिया जाएगा। साथ ही असाइनमेंट अथवा अन्य शैक्षणिक कार्य कराए जाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाना सुनिश्चित किया जाए।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने गुरुवार को बताया कि प्रथमदृष्ट्या उपलब्ध तथ्यों के अनुसार गाजियाबाद की दुखद घटना की पृष्ठभूमि में मोबाइल फोन पर गेम खेलने की लत ही निकल कर आ रही है। यह घटना समाज एवं शैक्षणिक व्यवस्था के लिये गम्भीर चेतावनी भी है। कोरोना काल में लॉकडाउन की अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण स्कूलों द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण की व्यवस्था की गई थी। किन्तु वर्तमान में सामान्य परिस्थितियां होने के बाद भी अनेक स्कूलों द्वारा बच्चों के होमवर्क, असाइनमेंट एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां अनिवार्य रूप से व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भेजी जा रही हैं। जिससे बच्चों के हाथ में निरन्तर मोबाइल उपलब्ध रहने की स्थिति बन गई है। कहा कि यह स्थिति अत्यन्त चिंताजनक है। छोटी उम्र में ही मोबाइल पर अनियंत्रित गेमिंग तथा अन्य अवांछनीय गतिविधियां बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली आज से

अमृत विचार, लखनऊ : रिक्रूटिंग जोन उप्र और उत्तराखंड, रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय) लखनऊ के तहत शुक्रवार से छावनी स्थित एएमसी सेंटर और कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में अग्निवीर भर्ती रैली शुरू होगी। पहले दिन एआरओ लखनऊ के अंतर्गत 13 जिलों के लिए अग्निवीर ट्रेड्समैन (कक्षा 8वीं व 10वीं पास) की भर्ती होगी। 6 से 20 फरवरी तक औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ के करीब 13 हजार शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थी रैली में शामिल होंगे। जुलाई 2025 में आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम पास अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड पर दी गई तिथि व समय के अनुसार रिपोर्ट करना होगा।

जीपीएफ व सीपीएफ पर 7.1 फीसद ब्याज दर की मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त विभाग के फैसले से लाखों राज्य कर्मचारियों और पेंशन से जुड़े अंशधारकों को लाभ

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों और अंशधारकों को राहत देते हुए जनरल प्रोविडेंट फंड (जीपीएफ), कंट्रीब्यूटरी प्रोविडेंट फंड (सीपीएफ) और सीपीएफ पेंशन इंश्योरेंस फंड पर मिलने वाली ब्याज दर को 7.1 प्रतिशत बनाए रखने का निर्णय लिया है। वित्त (सामान्य) अनुभाग-2 द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार यह ब्याज दर 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय जनरल प्रोविडेंट फंड (उत्तर प्रदेश) नियमावली-1985, कंट्रीब्यूटरी प्रोविडेंट फंड (उत्तर प्रदेश) नियमावली तथा उत्तर प्रदेश कंट्रीब्यूटरी प्रोविडेंट फंड पेंशन इंश्योरेंस नियमावली-1948 के प्रावधानों के अंतर्गत लिया गया है। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद यह आदेश जारी किया गया है। वित्त विभाग के इस फैसले से लाखों राज्य कर्मचारियों और पेंशन से जुड़े अंशधारकों को लाभ मिलेगा।

अटल विद्यालयों में 15 तक आवेदन मांगे गए

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, ताकि उनके बच्चे भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाकर आगे बढ़ सकें। प्रदेशभर में संचालित अटल आवासीय विद्यालयों में कक्षा छह से नौवीं तक प्रवेश के लिए 15 फरवरी तक आवेदन मांगे गए हैं। इन विद्यालयों में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की दो संतानों को अंग्रेजी माध्यम से पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। आवेदन संबंधित कार्यालय में ऑफलाइन या उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की वेबसाइट upbocw.in पर ऑनलाइन किया जा सकता है। अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी है।

यूपी की इंटरनेशनल फिल्म सिटी में होगी 'मॉम-2' की शूटिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मार्च की शुरुआत में शुरू होगा फिल्मांकन, 20 दिन में बनेगा सेट

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' ने रफ्तार पकड़ ली है। गौतमबुद्ध नगर के जेवर क्षेत्र में विकसित हो रही प्रदेश की पहली इंटरनेशनल फिल्म सिटी में पहली शूटिंग के रूप में बॉलीवुड फिल्म 'मॉम-2' का फिल्मांकन किया जाएगा। इसके लिए जमीन की मैपिंग शुरू कर दी गई है।

परियोजना का निर्माण कर रहे बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के ज्वाइंट वेंचर 'बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड' के अनुसार, मैपिंग पूरी होते ही लगभग 20 दिन में शूटिंग सेट तैयार कर लिया जाएगा। फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में शूटिंग शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि शूटिंग की तैयारियों के साथ-साथ फिल्म सिटी के स्थायी निर्माण कार्य भी समानांतर रूप से आगे बढ़ेंगे। यह परियोजना सेक्टर-21, यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित की जा रही है, जहां विश्वस्तरीय शूटिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी के जीएम राजीव अरोड़ा ने बताया कि 'मॉम-2' के सेट के साथ ही स्थायी ढांचे का निर्माण भी शुरू कर दिया जाएगा।

अभियान

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 की शुरुआत, सीमावर्ती जिलों में लगेंगे नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं : पाठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी संकल्प के तहत गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 एक सशक्त जनसेवा अभियान के रूप में कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री गुरुवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में इस अभियान के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस यात्रा में इस वर्ष लगभग 70 मेडिकल संस्थानों से 700 चिकित्सक एवं मेडिकल छात्र भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत नेपाल सीमा से सटे थारू बाहुल्य क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। महाराजगंज, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर, पीलीभीत, श्रावस्ती और बहराइच जनपदों में 6 से 8 फरवरी तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांतरंजन व विशिष्ट अतिथि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रो एमएलबी भट्ट ने बताया कि न्यास ने जनजातीय क्षेत्रों में कैंप के साथ ही मोबाइल वैन सेवा भी शुरू करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन, गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास से जुड़े पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, चिकित्सक एवं स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा को झंडी दिखाकर चिकित्सकों के दल को रवाना करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

'स्पंदन ईसीजी' मशीन का किया वितरण

अभियान अंतर्गत चिकित्सकों के दल को रवाना किया गया तथा विश्व की सबसे छोटी ईसीजी मशीन 'स्पंदन ईसीजी' का वितरण भी किया गया। यह मशीन बिना बैटरी और इंटरनेट के कार्य करने में सक्षम है, जिससे दूरस्थ और सीमावर्ती क्षेत्रों में त्वरित व सटीक जांच संभव हो सकेगी।

अमृत विचार
शुक्रवार, 6 फरवरी 2026

कमजोर लोग हमेशा न्याय और समानता के लिए चिंतित रहते हैं। बलवान लोग इन दोनों की परवाह नहीं करते।
-अरस्तू, दार्शनिक

आयोग पर अभियोग

मतदाता सूची किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होती है। यदि उसमें त्रुटि या पक्षपात का संदेह पैदा हो जाए, तो चुनाव की निष्पक्षता पर ही प्रश्न चिह्न लग जाता है। मुद्दा किसी एक राज्य या दल का नहीं, बल्कि मताधिकार की पवित्रता का है। ऐसे में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए सवालों को दलगत राजनीति से इतर गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

सामान्यतः गहन पुनरीक्षण एक जटिल प्रशासनिक कार्य है, जिसमें घर-घर सत्यापन, दस्तावेजों की जांच और आपत्तियों के निस्तारण जैसी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। इसे त्रुटि रहित ढंग से पूरा करने में लंबा समय लगता है। यदि दो वर्ष में होने वाला कार्य तीन महीने में समेटा जा रहा है, तो स्वाभाविक है कि जल्दबाजी से त्रुटियों की आशंका बढ़ेगी। चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करना होगा कि किन तकनीकी साधनों या अतिरिक्त संसाधनों के आधार पर वह इतनी तेज गति से यह काम कर रहा है। केवल पश्चिम बंगाल में ही सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति जैसी अतिरिक्त निगरानी की व्यवस्था समानता के सिद्धांत पर प्रश्न उठाता है। यदि आयोग के पास इसके लिए पूर्व में शिकायतों का इतिहास या उच्च जोखिम वाले क्षेत्र जैसे कारण हैं, तो वह उन्हें सार्वजनिक करे। 58 लाख से अधिक नामों का हटाया जाना अत्यंत गंभीर तथ्य है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए है या बड़े पैमाने पर बहिष्करण का। आयोग का दायित्व केवल 'डुप्लीकेट हटाना' नहीं, बल्कि 'वास्तविक मतदाता को शामिल रखना' भी है। समावेशन और शुद्धिकरण के बीच संतुलन ही लोकतांत्रिक मर्यादा है। लैंगिक भेदभाव या विशेष समुदायों के नाम अधिक हटने के आरोपों की स्वतंत्र ऑडिट से जांच होनी चाहिए। विवाहित महिलाओं के नाम केवल उपनाम परिवर्तन के कारण हटने के मामलों में स्व-घोषणा और सरल सत्यापन पर्याप्त होना चाहिए। नामों की गलत वर्तनी या तकनीकी त्रुटियों के कारण नाम हटना भी चिंताजनक है। आयोग को डिजिटल डेटाबेस में सुधार, स्थानीय स्तर पर त्वरित सुधार शिविर और ऑनलाइन शिकायत निस्तारण प्रणाली को सशक्त बनाना होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने आधार को एक वैकल्पिक पहचान के रूप में स्वीकार किया है, उसे न मानना आदेश की अवमानना की श्रेणी में आ सकता है। आयोग को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा नोटिस जारी किया जाना इस पूरे विवाद को संवैधानिक आयाम देता है।

यदि 'तार्किक विसंगतियों' की सूची सार्वजनिक नहीं की गई है, तो अदालत निश्चित रूप से स्पष्टीकरण मांग सकती है। चुनाव आयोग की स्वायत्तता लोकतंत्र की आधारशिला है। उस पर 'सरकारी प्रश्रय' का आरोप तभी कमजोर होगा जब वह पारदर्शी, समान और तर्कसंगत आचरण प्रदर्शित करे। अंततः सर्वोच्च न्यायालय का कथन स्मरणीय है कि हर समस्या का समाधान संभव है। पर समाधान तभी संभव होगा, जब प्रक्रिया का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को बाहर करना नहीं, बल्कि हर योग्य नागरिक को शामिल करना हो।

प्रसंगवश

चूल्हे से चांद तक महिलाओं की बदलती पहचान

कृति जैन
लेखिका

रसोई की दीवारें केवल ईंट-सीमेंट की बनी हुई संरचना नहीं होतीं, वे उस सामाजिक सोच की मूक प्रतीक हैं, जिसने सदियों से महिलाओं की दुनिया को सीमाओं में बांध दिया। इन दीवारों के भीतर सिर्फ़ भोजन नहीं पकता, बल्कि अनगिनत सपने भी धीमी आंच पर सुलगते रहते हैं। यहां हर दिन समझौते होते हैं- खुद से, अपनी इच्छाओं से, अपनी पहचान से। बाहर की दुनिया तेज़ी से बदल रही है, पर इन दीवारों के भीतर आज भी वही पुरानी अपेक्षाएं गूंजती हैं। फिर भी, इन्हीं सीमाओं के बीच एक दृढ़ आवाज़ जन्म लेती है- मैं इससे अधिक हूं और इससे आगे जा सकती हूं।

भारतीय समाज में महिला को अक्सर त्याग और सहनशीलता की प्रतिमा बना दिया गया है। उसकी सफलता इस कसौटी पर परखी जाती है कि उसने परिवार के लिए कितना त्याग किया, न कि उसने अपने लिए क्या हासिल किया। बचपन से उसे सिखाया जाता है कि सपने देखना ठीक है, पर उन्हें सीमाओं में रखना ज़रूरी है। धीरे-धीरे वह भी मान लेती है कि उसकी ज़िंदगी की प्राथमिकता हमेशा दूसरे होंगे। फिर भी, उसके मन के किसी कोने में उसकी इच्छाएं जीवित रहती हैं- शांत, धैर्यवान और अपने सही समय की प्रतीक्षा करती हुई।

आज की महिला एक साथ कई भूमिकाएं निभा रही है। वह मां है, पत्नी है, बहू है, लेकिन इन सबसे पहले वह एक संपूर्ण इंसान है, जिसके अपने सपने और आकांक्षाएं हैं। दिन भर वह घर की ज़िम्मेदारियों में उलझी रहती है, पर रात के सन्नाटे में उसका मन जाग उठता है। तब वह किताब खोलती है, ऑनलाइन कक्षाओं में समय लगाती है या अपने भविष्य की नई तस्वीर गढ़ती है। समाज भले ही उसकी इस कोशिश को अनदेखा करे, लेकिन उसके भीतर आत्मनिर्भर बनने की आग हर दिन और प्रखर होती जाती है।

कई बार महिलाओं के सपने उसी रसोई से आकार लेते हैं, जहां कभी उन्हें सीमित कर दिया गया था। वर्षों तक स्वाद और मेहनत से खाना बनाने वाली महिला एक दिन समझ पाती है कि यही उसका हुनर है। वह अपने काम को घर की चारदीवारी से बाहर लाने का साहस जुटाती है। शुरुआत में ताने मिलते हैं, शक किया जाता है, लेकिन वह पीछे नहीं हटती। धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और उसका हुनर उसकी पहचान बन जाता है। यह बदलाव सिर्फ़ कमाई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नींव रख देता है।

यह सफ़र आसान नहीं होता। समय की कमी, शारीरिक थकान, परिवार की अपेक्षाएं और समाज की आलोचना, हर मोड़ पर नई बाधाएं खड़ी हो जाती हैं। कई बार महिलाओं को यह महसूस कराया जाता है कि उनका आगे बढ़ना घर के संतुलन को बिगाड़ देगा। अपराधबोध चुपचाप उनके मन में जगह बना लेता है। फिर भी कुछ महिलाएं इन दबावों के बावजूद आगे बढ़ती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि उनका सपना किसी का नुकसान नहीं करता, बल्कि दूसरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

संघर्ष की इस राह पर महिलाएं कई बार गिरती हैं, लेकिन हर बार थोड़ा और सशक्त होकर उठती हैं। वे समझ जाती हैं कि सफलता का अर्थ पूर्णता नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास और धैर्य है। उनके चेहरे पर थकान साफ़ दिखती है, पर आंखों में संतोष की रोशनी होती है। वे जानती हैं कि यह लड़ाई सिर्फ़ उनकी नहीं है, वे उन अनगिनत महिलाओं के लिए रास्ता बना रही हैं, जो अभी खामोश हैं, लेकिन सपने देखना नहीं छोड़ा है।

नेपाल: युवा बदल सकते हैं चुनाव नतीजों की तस्वीर

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल का चुनाव कई मायनों में बड़ा दिलचस्प है। नई और पुरानी सभी पार्टियां बस भाग्य भरोसे चुनाव मैदान में हैं। एजेंडे की बात करें तो सभी के पास वही पुराना राग ही है। नेपाली कांग्रेस जो इस बार पूर्व महामंत्री गगन थापा के नेतृत्व में अपने पुराने दावे और वादों के साथ मैदान में हैं। पार्टी के नए सभापति गगन थापा ने तो पूर्व सभापति शेर बहादुर देउबा को टिकट से ही वंचित कर दिया। एमाले और माओवादी केंद्र के पास भी नेपाल के लिए कुछ नया नहीं है। इन तीन पुरानी पार्टियों के इतर इस बार पूरे नेपाल में चुनाव मैदान में उतरी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को लोग भरोसे की दृष्टि से जरूर देख रहे हैं।

नेपाल के पहाड़ी लोगों को इस पार्टी से परिवर्तन की अनुभूति की आश है, लेकिन इसका भी कोई क्लियर एजेंडा नहीं दिख रहा, हां इस पार्टी में जेन जी आंदोलन के नायक सुडान गुरूंग और काठमांडू के पूर्व मेयर वालेन शाह सहित ढेर सारे युवाओं के आ जाने से इस पार्टी को युवा मतदाताओं पर भरोसा ज्यादा है। नेपाल में सत्ता आती जाती रही है, लेकिन समस्याएं जस की तस हैं। बेरोजगारी,पलायन, मंहगाई, भ्रष्टाचार सब बेकाबू है। इस सबसे युवा ही ज्यादा प्रभावित और आक्रोशित हैं। जैसा कि दिख रहा है, यदि युवाओं का फैसला एक तरफा हुआ तो संभव है, परिणाम चौंकाने वाला हो, लेकिन यह भी संभव है कि सत्ता की चाभी मधेश के हाथ में हो।

नेपाल में नई और पुरानी सभी पार्टियां बस भाग्य भरोसे चुनाव मैदान में हैं। एजेंडे की बात करें तो सभी के पास वही पुराना राग है। एमाले और माओवादी केंद्र के पास भी नेपाल के लिए कुछ नया नहीं है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का जन्म पिछले चुनाव में धूमकेतु की तरह हुआ। इसके अध्यक्ष रवि लामी छाने नेपाल के पत्रकार रहे हैं। इनका टीवी टाक शो नेपाल मं काफी लोकप्रिय रहा है। पिछले चुनाव में पश्चिम नेपाल में इस पार्टी को अच्छी खासी सफलता मिली थी। एक दर्जन से अधिक सीटों पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार कामयाब हुए थे। ओली सरकार में रवि लामी छाने गृहमंत्री थे। बतौर गृह मंत्री उनकी पहचान एक सख्त मंत्री की थी। उन्हें अमरीकी नागरिक विवाद में पद और प्रतिनिधि सभा से त्यागपत्र देना पड़ा था। बाद में इस विवाद के सुलझ जाने पर वे प्रतिनिधि सभा में वापस आए और फिर गृहमंत्री बने। गृहमंत्री रहते हुए उन्होंने ब्यूरोक्रेट्स और राजनीतिक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की भरपूर कोशिश की। कई बड़े अफसरों और राजनेताओं के भ्रष्टाचार की जांच का आदेश देकर वे सुर्खियों में रहे, हालांकि उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

प्रचंड और ओली के अलग होने के बाद जब नेपाली कांग्रेस और ओली की सरकार बनी तो इस सरकार में रवि लामी छाने शामिल नहीं हुए। इस बीच वे खुद धोखाधड़ी के बड़े लपेटे में आ गए। उन्हें जेल जाना पड़ा। अभी वे जमानत पर हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी पूरी तरह रवि लामी छाने के नेतृत्व और जेन जी आंदोलन के नायकों के भरोसे है। वालेन शाह जब काठमांडू के मेयर थे, तब अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाए हुए थे, वे कभी-कभी हिंदुत्व की भी बात करते हैं। ग्रेटर नेपाल के नक्शे में भारत के सीमावर्ती हिस्से को दर्शाया गया है। यदि उनकी राजनीति का केंद्र बिंदु यही है, तो समझा जा सकता है कि सत्ता में आने पर इस पार्टी का भारत से कैसा रिश्ता हो सकता है।

यह चुनाव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'हामी नेपाल' के संचालक सुडान गुरूंग और वालेन शाह की अग्निपरीक्षा है। वालेन शाह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ झापा क्षेत्र संख्या पांच से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं सुडान गुरूंग कुछ बड़ा करने के लिए गोरखा क्षेत्र संख्या एक से चुनाव लड़ रहे हैं। गोरखा क्षेत्र संख्या एक की बात करें, तो यहां का चुनाव किसी के लिए भी आसान नहीं है। सुडान ओली के अपदस्थ होने के बाद अंतरिम सरकार के किंगमेकर की भूमिका में थे। पिछले कई चुनावी निराशाओं से थके यहां के लोगों को इस बार सुडान से उम्मीद है। कुछ समय पहले तक सुडान की प्राथमिकता में राजनीति नहीं थी। जेन-जी आंदोलन ने अचानक उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिला दी।

आंदोलन के दौरान स्वयंसेवक के रूप में जुड़े सुडान, आंदोलन खत्म होते-होते सत्ता समीकरण में 'किंगमेकर' की भूमिका तक पहुंच गए। सुशीला कार्की के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार और मंत्रियों की नियुक्ति में उनकी प्रत्यक्ष भूमिका रही। जिस तेजी से वे राष्ट्रीय राजनीति में उभरे, उसी तेजी से आगे बढ़ पाएं, तो नेपाल की राजनीति में यह एक परिवर्तन होगा, जो नेपाल के मिजाज को रेखांकित करेगा।

झापा क्षेत्र संख्या पांच से वालेन शाह केपी शर्मा ओली के मुकाबले चुनाव लड़ रहे हैं। वे राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हैं। पिछले दिनों नेपाल के एक बड़े गुटखा व्यवसायी द्वारा गिफ्ट की गई मंहगी डिफेंडर गाड़ी को लेकर वे सुर्खियों में थे। अब उनके खिलाफ चुनाव आयोग में औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज की गई है। वालेन शाह पर चुनावी आचार संहिता, प्रचलित कानूनों और लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

नेपाल के चुनाव में इस बार 'मधेश' मुद्दा गायब है, लेकिन यह भी सच है कि मधेश फतह किए बिना किसी भी पार्टी के लिए सत्ता की कुर्सी आसान नहीं है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने इसी के दृष्टिगत मधेश में अपेक्षाकृत अच्छे और योग्य उम्मीदवारों का चयन कर मैदान में उतारा है। अब वे कितना कामयाब हो पाएंगे, यह आकलन अभी मुश्किल है। नेपाल के मधेश क्षेत्र का 23 जिला भारत सीमा से सटा है। यहां की करीब 90 लाख की आबादी नेपाली भाषा के साथ हिंदी भाषी भी हैं। ये लोग खुद को भारत के करीब महसूस करते हैं। पूर्व में यहां के संसदीय क्षेत्रों का सीमांकन पूरब पश्चिम को था। तब मधेश से मधेशी उम्मीदवार ही चुनाव जीतते थे, वे चाहे जिस दल के हों।

लोकतांत्रिक संविधान लागू होने के बाद इसका सीमांकन उत्तर दक्षिण की ओर कर दिया गया। इसके पीछे का मकसद यही था कि नेपाल की राजनीति में मधेश का वर्चस्व कम किया जाए। इस सीमांकन के खिलाफ मधेश में आंदोलन भी खूब हुआ लेकिन कोई असर नहीं डाल सका।

आमने सामने

जब चीन के टैंक भारत की सीमा की तरफ बढ़ रहे थे, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं किया था। यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में आते हैं तो मैं यह पुस्तक उन्हें भेंट करूंगा।
-राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

राहुल गांधी के पास ठोस मुद्दे नहीं हैं, इसलिए वे सुर्खियों में बने रहने और चर्चा बटोरने के लिए इस तरह के बयान देते रहते हैं। सेना और शहीदों का सम्मान पूरे देश के लिए सर्वोपरि है। इस तरह की बयानबाजी से देश की छवि को नुकसान पहुंचाती है।
-देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

जरूरी है बच्चों की परवरिश पर भी हो चिंतन

डॉ. शिवम् भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

एक ही परिवार की 12, 14 और 16 साल की तीन बच्चियों ने रात के दो बजे, ग़ाज़ियाबाद की एक ऊंची इमारत की नौवीं मंज़िल से छलांग लगा दी। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हमारे डिजिटल युग का नंगा और क्रूर सच है। यह घटना सिर्फ़ एक परिवार का निजी शोक नहीं है, यह पूरे समाज के लिए चेतावनी की घंटी है। यह हमें बताती है कि जिस तकनीक को हमने सुविधा, प्रगति और सुरक्षा का प्रतीक मान लिया, वही तकनीक जब बिना निगरानी और संवेदनशील समझ के बच्चों के हाथ में पहुंचे, तो वह उनके मन, रिश्तों और जीवन पर चुपचाप कब्ज़ा कर सकती है।

कोविड काल से हुए बड़े बदलावों में एक यह भी है कि बड़ी तादाद में बच्चों की दुनिया सिमटकर मोबाइल स्क्रीन पर आ गई और बच्चों को मोबाइल दिया जाना भी न्यू नॉर्मल हो गया। पढ़ाई ऑनलाइन हुई, दोस्ती वर्चुअल हुई, खेल डिजिटल हुए और अकेलापन सामान्य हो गया। माता–पिता को यह एक सुरक्षित विकल्प लगा कि बच्चा घर के भीतर है, बाहर की बुरी संगत से दूर है। पर हम यह भूल गए कि आज की बुरी संगत गलियों में नहीं, ऐप्स में घूमती है। कई ऑनलाइन गेम, फैनडम और वर्चुअल कम्युनिटी बच्चों को एक समानांतर पहचान का भ्रम देती हैं, जहां वे अपने वास्तविक जीवन की परेशानियों से भागकर एक काल्पनिक दुनिया में शरण लेते हैं। यह शरण शुरू में मनोरंजन लगती है, फिर आदत बनती है और अंततः मानसिक निर्भरता में बदल जाती है। इसके बाद 'लेवल', 'टास्क' और 'चैलेंज' जैसे शब्द बच्चों के मन पर ऐसा दबाव बनाते हैं कि वे वास्तविक जीवन की संवेदनाओं, रिश्तों और खतरे के बोध से कटने लगते हैं। यही वह बिंदु है, जहां खेल मनोरंजन नहीं रहता, बल्कि मानसिक नियंत्रण का औज़ार बन जाता है।

एक ही परिवार की तीन बच्चियों ने नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। यह हमारे डिजिटल युग का नंगा और क्रूर सच है।

यह समस्या किसी एक देश, किसी एक गेम या किसी एक ट्रेंड तक सीमित नहीं है। कुछ समय पहले भी ऐसे जानलेवा गेम और ऐप्स चर्चाओं में रह चुके हैं- प्रतिबंधित हो चुके हैं, आज कोरियन गेम चर्चा में है, कल कोई और होगा, पर खतरे का ढांचा वही अकेलापन, स्क्रीन पर बढ़ता समय, नींद और दिनचर्या का टूटना, परिवार से संवाद का खत्म होना और धीरे–धीरे मनोवैज्ञानिक असंतुलन। इसके बावजूद तमाम परिवारों में अभिभावकों का सबसे बड़ा भ्रम यही है कि 'मेरे बच्चे के साथ ऐसा नहीं हो सकता।' अभिभावक मान लेते हैं कि उनका बच्चा समझदार है, अच्छे स्कूल में पढ़ता है, या सिर्फ़ कुछेक रील देखता है-गेम खेलता है। यही आत्मसंतोष बच्चों को सबसे असुरक्षित स्थिति में धकेल देता है। सच्चाई यह है कि डिजिटल दुनिया में कोई बच्चा पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। न उसकी बुद्धिमत्ता, न उसकी सामाजिक हैसियत और न ही पारिवारिक अनुशासन उसे स्वतः सुरक्षित बनाता है।

इस संकट का समाधान भावनात्मक प्रतिक्रियाओं या घटना बीत जाने के बाद की बहसों में नहीं है। समाधान घर के भीतर नीति बनाने में है। मोबाइल और इंटरनेट को बच्चों के लिए 'असीम आज़ादी' की तरह नहीं, बल्कि नियंत्रित संसाधन की तरह देखना होगा। छोटे बच्चों को व्यक्तिगत स्मार्टफोन देने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार ज़रूरी है। रात के समय बच्चों के कमरे में मोबाइल का न होना, सभी डिजिटल उपकरणों का एक साझा स्थान पर रखा जाना, पढ़ाई और मनोरंजन के लिए अलग–अलग समय सीमा तय करना, ये कोई कठोर कदम नहीं, बल्कि न्यूनतम सुरक्षा मानक हैं। बच्चे विरोध करेंगे, नाराज़ होंगे, लेकिन माता–पिता को यह समझना होगा कि अस्थायी असहमति स्थायी सुरक्षा की कीमत है।

तकनीकी नियंत्रण भी अब विकल्प नहीं, जिम्मेदारी है। पैरेंटल कंट्रोल, स्क्रीन टाइम लिमिट, कंटेंट फ़िल्टर और सुरक्षित ब्राउज़िंग जैसे उपाय केवल सेटिंग नहीं, बल्कि डिजिटल सुरक्षा की बुनियादी संरचना हैं। जिस तरह हम बच्चों को सड़क पार करना सिखाते हैं, वैसे ही उन्हें ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षित रहना भी सिखाना होगा। यह निगरानी अविश्वास का प्रतीक नहीं है, बल्कि संरक्षण का आधुनिक रूप है, लेकिन तकनीक से भी बड़ा हथियार संवाद है। माता–पिता और बच्चों के बीच रोज़मर्रा की बातचीत, बिना स्क्रीन के साथ बिताया गया समय, उनके ऑनलाइन व्यवहार को समझने की ईमानदार कोशिश, यही वह भावनात्मक पुल है जो बच्चों को आभासी दुनिया में डूबने से बचाता है। यदि बच्चा अचानक चिड़चिड़ा हो जाए, नींद कम हो जाए, पढ़ाई या सामाजिक गतिविधियों से कटने लगे, तो इसे उम्र का असर कहकर नज़रअंदाज़ करना खतरनाक हो सकता है। यह मानसिक स्वास्थ्य संकट का शुरुआती संकेत भी हो सकता है और समय रहते मदद लेना शर्म नहीं, समझदारी है।

बिना निगरानी और सीमाओं के दिया गया मोबाइल बच्चों के हाथ में खिलौना नहीं, जोखिम का साधन बन सकता है। यहां मुद्दा डिजिटल हो चुकी दुनिया के साथ रफ्तार बनाए रखने का नहीं है, सवाल यह है कि क्या हम अपने बच्चों को इस दुनिया के लिए मानसिक, भावनात्मक और नैतिक रूप से तैयार कर रहे हैं?

सोशल फोरम

अरिजीत सिंह का संन्यास

डॉ. प्रकाश हिंदुस्तानी
ब्लॉगर

अरिजीत सिंह शानदार गायक और शानदार शख़्स हैं, वरना किसकी हिम्मत कि 39 की उम्र में एलान कर दिया कि अब फिल्मों में प्लेबैक सिंगिंग नहीं करूंगा। वह भी तब, जब वे अपने पार्श्वगायन में टॉप पर हैं। अरिजीत सिंह भारत के सबसे बड़े म्यूजिकल आइकन हैं और ग्लोबली स्पॉटिफाई पर दुनिया के सबसे ज़्यादा फॉलो किए जाने वाले आर्टिस्ट हैं। सबसे ज्यादा फॉलोअर्स 17 करोड़ 22 लाख से ज्यादा उन्हीं के हैं। लगातार सात साल (2019-2025) स्पॉटिफाई के सबसे ज्यादा स्ट्रीम्ड आर्टिस्ट रहे।

कामयाब तो बहुतेरे होते हैं, पर शिखर पर होते हुए शिखर को छोड़ने का एलान करने के लिए गहरी सोच, समझ, हिम्मत और तजुर्बा चाहिए। अरिजीत ने कहा है कि वे संगीत जगत में बने रहेंगे। गायन जारी रहेगा, केवल फिल्मों के लिए, किसी हीरो को अब अपनी आवाज़ नहीं देंगे। मुझे कुछ अलग म्यूजिक करना है, ताकि मैं जी सकूं। मैं कई दूसरे सिंगर्स को सुनना चाहता हूं, जो मुझे असली मोटिवेशन दें।

बलिहारी है अरिजीत।

अरिजीत ने साफ किया कि मैं बहुत जल्दी बोर हो जाता हूं... तो सच यही है कि मैं बोर हो गया था। मैं इंडियन क्लासिकल म्यूजिक में वापस जाना चाहता हूं। मैं अपनी खुद का म्यूजिक बनाना चाहता हूं और स्टार्ट अगेन चाहता हूं। अब अरिजीत लाइव कॉन्सर्ट्स, इंडिपेंडेंट म्यूजिक और अपने क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स पर फोकस करेंगे। उन्होंने ये भी क्लियर किया कि कुछ पुराने कमिटमेंट्स पूरे करेंगे, तो 2026 में कुछ रिलीज़ अभी भी हो सकती हैं। कई इसे उनकी सादगी और क्रिएटिव फ्रीडम की मिसाल मान रहे हैं। अरिजीत 36 साल से गा रहे हैं। केवल तीन साल की उम्र से उन्होंने गाना शुरू किया था। नौ साल की उम्र में उन्हें सरकार की तरफ से क्लासिकल वोकल्स के लिए स्कॉलरशिप भी मिली थी। उनकी मां तबला बजाती और गाती थीं, जिससे उनका संगीत का सफर शुरू हुआ।

2005 में फेम गुरुकुल में हिस्सा लिया, टॉप सिक्स तक पहुंचे, लेकिन ऑडियंस वोटिंग से बाहर हो गए। कई लोग यहीं रुक जाते, लेकिन अरिजीत ने हार नहीं मानी और मेहनत की। अरिजीत सिर्फ गायक नहीं, वो अच्छे तबला वादक हैं, गिटार और पियानो भी बजाते हैं और म्यूजिक प्रोडक्शन भी करते हैं। मल्टी-टैलेंटेड होना उनकी आवाज़ की गहराई का राज है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

दिव्यांगता और समावेशन का अधूरा सपना

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

भारत में दिव्यांग महिलाओं की स्थिति को केवल स्वास्थ्य, सहायता या कल्याण की समस्या के रूप में देखना एक गंभीर भूल होगी। यह मूलतः सत्ता, संसाधनों, अवसरों और निर्णय-प्रक्रियाओं तक असमान पहुंच की समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता के साथ जीवन जी रही है। भारत में जनगणना 2011 के अनुसार लगभग 2.7 करोड़ लोग दिव्यांग हैं, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं की है। इसके बावजूद नीति-निर्माण, योजनाओं और सामाजिक विमर्श में उनकी उपस्थिति अत्यंत सीमित बनी हुई है। वे सरकारी रिपोर्टों में दर्ज तो होती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बहुत कम दिखाई देती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (NFHS-5) और जनगणना के आंकड़े भी यह संकेत देते हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्रों में दिव्यांग महिलाओं की भागीदारी अभी भी बहुत कम है।

दिव्यांग महिला का जीवन तीन स्तरों पर नियंत्रित होता है घर, समाज और व्यवस्था। घर के भीतर पिता, भाई और पति स्वयं को 'संरक्षक' मानते हुए उसकी हर पसंद पर अधिकार जताते हैं। निर्णय-प्रक्रियाओं पर पुरुषों का वर्चस्व आज भी बना हुआ है। समाज उसे 'कमज़ोर' और 'निर्भर' मानकर हाशिये पर रख देता है और व्यवस्था उसे प्राथमिकता सूची के अंत में पहुंचा देती है। इन तीनों स्तरों पर पितृसत्तात्मक शक्ति-संबंध उसके जीवन की दिशा तय करते हैं।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़, एनसीपीईडीपी, यूएन वीमेन इंडिया और सामाजिक शोधकर्ता अनीता घई के अध्ययन बताते हैं कि कई परिवारों में बेटियों को चाहे वे दिव्यांग हों या न हों, आर्थिक निर्णयों और संपत्ति से जुड़े मामलों में पूरी भागीदारी नहीं मिलती, लेकिन जब बेटी दिव्यांग होती है, तो यह उपेक्षा और गहरी हो जाती है। उसे अक्सर 'दीर्घकालिक आश्रित' मान लिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह भविष्य में परिवार की आर्थिक ज़िम्मेदारी नहीं उठा पाएगी। इसी सोच के कारण उसकी शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्भरता पर पर्याप्त निवेश नहीं किया जाता। धीरे-धीरे उसे आर्थिक रूप से निर्भर बना दिया जाता है। विवाह को ही उसका 'सुरक्षित भविष्य' मान लिया जाता है और कई बार यह निर्णय उसकी इच्छा और सहमति के बिना होता है।

उसकी आवाजाही पर भी नियंत्रण रहता है। कहां जाएगी, किससे मिलेगी, कब बाहर निकलेगी? इन सब पर परिवार का अधिकार माना जाता है। 'इज़्ज़त', 'सुरक्षा' और 'देखभाल' के नाम पर यह नियंत्रण जीवनभर चलता रहता है। यह नियंत्रण उसके आत्मविश्वास और सामाजिक विकास को सीमित कर देता है। सवाल यह है, क्या हम सच में सुनते हैं कि वह क्या चाहती है?

यौनिक स्वायत्तता और प्रजनन अधिकार भी इसी नियंत्रण संरचना का हिस्सा बन जाते हैं। अनेक महिलाओं के लिए गर्भनिरोध, गर्भधारण या नसबंदी उनके स्वयं के निर्णय नहीं होते। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें बताती हैं कि कई मामलों में दिव्यांग महिलाओं को प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े फैसलों में स्वतंत्र भूमिका नहीं मिलती। डॉक्टर भी अक्सर महिला से सीधे बात करने के बजाय परिवार से संवाद करना अधिक सुरक्षित समझते हैं। यह स्थिति महिला की इच्छा, सहमति और गरिमा को कमजोर करती है।

हम अक्सर 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग ऐसे करते हैं, जैसे यह एक समान स्थिति हो, जबकि वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है। दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, बौद्धिक दिव्यांगता, मनोसामाजिक दिव्यांगता, ऑटिज़्म और सेरेब्रल पाल्सी से जुड़ी महिलाओं की ज़रूरतें, क्षमताएं और चुनौतियां अलग-अलग होती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

ऐसे हुई गर्म हवा के गुब्बारे की खोज

मानव की उड़ने की इच्छा जितनी पुरानी है, उतनी ही रोमांचक है गर्म हवा के गुब्बारे की कहानी। इस सपने को पहली बार वास्तविकता में बदलने का श्रेय 18 वीं शताब्दी के फ्रांस के दो भाइयों– जोसेफ और एटियेन मोंटगोल्फियर को जाता है। कागज बनाने के व्यवसाय से जुड़े ये भाई आकाश में उड़ते बादलों और धुएं को देखकर अक्सर सोचते थे कि क्या हवा की मदद से कोई वस्तु ऊपर उठ सकती है। एक दिन जोजेफ ने आग के ऊपर उठते धुएं को देखा और महसूस किया कि गर्म हवा में कोई "उठाने की शक्ति" है। इसी विचार ने उन्हें प्रयोग के लिए प्रेरित किया। 1783 में उन्होंने कागज और कपड़े से बना एक बड़ा थैला तैयार किया और उसके नीचे आग जलाकर उसमें गर्म हवा भरी। आश्चर्यजनक रूप से वह गुब्बारा ऊपर उठ गया। यह मानव इतिहास में पहली सफल गर्म हवा के गुब्बारे की उड़ान थी। बाद में, इसी वर्ष पेरिस में एक और ऐतिहासिक प्रयोग किया गया, जिसमें पहले जानवरों और फिर मनुष्यों को गुब्बारे में बैठाकर उड़ाया गया। यह घटना आधुनिक विमानन की नींव मानी जाती है।

इस आविष्कार के पीछे का विज्ञान सरल, लेकिन प्रभावशाली है। गर्म हवा ठंडी हवा की तुलना में हल्की होती है। जब गुब्बारे के अंदर की हवा गर्म की जाती है, तो उसका घनत्व कम हो जाता है। बाहर की ठंडी और भारी हवा गुब्बारे को ऊपर की ओर धकेलती है।यही सिद्धांत उत्थापन बल (Buoyancy) कहलाता है। जब तक गुब्बारे के अंदर की हवा आसपास की हवा से हल्की रहती है, तब तक गुब्बारा आकाश में तैरता रहता है। गर्म हवा का गुब्बारा केवल एक आविष्कार नहीं था, बल्कि यह मानव जिज्ञासा, प्रयोगशीलता और विज्ञान की शक्ति का प्रतीक बना। इसने यह सिद्ध कर दिया कि कल्पना और विज्ञान मिलकर असंभव को भी संभव बना सकते हैं।

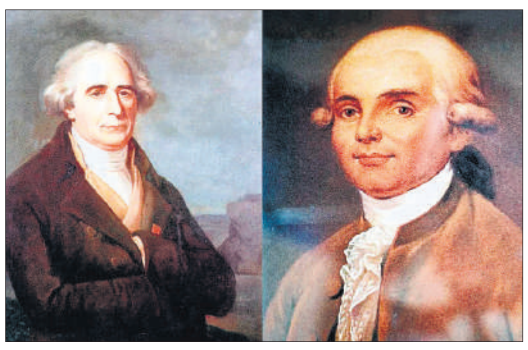

वैज्ञानिक के बारे में

जोसेफ और एटियेन मोंटगोल्फियर फ्रांस के अन्नोने (Annonay) नगर में जन्मे थे और एक कागज निर्माण करने वाले प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखते थे। जोसेफ–मिशेल (1740–1810) स्वभाव से कल्पनाशील, जिज्ञासु और प्रयोगप्रिय थे। उन्हें प्राकृतिक घटनाओं को देखकर नए विचार सूझते थे। इसके विपरीत जैक्स–एटियेन (1745–1799) अधिक व्यावहारिक, अनुशासित और व्यवस्थित व्यक्तित्व के थे। उन्होंने परिवार के व्यवसाय और सार्वजनिक संबंधों को संभाला।

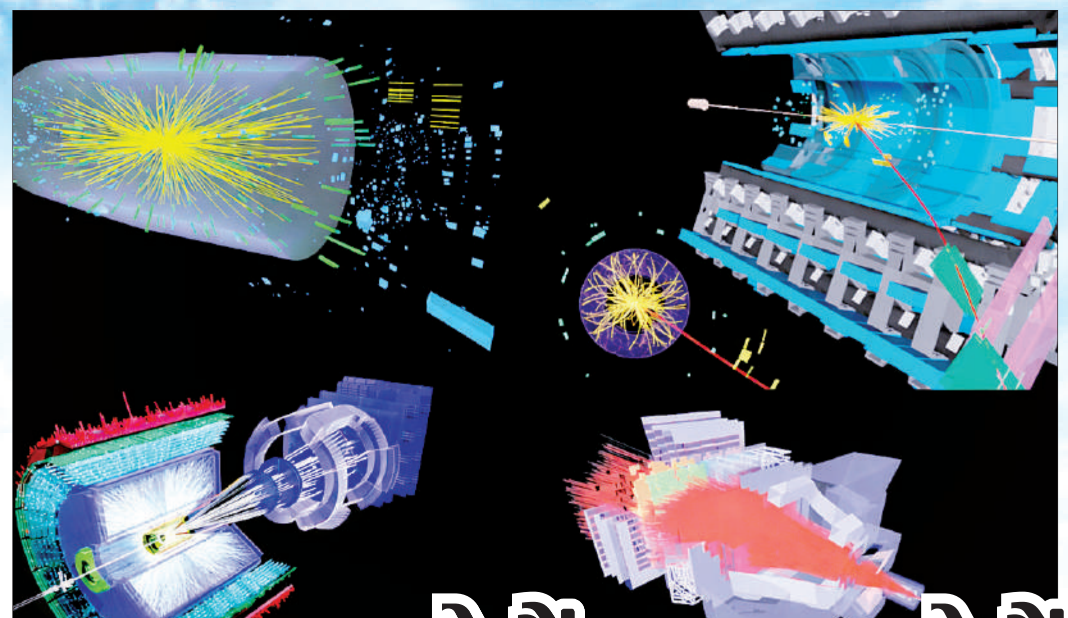

जब कण टकराते हैं तब खुलते हैं ब्रह्मांड के राज

हिग्स बोसोन की खोज लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (LHC) के पहले रन में दर्ज किए गए कोलिजन डेटा से संभव हुई थी, जो 2009 के अंत से 2012 के अंत तक चला। इस खोज ने स्टैंडर्ड मॉडल के अंतिम अधूरे हिस्से को पूरा किया, लेकिन साथ ही कई नए सवाल भी खड़े कर दिए। 2015 के बसंत में व्यापक मेंटेनेंस के बाद LHC को अधिक ऊर्जा पर दोबारा शुरू किया गया। दूसरा रन इस मायने में निर्णायक है कि वह हमें हिग्स बोसोन को गहराई से समझने और स्टैंडर्ड मॉडल से आगे की भौतिकी की खोज करने का अवसर देता है।

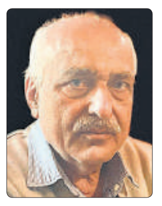

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

कोलिजन की क्वांटम प्रकृति

प्रोटॉन टकराव पूरी तरह प्रेडिक्टेबल नहीं होते। क्वांटम मैकेनिक्स के अनुसार, हर कोलिजन केवल संभावनाओं का समूह होता है। स्टैंडर्ड मॉडल यह बता सकता है कि औसतन कौन-सी प्रक्रिया कितनी बार होगी, लेकिन किसी एक टकराव का परिणाम पहले से तय नहीं किया जा सकता। इसलिए दुर्लभ प्रक्रियाओं को देखने के लिए बहुत अधिक संख्या में कोलिजन आवश्यक होते हैं। यह ठीक वैसा ही है जैसे पासे की निष्पक्षता जांचने के लिए उसे बार-बार फेंकना पड़ता है।

हिग्स बोसोन: डिके और मास मैकेनिज्म

हिग्स बोसोन का महत्व इस बात में है कि वही अन्य कणों को द्रव्यमान देता है। कोलिजन में बनने के तुरंत बाद हिग्स विभिन्न कणों में डिके (विघटन) हो जाता है। इसके डिके चैनलों की दरें संबंधित कणों के द्रव्यमान पर निर्भर करती हैं। अब तक हिग्स के फोटॉन, W और Z बोसोन में डिके स्पष्ट रूप से देखे जा चुके हैं, जबकि फर्मियॉन में मुख्यतः ताऊ लेप्टन और आंशिक रूप से बॉटम क्वार्क के प्रमाण मिले हैं। दूसरे रन का अधिक डेटा इन मापों को कहीं अधिक सटीक बना सकता है।

- **हिग्स की अन्य विशेषताएं-** दूसरे रन से हम यह भी जानना चाहेंगे कि हिग्स कितनी तेजी से डिके करता है, क्या वह वास्तव में एक फंडामेंटल कण है या उसके भीतर कोई सब-स्ट्रक्चर छिपा है और क्या हिग्स स्वयं से इंटरैक्ट करता है। हिग्स का self-interaction सीधे इस बात से जुड़ा है कि वह स्वयं अपना द्रव्यमान कैसे प्राप्त करता है। साथ ही यह संभावना भी खुली है कि एक से अधिक, भारी हिग्स बोसोन मौजूद हों।
- **उच्च ऊर्जा और नए कणों की संभावना-** दूसरे रन में टकराव की ऊर्जा पहले से अधिक है। इसका अर्थ है कि अब अधिक भारी और अब तक अनदेखे कण बनाए जा सकते हैं। उच्च ऊर्जा पर बेहतर रिजॉल्यूशन मिलता है, जिससे कणों और बलों को और बारीकी से समझा जा सकता है। यही कारण है कि भले ही स्टैंडर्ड मॉडल काफी सफल दिखता हो, वैज्ञानिक यह मानते हैं कि वह अंतिम सिद्धांत नहीं हो सकता।
- **स्टैंडर्ड मॉडल की सीमाएं-** स्टैंडर्ड मॉडल की सबसे बड़ी सीमा यह है कि उसमें गुरुत्वाकर्षण शामिल नहीं है। गुरुत्वाकर्षण को जनरल रिलेटिविटी समझाती है, जो क्वांटम सिद्धांत से अलग ढांचे में खड़ी है। इसके अलावा स्टैंडर्ड मॉडल में कई पैरामीटर और कण संरचनाएं मनमानी प्रतीत होती हैं, जैसे बोसॉन और फर्मियॉन का असंतुलन। ये संकेत देते हैं कि किसी अधिक व्यापक सिद्धांत की आवश्यकता है।
- **सुपरसिमेट्री: एक संभावित विस्तार-** स्टैंडर्ड मॉडल का एक लोकप्रिय विस्तार सुपरसिमेट्री है। यह प्रत्येक बोसोन के लिए एक फर्मियॉन पार्टनर और प्रत्येक फर्मियॉन के लिए एक बोसॉन पार्टनर प्रस्तावित करती है। इससे हिग्स, W और Z बोसोन के अपेक्षाकृत छोटे द्रव्यमान की व्याख्या संभव होती है। सुपरसिमेट्री कई नए कणों और अतिरिक्त हिग्स बोसोन की भविष्यवाणी करती है, जिनकी खोज दूसरे रन का एक बड़ा लक्ष्य है।

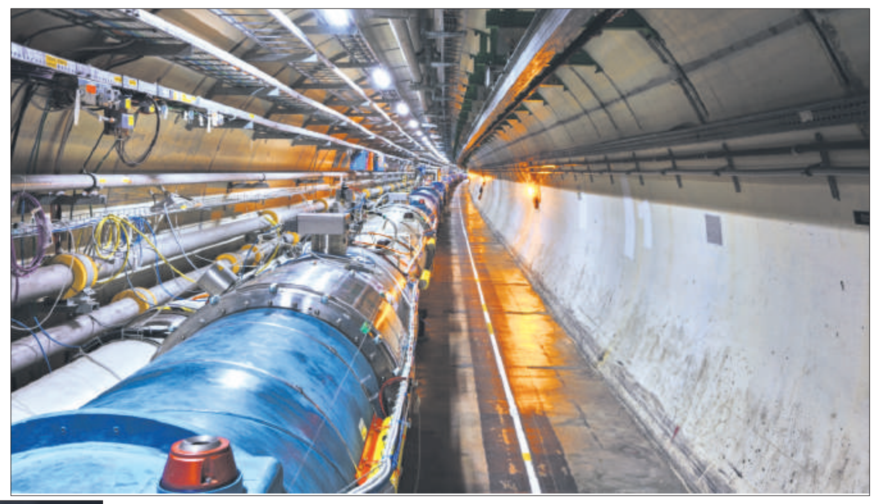

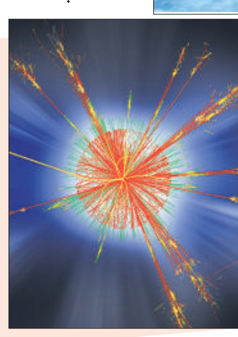

LHC के प्रमुख डिटेक्टर

LHC में चार मुख्य डिटेक्टर हैं। ATLAS और CMS जनरल–पर्पस डिटेक्टर हैं और इन्हीं ने हिग्स बोसोन की खोज की थी। ALICE को भारी आयनों के टकराव के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि क्वार्क–ग्लूऑन प्लाज्मा और शुरुआती ब्रह्मांड जैसी स्थितियों का अध्ययन हो सके। LHCb बॉटम क्वार्क के डिके का अध्ययन करता है, जो दुर्लभ प्रक्रियाओं और नई भौतिकी के संकेत दे सकते हैं।

मैटर-एंटीमैटर असमानता और डार्क मैटर

LHCb के प्रयोग CP–वायलेशन के अध्ययन के जरिए यह समझने की कोशिश करते हैं कि ब्रह्मांड में मैटर क्यों बचा और एंटीमैटर क्यों नहीं? दूसरी ओर, डार्क मैटर की समस्या भी स्टैंडर्ड मॉडल से बाहर जाती है। ब्रह्मांड के अधिकांश द्रव्यमान का निर्माण ऐसे कणों से हुआ है, जिन्हें हम अभी नहीं जानते। कई सिद्धांत मानते हैं कि डार्क मैटर कण हिग्स क्षेत्र से द्रव्यमान प्राप्त करते हैं, इसलिए हिग्स का विस्तृत अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आगे का रास्ता

LHC का दूसरा रन केवल पहले रन की पुष्टि नहीं है, बल्कि नई खोजों का द्वार है। चाहे वह हिग्स की गहरी समझ हो, सुपरसिमेट्री की खोज, डार्क मैटर के संकेत या मैटर–एंटीमैटर असमानता की व्याख्या– दूसरा रन हमें यह जानने के और करीब लाता है कि ब्रह्मांड किससे और कैसे बना है।

जंगल की दुनिया

ब्लू व्हिसलिंग थ्रश: पहाड़ों में बसा नीला सौंदर्य

ब्लू व्हिसलिंग थ्रश चंडीगढ़ क्षेत्र के जंगलों और वन इलाकों में पाया जाने वाला एक अत्यंत आम, लेकिन प्रभावशाली पक्षी है। सुबह और शाम के समय इसकी तेज, मानव जैसी सीटी या सीख जैसी आवाज दूर–दूर तक सुनाई देती है, जिससे यह अपनी उपस्थिति आसानी से दर्ज करा देता है। यद्यपि यह मूल रूप से एक पर्वतीय पक्षी है, लेकिन शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में बसे चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों का प्राकृतिक वातावरण इसके लिए अत्यंत अनुकूल है।

यह पक्षी गहरे नीले-काले रंग का होता है, जिसके सिर और शरीर पर चांदी जैसे नीले रंग की चमकदार धारियां दिखाई देती हैं। धूप पड़ने पर इसका रंग और भी अधिक चमकीला प्रतीत होता है। इसकी सबसे अलग पहचान इसकी चमकीली पीली चोंच है, जो इसके गहरे शरीर रंग के साथ तीव्र विरोधाभास बनाती है। ब्लू व्हिसलिंग थ्रश का आकार लगभग 31 से 35 सेंटीमीटर तक होता है और इसकी मजबूत काया इसे अन्य थ्रश प्रजातियों से अलग बनाती है।

अंतर्राज्यीय चंडीगढ़ क्षेत्र (आईएससीआर) में इसे बहुत आम पक्षी माना जाता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि यह क्षेत्र चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों से घिरा हुआ है और यहां घने वन, प्राकृतिक नाले, झीलें और हरित पट्टियां मौजूद हैं। सुखना वन अभ्यारण्य, सारंगपुर वनस्पति उद्यान, मोरनी हिल्स और कसौली क्षेत्र इस पक्षी के प्रमुख आवास माने जाते हैं। ब्लू व्हिसलिंग थ्रश का भोजन मुख्यतः कीड़े-मकोड़े, केंचुए, घोंघे, छोटे केकड़े और अन्य जलीय जीव होते हैं। इसे अक्सर पानी के किनारे चट्टानों पर उछलते-कूदते भोजन खोजते देखा जा सकता है। प्रजनन काल में यह चट्टानों की दरारों, नालों के पास या

पुराने ढांचों में घोंसला बनाता है। ब्लू व्हिसलिंग थ्रश न केवल चंडीगढ़ क्षेत्र की जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह स्वच्छ और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का भी संकेतक माना जाता है।

वैज्ञानिक फैक्ट

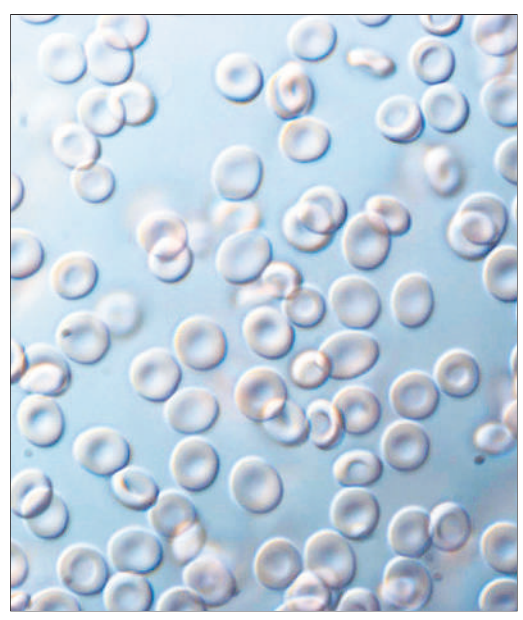

प्राकृतिक इंजीनियरिंग का अद्भुत चमत्कार

मानव शरीर प्राकृतिक इंजीनियरिंग का एक असाधारण नमूना है, जिसकी जटिलता और दक्षता आज भी वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित करती है। शरीर के विभिन्न तंत्र आपस में इस तरह जुड़े होते हैं कि जीवन बिना किसी व्यवधान के निरंतर चलता रहता है। इनमें परिसंचरण तंत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जो शरीर की हर कोशिका तक जीवनदायी तत्व पहुंचाने का कार्य करता है।

क्या आप जानते हैं कि एक रक्त कोशिका को पूरे शरीर का एक चक्कर लगाने में केवल लगभग 60 सेकंड का समय लगता है? यह अविश्वसनीय रूप से तेज यात्रा जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। रक्त कोशिकाएं फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के हर ऊतक तक पहुंचाती हैं और साथ ही पोषक तत्वों की आपूर्ति करती हैं। इसके विपरीत, वे कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इस तंत्र की कार्यक्षमता इस बात का प्रमाण है कि मानव शरीर स्वयं को संतुलित रखने और निरंतर कार्यशील बनाए रखने में कितना सक्षम है। हृदय का नियमित धड़कना, रक्त वाहिकाओं का जाल और कोशिकाओं का समन्वय ये सभी मिलकर जीवन की निरंतरता सुनिश्चित करते हैं। विज्ञान का संसार वास्तव में विशाल और चमत्कारों से भरा हुआ है। यह हमें न केवल प्रकृति और शरीर की जटिल संरचनाओं को समझने का अवसर देता है, बल्कि उनके प्रति सम्मान और जिज्ञासा भी जाग्रत करता है। मानव शरीर का अध्ययन हमें यह सिखाता है कि जीवन जितना सरल दिखाई देता है, वास्तव में उतना ही गहराई से संगठित और अद्भुत है।

एरीज के लिए खास मददगार साबित होगा अंतरिक्ष स्टेशन

पहले एस्ट्रोसेट और दूसरा आदित्य एल–1 के बाद इसरो की अंतरिक्ष में एक और लंबी छलांग की तैयारी है। इस सफलता के बाद भारत अमेरिका और चीन के समकक्ष खड़ा हो जाएगा। बात अगर उत्तराखंड की करें तो यहां नैनीताल में स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वैज्ञानिकों के लिए यह स्टेशन अंतरिक्ष के अध्ययनों में काफी मददगार साबित होगा। तकनीकी रूप से यह उन्नत होगा। इस अंतरिक्ष मिशन से जुटाए जाने वाले आंकड़े एरीज के वैज्ञानिकों के लिए बेहद मददगार साबित होंगे और एरीज के लिए यह दोहरा लाभ देने वाला मिशन साबित होगा।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

अंतरिक्ष स्टेशन अत्याधुनिक तकनीक व अत्यंत सुविधाजनक है, जो पृथ्वी की ऑर्बिट से अंतरिक्ष को चारों ओर से देख सकता है। वर्ष 2028 में प्रस्तावित यह परियोजना देश के पास चलती-फिरती प्रयोगशाला होगी, जो जमीनी दूरबीनों की तुलना में कहीं अधिक कारगर होगी। इस प्रयोगशाला के जरिए चांद, तारे, ग्रह, नक्षत्रों और सुदूर अंतरिक्ष में किसी भी दिशा को देखा जा सकता है और सटीक आंकड़े जुटाए जा सकते हैं।

एरीज सौर अध्ययन के साथ अंतरिक्ष मौसम का महत्वपूर्ण अध्ययन करता है। एरीज की वेदशाला में स्थापित सोलर टेलीस्कोप सूर्य और सोलर फ्लेयर्स पर नजर रखती है। अंतरिक्ष स्टेशन से मिले रियल टाइम डाटा से एरीज के अध्ययन में मदद मिल सकेगी। इसके अलावा एरीज की देव स्थल स्थित 3.6 मीटर की ऑप्टिकल दूरबीन है। इसके जरिए अंतरिक्ष से जुटाया गए आंकड़ों का मिलान

अंतरिक्ष स्टेशन से प्राप्त आंकड़ों से किया जा सकेगा। माइक्रोग्रैविटी में किए गए प्रयोगों के नतीजे खगोल विज्ञान, कॉस्मिक रेडिएशन और एटमॉस्फेरिक स्टडीज में मदद मिलेगी।

यह सभी एरीज के रिसर्च से जुड़े हुए महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र हैं। इसके अलावा एरीज हिमालय के वातावरण पर काम करता है, जिसे लेकर एरीज में एसटी रडार स्थापित किया गया है। अंतरिक्ष स्टेशन का एक महत्वपूर्ण कार्य जलवायु समेत हमारी वायुमंडलीय स्थिति में नजर रखना होगा लिहाजा अंतरिक्ष स्टेशन से जुटाए आंकड़ों से एरीज के वैज्ञानिकों के लिए शोध व अन्य अध्ययनों में आसानी हो जाएगी। कुल मिलाकर भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन न केवल एरीज, बल्कि देश के तमाम अंतरिक्ष और जलवायु पर अध्ययन करने वाली संस्थाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि इसमें दोराय नहीं है कि देश अंतरिक्ष के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है और अभी तक विश्व में अलग पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। अंतरिक्ष स्टेशन बेहद महत्वपूर्ण मिशन है और किसी भी देश का अंतरिक्ष से खुद के अध्ययन का सपना सच हो सकता है और इसरो भारतीय वैज्ञानिकों का यह साकार करने जा रहा है। इस मिशन की सफलता से वैज्ञानिक नभ, जल और थल पर अध्ययन कर सकेंगे। अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में यूएस का इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन और चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है और अब भारत अंतरिक्ष स्टेशन वाला तीसरा देश बन जाएगा।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चून 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, मृणाली 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, पक्की टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560
किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायन 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सौंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100
चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150, लाडली 4100
दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9700, अरहर कोरा मोटा 10000, अरहर पटका छोटा 11500-12200, अरहर कोरी छोटी 13400
चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4200, मसूरी- 1600, बासमती- 8200-9400, परमल- 3000-3500
दाल दलहन : काला चना- 3200-4500, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 5800, राजमा- 9400-11300, दाल उड़द- 7400, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 1100, उड़द साबुत- 10200, काबुली चना- 8300-10600, अरहर दाल- 10200 -11200, लोबिया/करमानी- 3000-4400

अगले महीने से लागू हो सकता है भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

केंद्रीय मंत्री बोले- अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर और भारत अमेरिका से आयातित कुछ वस्तुओं पर शुल्क करेगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत-अमेरिका मार्च के मध्य तक समझौते पर कर सकते हैं हस्ताक्षर
- बीटीए का पहला चरण तैयार, संयुक्त बयान के बाद होगा शुरू

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका मार्च के मध्य तक बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके बाद अमेरिका, भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क कम कर देगा। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद भी भारत अमेरिका से आयातित कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करना शुरू करेगा। संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर ऑनलाइन माध्यम से किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर एक संयुक्त बयान को चार से पांच दिन में अंतिम रूप देने और उस पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद अमेरिका द्वारा लगाया गया शुल्क घटकर 18 प्रतिशत होगा। दोनों देशों ने इस सप्ताह की शुरुआत में समझौते को अंतिम रूप दिया। इसके तहत अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण लगभग तैयार है और हमें उम्मीद है कि अगले चार से पांच दिन में हम अमेरिका तथा भारत के बीच एक संयुक्त बयान को अंतिम रूप देकर उस पर हस्ताक्षर कर देंगे। इसके आधार पर इस साझेदारी का पहला चरण शुरू होगा। गोयल ने कहा कि औपचारिक समझौते का मसौदा तैयार हो रहा है, जिसमें एक या डेढ़ महीने लग सकता है। संभवतः औपचारिक समझौते पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर हो जाएंगे। भारतीय वस्तुओं पर कम किए गए 18% शुल्क अमेरिका के कार्यकारी आदेश से लागू होंगे, जो संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर के एक या दो दिन बाद जारी होगा। गोयल ने बताया कि इस समझौते में किसी भी प्रकार के निवेश की प्रतिबद्धता नहीं है।

देश को ऊर्जा, डेटा सेंटर उपकरण और आईसीटी उत्पादों की आवश्यकता

गोयल ने कहा कि हम इन सभी चीजों को तेजी से आगे बढ़ा पाएंगे क्योंकि कानूनी समझौते के बाद हमें और भी रियायतें मिलेंगी। सौदे के 500 अरब अमेरिकी डॉलर के खरीद वाले हिस्से के बारे में मंत्री ने कहा कि भारत जिस तेजी से विकास कर रहा है, उसे देखते हुए देश को बड़ी मात्रा में ऊर्जा, डेटा सेंटर उपकरण और आईसीटी उत्पादों की आवश्यकता होगी। हमारी इस्पात उत्पादन क्षमता वर्तमान के 14 करोड़ टन से बढ़कर कुछ वर्ष में 30 करोड़ टन हो जाएगी। इसलिए, जब हमने अमेरिका से अपनी आवश्यकताओं का अनुमान लगाया तो हम 500 अरब डॉलर के आंकड़े पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारत की विमानों की मांग, बोइंग को दिए गए और अभी दिए जाने वाले लेकिन तैयार ऑर्डर की संख्या 70-80 अरब डॉलर है। अगर इसमें इंजन और अन्य कलपुर्जे भी जोड़े जाएं तो लागत शायद 100 अरब डॉलर पहुंच जाएगी।

भारतीय शुल्क में कमी कानूनी समझौते के बाद ही संभव : वाणिज्य सचिव

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि इस कानूनी समझौते से हमें अमेरिकी सामान पर शुल्क कम करने का अधिकार मिलेगा। अग्रवाल ने कहा कि भारतीय शुल्क में कमी केवल एक कानूनी समझौते के बाद ही संभव होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय शुल्क, एमएफएन (सबसे तरजीही राष्ट्र) शुल्क हैं जबकि अमेरिकी आयात शुल्क, कार्यकारी शुल्क है। अमेरिका- तेल, एलपीजी, एलएनजी, विमान, आईसीटी उत्पाद, लैपटॉप, स्मार्टफोन और डेटा सेंटर उपकरण जैसी सभी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है, जिन्हें भारत अन्य देशों से खरीद रहा है। अग्रवाल ने कहा कि पांच वर्षों में ये खरीद 2,000 अरब डॉलर की होने वाली है। अगर हम अमेरिका से 500 अरब डॉलर की खरीद कर लेते हैं तो इससे हमारी आपूर्ति शृंखला में विविधता और मजबूती ही बढ़ेगी।

ऊर्जा गलियारा वार्ता में भारत की वृद्धि आधारित प्राथमिकताओं पर जोर

ह्यूस्टन। कौंसुल जनरल डीसी मंजुनाथ ने कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की महत्वाकांक्षा दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी है। भरोसेमंद एवं किफायती ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ स्वच्छ प्रौद्योगिकियों तथा नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी उद्योग के साथ संवाद और सहयोग अहम है। ह्यूस्टन स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास (सीजीआई) ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के सहयोग से ग्लोबल एनर्जी आउटलुक 2026 पर 4 फरवरी को उच्चस्तरीय अमेरिका-भारत ऊर्जा गोलमेज बैठक की। इसमें वैश्विक ऊर्जा, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी कंपनियों के 30 से अधिक अधिकारी शामिल हुए। इनमें एक्सॉनमोबिल, शेवरॉन, हनीवेल, गेल, लार्सन एंड टुब्रो, वेदरफोर्ड, लैंजाटेक, एसएंडपी ग्लोबल, मैकिन्से और सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम इंजीनियर्स के प्रतिनिधि शामिल थे।

500 अरब डॉलर के लक्ष्य के लिए अमेरिका से निर्यात में करनी होगी वृद्धि

मंत्री ने कहा कि बजट में डेटा केंद्रों के लिए भारी रियायतों की घोषणा की गई है। अगर हमें डेटा केंद्रों में 100-150 अरब डॉलर का निवेश मिलता है तो हमें उन केंद्रों के लिए उपकरणों की जरूरत होगी। फरवरी, 2025 में दोनों देशों के बीच तय 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत को निश्चित रूप से अमेरिका से निर्यात और खरीद में काफी वृद्धि करनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए इस समझौते के तहत जिन वस्तुओं को खरीदने का वादा किया है उनकी वर्तमान वैश्विक खरीद 300 अरब डॉलर से अधिक है।

भारत-जीसीसी ने एफटीए वार्ता के नियम-शर्तों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और पश्चिमी एशियाई देशों के समूह खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर गुरुवार को हस्ताक्षर किए। नियम एवं शर्तों में प्रस्तावित व्यापार समझौते का दायरा और तौर-तरीके बताए गए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीसीसी के साथ बातचीत को लेकर नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की। जीसीसी, खाड़ी क्षेत्र के छह देशों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन का समूह है। गोयल ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि एक करोड़ भारतीय जीसीसी क्षेत्र में रह और काम कर रहे हैं। यह अत्यंत उचित है कि अब हम एक अधिक मजबूत और सुदृढ़ व्यापारिक व्यवस्था में प्रवेश करें जो वस्तुओं एवं सेवाओं के अधिक मुक्त प्रवाह को सक्षम बनाएगी, नीति में पूर्वानुमान तथा स्थिरता लाएगी और अधिक निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के साथ जीसीसी देशों की खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा को भी बढ़ावा देगा। भारत विश्व में अनाज का एक प्रमुख उत्पादक है जबकि जीसीसी देश तेल एवं गैस के निर्यातक हैं।

भारत ने 2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र नियमित बजट में 3.52 करोड़ डॉलर का दिया योगदान

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- समय पर अपना पूरा बकाया जमा कराने वाले 47 सदस्य देशों की ऑनर रोल सूची में शामिल हुआ भारत

भारत ने वर्ष 2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 3.52 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया है। इससे वह उन 47 सदस्य देशों की ऑनर रोल सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने समय पर अपना पूरा बकाया जमा कराया है। संयुक्त राष्ट्र योगदान समिति के अनुसार, तीन फरवरी 2026 तक 47 सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र के वित्तीय नियमों के तहत निर्धारित 30 दिन की अवधि के भीतर अपना पूरा नियमित बजट योगदान अदा कर दिया है। भारत ने तीन फरवरी को 2026 के संयुक्त राष्ट्र नियमित बजट के लिए 3.52 करोड़ डॉलर का भुगतान किया।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने ऑनर रोल में शामिल देशों का जिक्र करते हुए भारत का नाम लिया। उन्होंने कहा कि यह वह देश है जहां दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। हां, बिल्कुल सही.. भारत। भारत लगातार उन देशों में शामिल रहा है जो संयुक्त राष्ट्र को अपना योगदान समय पर और पूर्ण रूप से अदा करते हैं।

नये आयकर अधिनियम के फॉर्म, नियम इसी महीने होंगे अधिसूचित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीबीडीटी प्रमुख बोले- साथ ही अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची भी की जाएगी जारी

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर अधिनियम, 2025 के अप्रैल से लागू होने से पहले फरवरी में जरूरी फॉर्म और नियम अधिसूचित किए जाएंगे। इसके साथ ही अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची भी जारी की जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि एक फरवरी को पेश बजट में पेनाल्टी को शुल्क में बदलने, कार्यवाही को अतिरिक्त कर का भुगतान कर समाप्त करने की सुविधा, शेयर पुनर्खरीद के मामले में कर को युक्तिसंगत बनाने और टीसीएस (स्रोत पर कर संग्रह) में कमी जैसे उपाय करदाताओं के लिए चीजों को सुगम बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर जो प्रस्ताव बजट में किए गए हैं, वे वास्तव में कानून को सरल बनाने और करदाताओं के लिए इसे आसान बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का ही एक हिस्सा हैं। सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि हम फरवरी में नए आयकर फॉर्म और नियम जारी कर देंगे। नए आयकर अधिनियम, 2025 के एक अप्रैल, 2026 से लागू होने से पहले संबंधित पक्षों से इस पर सुझाव लिया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि सीबीडीटी नए कानून पर बार-बार पूछे जाने वाले सवाल (एफएक्यू) और एक प्रस्तुति तैयार करने पर भी काम कर रहा है। यह नए अधिनियम के लागू होने के साथ जनता के लिए उपलब्ध होगी ताकि उन्हें चीजों को समझने में आसानी हो।

मुकदमेबाजी की समस्या का भी होगा समाधान

सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि पिछले साल पूरा जोर (आयकर अधिनियम की) भाषा को सरल बनाने पर था और नए कानून को इस तरह से लाने पर था कि करदाता इसे आसानी से पढ़ और समझ सकें। इस प्रक्रिया के माध्यम से हम यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि चीजों की कई तरह से व्याख्या न हो। इससे परोक्ष रूप से मुकदमेबाजी की समस्या का भी समाधान होगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए उस समय प्रक्रियाओं में बदलाव करने का प्रयास नहीं किया गया था लेकिन हमेशा यही मत था कि हम आगे प्रक्रियाओं पर इस तरह से विचार करेंगे जिससे चीजों में और स्पष्टता आए। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू होने से पहले, इस दिशा में दूसरा कदम (बजट में) उठाया गया है।

राष्ट्रीय

सुपरटेक की 16 परियोजनाएं पूरा करे एनबीसीसी

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण के आदेश को रखा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

- अधिकरणों और उच्च न्यायालयों से कहा- ऐसा आदेश न दें, जिससे एनबीसीसी के निर्माण काम रुकें

एक दशक से अपने घर की बाट जोह रहे हजारों खरीदारों को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) के उस आदेश को गुरुवार को बरकरार रखा, जिसमें सरकारी स्वामित्व वाली एनबीसीसी को कर्ज में डूबी रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक लिमिटेड की 16 आवासीय परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने सभी अधिकरणों और उच्च न्यायालयों को यह आदेश दिया है कि वे ऐसा कोई भी आदेश न दें, जिससे एनबीसीसी कंपनी के निर्माण काम रुक जाएं।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अपनी असाधारण शक्ति का प्रयोग करते हुए एनसीएलएटी के 12 दिसंबर, 2024 के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एनबीसीसी को घर खरीदारों के हित में परियोजनाओं को अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा कि कई घर खरीदारों के अनुसार, सुपरटेक ने 2010-12 के दौरान 51,000 घरों की बुकिंग की थी। प्रधान न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि कर्ज में डूबी रियल एस्टेट कंपनी के वित्तीय और परिचालन लेनदारों के ब्याज और बकाया का निपटारा तब ही किया जा सकता है जब घर खरीदारों को पूरी तरह से तैयार मकान सौंप दिए जाएं। पीठ ने कहा कि मकानों में पानी, बिजली, सीवेज कनेक्शन जैसी सभी सुनिश्चित सुविधाएं होनी चाहिए, साथ ही आस-पास सड़कें और पार्क भी होने चाहिए। सुपरटेक के वित्तीय और परिचालन लेनदारों को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) और एनसीएलएटी द्वारा न्यायसंगत पाए गए नुकसान को स्वीकार करना होगा। पीठ ने निर्देश दिया कि एनबीसीसी परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करे और एनसीएलएटी द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति उसे आवश्यक सहयोग प्रदान करे। पीठ ने कहा कि यदि परियोजनाओं में कोई बाधा आती है, तो संबंधित पक्ष उच्चतम न्यायालय में अपील कर सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने 21 फरवरी 2025 को सुपरटेक की 16 आवासीय परियोजनाओं को लगभग 9,500 करोड़ रुपये की लागत पर पूरा करने के लिए एनबीसीसी को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त करने के आदेश पर रोक लगाई थी।

आदेश में संशोधन, अनुराग बीसीसीआई की गतिविधियों में भाग लेने को स्वतंत्र

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को गुरुवार को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने जनवरी 2017 के उस आदेश में संशोधन किया, जिसमें उन्हें बोर्ड के मामलों से प्रतिबंधित किया गया था। साथ ही न्यायालय ने बोर्ड के साथ उनके जुड़ाव के लिए रास्ता साफ कर दिया। न्यायालय ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर, नियमों और विनियमों के अनुरूप बीसीसीआई से संबंधित मामलों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं। शीर्ष अदालत ने दो जनवरी, 2017 को बीसीसीआई के तत्कालीन अध्यक्ष ठाकुर को निर्देश दिया था कि वह तुरंत बोर्ड के कामकाज से खुद को अलग कर लें और उससे संबंध न रखें। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 2017 के आदेश में संशोधन संबंधी ठाकुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करते हुए गुरुवार को संबंधित आदेश में संशोधन किया।

मुफ्त उपहार के चुनावी वादों के खिलाफ याचिका पर होगी सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने अतार्किक मुफ्त उपहार की चुनावी घोषणा या वादा करने वाली किसी राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त करने अथवा उसका पंजीकरण रद्द करने के निर्देश संबंधी जनहित याचिका को सुनवाई के लिए मार्च में सूचीबद्ध करने पर गुरुवार को सहमति जताई। याचिकाकर्ता वकील अश्विनी उपाध्याय ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को बताया कि उनकी याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग को 2022 में ही नोटिस जारी किए गए थे और उन्होंने न्यायालय से मामले को जल्द सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। वकील ने कहा कि सूरज और चांद को छोड़कर चुनाव के दौरान राजनीतिक दल मतदाताओं से हर चीज का वादा करते हैं और यह भ्रष्टाचार का उदाहरण है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा है। कृपया हमें याद दिलाएं और अंत में इसका विशेष उल्लेख करें। हम इसे मार्च में सूचीबद्ध करेंगे।

बच्चों को दूषित रक्त चढ़ाने में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस को पश्चिम सिंहभूम जिले के चाईबासा में बच्चों को कथित दूषित रक्त चढ़ाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की अदालत दीपक हेमब्रम नाम के व्यक्ति द्वारा दायर आपराधिक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। हेमब्रम ने याचिका में दावा किया कि उनके तमाम प्रयासों के बावजूद पुलिस ने कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की।

हाईकोर्ट ने चाईबासा के सदर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को प्राथमिकी दर्ज करने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इससे पहले, अदालत की खंडपीठ ने रक्त आधान के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का पालन न करने के लिए राज्य सरकार को फटकार लगाई थी, जिसके कारण कथित तौर पर झारखंड में पांच बच्चों में एचआईवी संक्रमण हुआ था। मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका पर सुनवाई की।

भूमि देने में आपत्ति नहीं पर बीएसएफ अधिकार क्षेत्र नियम वापस लें केंद्र : ममता

कोलकाता, एजेंसी

- राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बनर्जी ने केंद्र सरकार के आरोपों को किया खारिज

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भूमि देने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन केंद्र को पहले राज्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकार क्षेत्र को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के मनमाने फैसले को रद्द करना होगा। राज्यपाल के अभिभाषण पर विधानसभा में चर्चा के दौरान बनर्जी ने केंद्र व भाजपा द्वारा राज्य सरकार पर सीमा बाड़ लगाने में बाधा डालने के आरोपों को खारिज किया।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ सहित सभी केंद्रीय एजेंसियों को पहले ही भूमि आवंटित की जा चुकी है। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा, ''''भूमि कोई समस्या नहीं होगी। आपको भूमि मिल जाएगी, लेकिन पहले बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के मनमाने नियम को बदलें। बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पूरा आंकड़ा नहीं दे रहे हैं कि राज्य ने कितनी जमीन पहले आवंटित की है। रेलवे से लेकर रक्षा प्रतिष्ठानों तक सभी केंद्रीय एजेंसियों को भूमि दी जा चुकी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पलटवार किया कि घुसपैठ से बंगाल में जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहा है और दावा किया कि केंद्र ने बाड़ लगाने को कई बार जमीन मांगी, लेकिन वह उपलब्ध नहीं कराई गई। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने कई गृह मंत्री देखे हैं और उन्हें शासन का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है।

वांगचुक की हिरासत पर पुनर्विचार करे केंद्र सरकार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किया गया अंतरिम बजट जनहितैषी है और यह वित्तीय अनुशासन को दर्शाता है। बनर्जी ने केंद्रीय बजट की आलोचना करते हुए कहा कि बंगाल के बजट की तुलना में केंद्र सरकार का बजट दिशाहीन और सिद्धांतविहीन है। मुख्यमंत्री ने बजट के बाद कहा कि केंद्र द्वारा लगातार वित्तीय अभाव के बावजूद राज्य सरकार ने आम लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल ने सामाजिक कल्याण के उपायों का विस्तार जारी रखते हुए अपने वित्त का विवेकपूर्ण प्रबंधन किया है।

विस में पेश हुआ 4.06 लाख करोड़ का बजट

बंगाल सरकार ने विधानसभा में 2026-27 के लिए 4.06 लाख करोड़ का अंतरिम बजट बृहस्पतिवार को पेश किया। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं, युवाओं एवं अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को लक्षित करते हुए नकद सहायता एवं भत्ते में वृद्धि के प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। राज्य की आधी आबादी महिलाओं की है, जो चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की सबसे भरोसेमंद वोट बैंक बनकर उभरी हैं। इन महिलाओं के लिए राज्य सरकार ने इस साल फरवरी से लक्ष्मीर भंडार योजना में मासिक अनुदान में 500 रुपये की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है।

न्यायाधीशों की नियुक्तियों से जुड़ी एमओपी में संशोधन पर विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

- विधि एवं न्याय राज्य मंत्री मेघवाल बोले एनजेएसी विधेयक संसद में हुआ था पारित उच्चतम न्यायालय ने इसे किया निरस्त

सरकार ने राज्यसभा को बताया कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति से जुड़ी ज्ञापन प्रक्रिया (मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर ... एमओपी) को संशोधित करने की प्रक्रिया पर विचार जारी है और इसके पूरा होने के बाद ही आगे के कदम उठाए जाएंगे। विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल गुरुवार को उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की स्थापना करने और इसके स्वरूप को लेकर भी परामर्श जारी है।

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने पूरक प्रश्न के तहत जानना चाहा कि क्या सरकार न्यायिक सुधार ला रही है और क्या राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को फिर से लाया जाएगा? इस पर मेघवाल ने कहा कि सभी जानते हैं कि एनजेएसी विधेयक संसद द्वारा पारित किया गया था, लेकिन बाद में इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई और इसे निरस्त कर दिया गया। मेघवाल ने सदन को बताया कि इसके बाद एमओपी को संशोधित करने की प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है और यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही अगला कदम उठाया जाएगा। देश में राष्ट्रीय न्यायिक सेवा शुरू किए जाने से संबंधित अन्य प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 312 में अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का प्रावधान है और इस मुद्दे पर न्यायाधीशों के सम्मेलनों में भी कई बार चर्चा हो चुकी है। यह मुद्दा उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित है। इसे किस स्वरूप में लाया जाए, इस पर परामर्श चल रहा है। यह मामला विचाराधीन है। विधि मंत्री ने कहा कि हमारे लोकतंत्र में न्यायपालिका शासन व्यवस्था का एक स्वतंत्र अंग है और सभी मुद्दों से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हम न्यायपालिका के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि न्यायाधीशों को ऐसा अनुकूल वातावरण मिले, जिससे वे जनता को न्याय प्रदान कर सकें।

मंत्री ने कहा कि लंबित मामलों का निपटारा करना न्यायपालिका का अधिकार क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निचली अदालतों की संख्या बढ़ाने में सहायता की है। मेघवाल ने बताया कि 2014 में जिला एवं सत्र अदालतों में न्यायाधीशों की कुल स्वीकृत संख्या 19,518 थी और इसके बाद हमने 6,376 पद जोड़े।

इंदौर शासकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र की आत्महत्या, परिजनों का रैगिंग का आरोप

इंदौर (मप्र)। इंदौर के शासकीय महाविद्यालय के छात्रावास में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र की खुदकुशी के बाद उसके परिजनों ने गुरुवार को आरोप लगाया कि संस्थान में उसकी रैगिंग की जाती थी और उसे परेशान किया जाता था। छात्र के परिजनों ने उसकी मौत के मामले की विस्तृत जांच की मांग की है। पुलिस के मुताबिक शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र अंतरिक्ष अग्रवाल (20) का शव दो फरवरी को संस्थान के छात्रावास में उसके कमरे में पंखे से बंधे फंदे से लटका मिला था। अंतरिक्ष के पिता पंकज अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय में रैगिंग और बुलिंग (परेशान किए जाने) के बाद मेरा बेटा अंदर से टूट गया था। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) तुषार सिंह परिजनों ने रैगिंग और बुलिंग को लेकर शिकायत नहीं की थी।

कुकी संगठनों ने समुदाय के विधायकों को मणिपुर में सरकार गठन से दूरी बनाए रखने को कहा

इंफाल। मणिपुर के कई कुकी संगठनों ने अपने समुदाय के विधायकों को राज्य में सरकार गठन की प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेने की चेतावनी दी है। साथ ही चुराचांदपुर में पूर्ण बंद और कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान भी किया गया है। भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने यह पदभार भाजपा नेता एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के एक वर्ष बाद संभाला। राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच महीनों तक चली जातीय हिंसा के बाद राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली भाजपा विधायक नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट विधायक एल. दिखो ने मणिपुर के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंकाई मछुआरों पर हमले के आरोपों को भारत ने खारिज किया

कोलंबो। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को भारतीय तटरक्षक बल की ओर से श्रीलंकाई मछुआरों के एक समूह पर हमलों का खंडन किया। भारतीय उच्चायोग ने कहा, हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि भारतीय नौसेना या भारतीय तटरक्षक बल के किसी भी कर्मी ने ऐसा कोई हमला नहीं किया था। कहा गया है, भारत ने लगातार यह बात कही है कि मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। श्रीलंका के मत्स्य पालन मंत्री रामलिंगम चंद्रशेखरन ने दो फरवरी को कहा था कि इस घटना को लेकर भारत सरकार के समक्ष विरोध दर्ज कराया जाएगा।

नाइजीरिया में इस्लामिक आतंकियों के हमले में 162 की मौत

सोकोतो। पश्चिमी नाइजीरिया के दो गांवों पर हथियारबंद चरमपंथियों के हमले में 162 लोग मारे गए। क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद मोहम्मद उमर बायो ने बताया कि मंगलवार शाम को क्वारा राज्य के वोरो और नुकु गांवों को निशाना बनाकर हमले किए गए। यह हमला नाइजीरिया में हाल के महीनों में हथियारबंद चरमपंथियों के सबसे घातक हमलों में से एक है। बायो ने कहा कि ये हमले इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकवादी संगठन लकुरावा द्वारा किए गए हैं। हालांकि इन हमलों की जिम्मेदारी अब तक किसी ने नहीं ली है। क्वारा राज्य में रेड क्रॉस के सचिव अयोदेजी इमैनुअल बाबाओमो ने कहा कि संगठन उन सुदूर स्थानों पर पहुंचने में असमर्थ रहा है जहां कई लोग मारे गए।

अमेरिका के हमले की वेनेजुएला ने शुरू कराई जांच

काराकास। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैद्रीनो लोपेज ने कहा है कि प्रशासन अमेरिका के तीन जनवरी के सैन्य अभियान से जुड़े घटनाक्रम की जांच कर रहा है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया था। लोपेज ने अपने बयान में यह स्पष्ट नहीं किया कि यह जांच किस तरह या किस स्तर की है, हालांकि इशारा किया कि इस जांच से देश को सेना की बदलाव योजना को समझने, उसका आंकलन करने और उसमें जरूरी सुधार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सैन्य अभियान में बेहद उच्च गुणवत्ता की तकनीक का इस्तेमाल हुआ था।

पांच तेजस भारतीय वायुसेना को सौंपे जाने के लिए तैयार

- एचएएल ने कहा- नौ और विमान बन चुके, इंजन मिलने का इंतजार

नई दिल्ली। सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बृहस्पतिवार को कहा कि पांच तेजस हल्के लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना को सौंपने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रक्षा मंत्रालय ने फरवरी 2021 में वायु सेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान खरीदने के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का करार किया था। हालांकि जीई एयरोस्पेस से इंजन की आपूर्ति न होने की वजह से इन लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में देरी हो रही है।

एचएएल की प्रवक्ता ने बताया, पांच विमान आपूर्ति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जिनमें अनुबंधित विशिष्टताओं के अनुसार प्रमुख क्षमताएं शामिल हैं। उन्होंने बताया, नौ अतिरिक्त विमान पहले ही बनकर तैयार हो चुके हैं और उनका परीक्षण भी हो चुका है। जीई से इंजन मिलते ही ये आपूर्ति के लिए तैयार हो जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि डिजाइन और विकास संबंधी सभी समस्याओं का तेजी से समाधान किया जा रहा है। तेजस एकल इंजन वाला बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है जो उच्च खतरे वाले हवाई वातावरण में अपने मिशन को अंजाम देने में सक्षम है।

मोबाइल में छिपा जानलेवा खतरा

ऑनलाइन गेम के टास्क

गाजियाबाद में तीन बहनों के नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने की घटना ने टास्क बेस्ड ऑनलाइन के खतरों को एक बार फिर उजागर किया है। हर फोन में छिपे इस खतरे की शुरुआत 1970 के दशक में पैकेट आधारित कंप्यूटर नेटवर्किंग से हुई थी। 1978 में रॉय टुबशॉ और रिचर्ड बार्टल ने दुनिया का पहला टेक्स्ट आधारित मल्टीप्लेयर एडवेंचर गेम बनाया जिसमें खिलाड़ी टास्क पूरे करते हुए एक काल्पनिक दुनिया में रहते थे। इंटरनेट आने के बाद 1993 में टास्क बेस्ड गेम्स का तेज विकास शुरू हुआ। 1997 में अल्टिमा ऑनलाइन और 1999 में एवरक्वेस्ट जैसे गेम्स ने जैसे आधुनिक टास्क बेस्ड फॉर्मेट को लोकप्रिय बनाया। एप्पल के एप स्टोर और गूगल प्ले स्टोर की शुरुआत के बाद टास्क बेस्ड गेम्स हर व्यक्ति तक पहुंच गए।

क्यों खतरनाक

- टास्क पूरा करने पर नकली प्रशंसा से मस्तिष्क में डोपामाइन रिलीज होता है, और कठिन टास्क के लिए उत्साह बढ़ता है।
- रोमांच व जोखिम लेने की प्रवृत्ति का लाभ उठाकर किशोरों को आत्मविनाशकारी कार्यों में उलझाते हैं।
- बच्चों के अकेलेपन का फायदा उठाकर उन्हें वर्चुअल चैलेंज के जरिए झूठी अहमियत का एहसास कराते हैं।

दुनिया में लोकप्रियता चरम पर

- वैश्विक ऑनलाइन गेमिंग मार्केट 2024 में लगभग 152 बिलियन डॉलर का था जो 2025 में 188 बिलियन डॉलर से आगे निकल गया।
- दुनिया भर में यह गेम खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ते हुए अनुमानित तौर पर अब लगभग 3 .6 बिलियन हो गई है।
- गेमिंग मार्केट में एशिया पैसिफिक क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 50% है जिसमें खासकर चीन, दक्षिण कोरिया और भारत का दबदबा है।

खतरनाक होने के कारण

- ये गेम्स खिलाड़ियों को भावनात्मक रूप से कमजोर बनाकर उन्हें आत्महत्या या खुद को नुकसान पहुंचाने जैसे घातक कदमों की ओर ले जाते हैं।
- दिए जाने वाले टास्क को गुप्त रखने के निर्देश दिए जाते हैं, जिससे खिलाड़ी अपनों से कट जाता है और डर या दबाव में खतरनाक काम करता है।
- टास्क के दौरान मांगे गए निजी फोटो या वीडियो का उपयोग ब्लैकमेलिंग या और ज्यादा जोखिम भरे काम के लिए मजबूर करने में किया जाता है।

अत्यधिक एडिक्शन के कारण

- गेम्स को मनोवैज्ञानिक रूप से इस तरह बनाया जाता है ताकि खिलाड़ी उसे घंटों तक बिना ब्रेक के खेलता रहे।
- दोस्तों या परिवार से कम जुड़ाव होने पर ज्यादातर बच्चे ऑनलाइन समुदायों को ही अपना सहारा मान लेते हैं।
- टास्क पूरा करने पर मिलने वाली सफलता जीवन की चुनौतियों से बचने का आसान रास्ता बन जाती है।
- बार-बार गेम खेलने से मस्तिष्क के रिवॉर्ड सेंटर में बदलाव आते हैं, जो नशे की लत के समान होते हैं।

दुर्घटनाएं रोकने के वैश्विक कदम

- दुनिया के कई देशों की सरकारें अब यूनिसेफ के दिशा-निर्देशों और ऑनलाइन सुरक्षा कानूनों के जरिए प्लेटफॉर्म्स पर निगरानी बढ़ा रही हैं।
- डिवाइस और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर स्क्रीन टाइम सीमित करने और कंटेंट फिल्टर करने के लिए अब उन्नत किस्म के टूल्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं।
- यूनिसेफ जैसे संगठन स्कूलों व समुदायों में डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैला रहे हैं। इसका सकारात्मक असर दिख रहा है।
- गेमिंग एडिक्शन को अब एक मानसिक विकार मानकर इसके उपचार के लिए विशेष काउंसलिंग और डिजिटल डिटॉक्स केंद्र खोलने की शुरुआत की गई है।

एआई से नौकरियां बचाने के लिए दक्षिण कोरिया की संसद में लाया गया विधेयक

मानवीय श्रमिकों का खात्मा होने की आशंका में पहल, राष्ट्रीय एआई रणनीति बनेगी

सोल, एजेंसी

भारी उद्योग और उच्च तकनीक वाले विनिर्माण क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देश दक्षिणी कोरिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण नौकरियों के नुकसान से श्रमिकों को बचाने के लिए विधेयक पेश किया गया है। यह विधेयक उन बढ़ती चिंताओं के बीच आया है कि एआई मानवीय श्रमिकों खत्म कर देगा। इस विधेयक के तहत एक राष्ट्रीय एआई रणनीति का निर्माण किया जाएगा जो श्रमिकों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें बदलते बाजार के अनुसार ढलने के लिए सहायता भी उपलब्ध कराएगा।

विपक्षी पीपुल पावर पार्टी के प्रतिनिधि चोई यून सोक और 10 अन्य सांसदों ने इस विधेयक को संसद में प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में एआई और रोबोटिक्स तेजी से उन्नत हुए हैं और उन्होंने न सिर्फ सरल बल्कि कुशल पेशेवरों की भी जगह लेना शुरू कर दिया है, जिसकी वजह से पूरे समाज में रोजगार की असुरक्षा फैल रही है। कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में भी बहुत सारी स्वचालित ऑर्डरिंग मशीनें काम संभालने लगी हैं और इस वजह से लोग अपनी नौकरियां खो रहे हैं। चिंता जताई गई है कि यदि नौकरियां अचानक एक साथ गायब हो जाती हैं तो यह एक सामाजिक समस्या में तब्दील हो सकती है।

हुंडई में रोबोटों की तैनाती की योजना से जागी चिंता

हुंडई मोटर ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह 2028 तक एक नए अमेरिकी संयंत्र में एटलस ह्युमनॉइड रोबोट का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने और धीरे-धीरे उन्हें अपनी असेंबली लाइनों में तैनात करने की योजना बना रही है। कंपनी इस परियोजना को अपने 'फिजिकल एआई' के रूप में प्रचारित कर रही है, जिसमें एआई नियंत्रित औद्योगिक मशीनें जोखिम भरे या नीरस कार्यों को संभालने के लिए मनुष्यों के साथ या उनके स्थान पर काम करेंगी। हुंडई मोटर के मजदूर संघ ने इस योजना का कड़ा विरोध किया है। हालांकि, राष्ट्रपति ली जे मायुंग ने तकनीकी परिवर्तन के प्रतिरोध को खारिज करते हुए कहा है कि लोगों को नए समाज (एआई) के साथ तेजी से तालमेल बिठाना होगा।

- उद्योग विश्लेषकों का अनुमान है कि प्रत्येक एटलस रोबोट के लिए वार्षिक रखरखाव लागत लगभग 1.4 करोड़ वोन (9700 डॉलर) है, जो लगभग 24 घंटे काम कर सकता है, जबकि एक कर्मचारी पर कंपनी को प्रति वर्ष लगभग 13 करोड़ वोन का खर्च आता है।

विधेयक का उद्देश्य एआई के इस युग में रोजगार के मुद्दों से निपटने के लिए राज्य की नीतियों को स्पष्ट करना है ताकि लोगों के अधिकारों को संरक्षित रखने के साथ गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। चोई के करीबी सूत्र ने गुरुवार को द कोरिया टाइम्स को बताया कि यह कोई ऐसा कानून नहीं है जिसे अभी तैयार किया गया है। इसे लंबे समय से तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टीम कई वर्षों से एआई और स्वचालन के प्रभाव पर नजर रख रही है।

संयुक्त राष्ट्र में एआई पर बनी वैज्ञानिक समिति में प्रो. बालारमन रविंद्रन भी

संयुक्त राष्ट्र। आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर बालारमन रविंद्रन को एआई पर गठित नए स्वतंत्र वैज्ञानिक पैनल में सेवा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की ओर से अनुशंसित 40 वैश्विक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के समूह में शामिल किया गया है। गुतारेस ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सामने एआई पर नए स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति में नियुक्ति के वास्ते प्रत्येक क्षेत्र से 40 प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सूची प्रस्तुत की। रविंद्रन आईआईटी मद्रास में डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग (डीएसएआई), वधवानी स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (डब्ल्यूएसएआई), रॉबर्ट बॉश सेंटर फॉर डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आरबीसीडीएसएआई) और सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल एआई (सीईआरएआई) के प्रमुख हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स, एमहर्स्ट से पीएचडी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु से मास्टर डिग्री प्राप्त की है।

न्यू स्टार्ट संधि खत्म... रूस-अमेरिका के परमाणु जखीरे पर अब रोक नहीं

मॉस्को, एजेंसी

- रूस की संधि को एक साल और बढ़ाने की पेशकश ट्रंप ने ठुकराई
- अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए जताई जाने लगी गंभीर चिंता

रूस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे मॉस्को और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों से जुड़े आखिरी बचे समझौते के खत्म होने का दुख है। 'न्यू स्टार्ट' नामक इस संधि के समाप्त होने के साथ ही आधी सदी से ज्यादा समय में पहली बार ऐसा है कि दोनों सबसे बड़ी शक्तियों के परमाणु हथियारों के जखीरों पर कोई रोक नहीं रहेगी। इसके चलते अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए जताई जाने लगी गंभीर चिंता जताई जाने लगी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ''न्यू स्टार्ट'' संधि खत्म होने से परमाणु हथियारों की बिना रोकटोक वाली होड़ शुरू हो सकती है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले साल घोषणा की थी कि अगर वॉशिंगटन भी ऐसा करता है तो वह एक और साल के लिए संधि की सीमाओं का पालन करने के लिए तैयार हैं लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संधि की समयसीमा बढ़ाने को लेकर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को कहा था कि ट्रंप ने यह साफ कर दिया है कि 21वीं सदी में सही मायने में हथियारों पर नियंत्रण करने के लिए ऐसा कुछ भी करना तब तक नामुमकिन है जब तक कि इसमें चीन शामिल न हो, क्योंकि उसके पास बहुत बड़ा और तेजी से बढ़ता हथियारों का जखीरा है।

'न्यू स्टार्ट' संधि पर 2010 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनके रूसी समकक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने हस्ताक्षर किए थे। संधि के तहत दोनों पक्षों को 700 से ज्यादा मिसाइलों और 1,550 से ज्यादा ऐसे परमाणु हथियार को रखने से रोक दिया गया था, जो तैनाती और इस्तेमाल के लिए तैयार हों। इस संधि को मूल रूप से 2021 में खत्म होना था, लेकिन इसे पांच और सालों के लिए बढ़ा दिया गया था। न्यू स्टार्ट संधि खत्म होने के बाद दुनिया में परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ने की आशंका जताई जाने लगी है।

अमेरिका और रूस सैन्य स्तर पर संवाद को सहमत

कीव। रूस और अमेरिका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की अबू धाबी में बृहस्पतिवार को हुई बैठक में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता बहाल करने पर सहमति बनी। अमेरिका के यूरोपीय कमान ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि यह समझौता अमेरिकी यूरोपीय कमान के कमांडर जनरल एलेक्सस ग्रिनकेविच और वरिष्ठ रूसी और यूक्रेनी सैन्य अधिकारियों के बीच हुई बैठकों के बाद हुआ। ग्रिनकेविच नाटो के सर्वोच्च सहयोगी कमांडर यूरोप भी हैं। कहा गया है कि यह पहल स्थाई शांति की दिशा में काम करने वाले पक्षों के बीच निरंतर सैन्य संपर्क का मंच प्रदान करेगी।

भारत की अवैध फार्मेसियों के 200 वेबसाइट डोमेन अमेरिका में जब्त

न्यूयार्क, एजेंसी

- बिना प्रिस्क्रिप्शन दवाएं, छह लोगों की मौत के बाद उठाया कदम

अमेरिकी संघीय अधिकारियों ने भारत स्थित एक अंतरराष्ट्रीय अपराध संगठन से जुड़े 200 से अधिक वेबसाइट डोमेन जब्त किए हैं। अवैध ऑनलाइन फार्मेसियां चलाने वाला ये गिरोह छह से ज्यादा लोगों की मौत और चार लोगों पर ओवरडोज के दुष्परिणामों का कारण बना है जिसके बाद यह कदम उठाया गया है।

अमेरिका की मादक पदार्थ रोधी एजेंसी डीईए ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि देश भर में उसके कार्यालयों की ओर से की गई कई कार्रवाइयों में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। डीईए ने न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के सहयोग से बताया कि 'ऑपरेशन मेल्टडाउन' के तहत अमेरिका में सक्रिय भारत स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों से जुड़े 200 से अधिक वेबसाइट डोमेन जब्त किए गए हैं।

डीईए के अनुसार, जांच में पाया गया कि इन ऑनलाइन फार्मेसियों के संचालक और उनके सहयोगी बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के अमेरिका भर में ग्राहकों को अवैध रूप से दवाइयां पहुंचा रहे थे। जांच के दौरान डीईए ने हजारों ऐसे ग्राहकों की पहचान की जिन्होंने इन ऑनलाइन फार्मेसियों से दवाएं खरीदी थीं।

गाजा में इजराइल के हमले में 24 की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा में इजराइली गोलीबारी में 24 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल का कहना है कि आतंकियों की तरफ से की गई गोलीबारी में एक सैनिक के गंभीर घायल होने के बाद उसने जवाबी कार्रवाई की।

इजराइल ने यह भी कहा कि उसकी कार्रवाई में तीन शीर्ष चरमपंथी और कुछ ऐसे लोग मारे गए जो उसकी सेना के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। इजराइल ने घातक हमले कर 10 अक्टूबर से लागू युद्धविराम का बार-बार उल्लंघन किया है। फिलिस्तीनियों की बढ़ती मौतों के बीच गाजा के लोगों का कहना है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है मानो युद्ध थमा ही नहीं है।

एप्स्टीन प्रकरण पर केअर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

बाल यौन अपराधी से संबंध रखने वाले मैंडलसन को अमेरिका में राजदूत बनाने पर घिरे

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से कभी नहीं मिले, लेकिन दुनियाभर की नामचीन हस्तियों से एप्स्टीन के संबंध सार्वजनिक होने के बाद स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा है। ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर और अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत रहे पीटर मैंडलसन पर पहले ही एप्स्टीन से दोस्ती की गाज गिर चुकी है।

स्टार्मर ने एप्स्टीन से दोस्ती की बात सामने आने के बाद मैंडलसन को पद से हटा दिया था। अब नए खुलासे होने के बाद स्टार्मर की मध्यमार्गी-वामपंथी सरकार पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्टार्मर साल 2024 में एप्स्टीन से संबंध होने के बावजूद लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता मैंडलसन की नियुक्ति के अपने फैसले को लेकर सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के अंदर बढ़ते दबाव का सामना कर रहे हैं। हाल ही में जारी हुए दस्तावेजों में दोनों के करीबी संबंध होने की बात सामने आने के बाद ब्रिटेन की राजनीति में तहलका मच गया।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस प्रकरण को लेकर स्टार्मर को प्रधानमंत्री पद से हटना पड़ सकता है। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में राजनीतिक विज्ञान के प्रोफेसर रॉब फोर्ड ने कहा, वह फिलहाल मुश्किलों में घिरे हुए हैं। आज नहीं तो कल उनकी सरकार गिर सकती है। उनकी प्रतिष्ठा को तगड़ी ठेस पहुंची है। लेबर पार्टी की सांसद पाउला बार्कर ने कहा कि प्रधानमंत्री को जवाब देना होगा।

माफी मांगी, एपस्टीन के अपराधों के शिकार लोगों से कहा- मैंडलसन ने झूठ बोला

लंदन। स्टार्मर ने यौन अपराधी एप्स्टीन से संबंध रखने वाले पीटर मैंडलसन को अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत नियुक्त करने के लिए एप्स्टीन के अपराधों के शिकार लोगों से माफी मांगी है। कहा, मैंडलसन ने झूठ बोला था और एप्स्टीन को ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश किया, जिसे वह मुश्किल से जानते थे। स्टार्मर ने पीड़ितों से कहा, आपके साथ जो हुआ, मैं उसके लिए माफी मांगता हूं। इस बात के लिए माफी मांगता हूं कि ताकतवर लोगों ने आपका उत्पीड़न किया। मैंडलसन के झूठ पर यकीन करने और उन्हें नियुक्त करने के लिए माफी मांगता हूं। इस बात के लिए माफी मांगता हूं कि आपको यह सबकुछ फिर से सार्वजनिक होते हुए देखना पड़ रहा है।

मुझे एपस्टीन के साथ बिताए हर मिनट पर पछतावा: बिल गेट्स

न्यूयॉर्क। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ बिताए गए समय पर गहरा खेद व्यक्त किया है। बुधवार को एक साक्षात्कार में गेट्स ने कहा कि उन्हें एपस्टीन के साथ बिताए गए हर मिनट पर पछतावा है।

साल 2013 के एक ड्राफ्ट ईमेल में एपस्टीन ने दावा किया था कि उसने गेट्स को ड्रग्स उपलब्ध कराने और उनके विवाहेतर संबंधों को छिपाने में मदद की थी। यह मेल कभी भेजा ही नहीं गया। गेट्स ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा, स्पष्ट रूप से जेफरी ने खुद को एक ईमेल लिखा था जो कभी भेजा नहीं गया।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 6 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 7 फरवरी 01.18 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

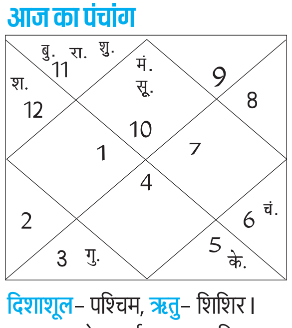

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त 7 फरवरी 00.23 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष: आज कारोबार की स्थिति में सुधार आएगा। रुके हुए कार्य शुरू हो जाएंगे। घरेलू कार्यों को लेकर अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। आपका मूड काफी अच्छा रहने वाला है। आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा। नसों में खिंचाव की समस्या हो सकती हैं।

वृष: आज का दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। विद्यार्थियों को योजना बनाकर अपनी पढ़ाई करनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण बैठक में सम्मिलित हो सकते हैं। बच्चों के करियर और शिक्षा को लेकर परेशानी दूर होगी।

मिथुन: आज बाहरी व्यक्तियों से अधिक बातें शेयर न करें। परिवार और संबंधियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। व्यायाम करने से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। ऐसा कोई काम न करें, जो दूसरों के लिए असुविधाजनक हो।

कर्क: आज व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं। आपके द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णयों की परीक्षा हो सकती है। लंबी दूरी की यात्रा कर सकते हैं। दिखावे व शौक में धन खर्च हो सकता है। अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह: आज नई जॉब मिलने की संभावना बन सकती है। किसी मित्र की सहायता से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा। घर का माहौल काफी खुशनुमा रहेगा। अपनी मन :स्थिति को मजबूत बनाए रखें। आपकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।

कन्या: आज दिन भर काफी भागदौड़ व व्यस्तता रहेगी। संपत्ति खरीदने के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च अधिकारी वर्ग के सहयोग से कठिन कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। आपके सपने साकार होते हुए दिखाई दे रहे हैं। व्यापार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

तुला: आज भावुक होने के कारण अच्छी बातें भी आपको बुरी लग सकती हैं। सामाजिक स्तर पर लोगों के बीच पहचान बढ़ेगी। अपने व्यवहार को सहज और धैर्यवान बनाकर रखें। कारोबार में परेशानी होने की आशंका है।

वृश्चिक: आज खोया हुआ बहुमूल्य सामान या धन वापस मिल सकता है। धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों से आप जुड़ सकते हैं। पति-पत्नी को आपस में बात अवश्य करनी चाहिए। मन में नकारात्मक विचार आ सकते हैं। किसी पर भी आंख-मूंदकर भरोसा न करें।

धनु: आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में आपको सफलता मिल सकती है। मनोनुकूल कार्यों को आप अत्यधिक समय देंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में टीम बनाकर काम करने से आपको लाभ होगा।

मकर: आज अपनी बौद्धिक क्षमता का कुशल प्रयोग कर पाएंगे। जिम्मेदारी वाले कार्यों में आपको लापरवाही नहीं करनी चाहिए। काफी अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है। अत्यधिक काम के साथ आपको भरपूर आराम भी करना चाहिए।

कुंभ: आज व्यर्थ के कार्यों में अपना समय बर्बाद न करें। बाजार में आपकी छवि अच्छी रहेगी। प्रेमीजन से अपने मन की बात कर सकते हैं, लेकिन वो आपकी बातों को अधिक महत्व नहीं देगा। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों को नुकसान हो सकता है।

मीन: आज महत्वपूर्ण कार्यों को एक साथ पूर्ण करने में सफल रहेंगे। परिवार के लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपका मन अत्यधिक प्रसन्न रहेगा। लोगों के चहेते बने रहेंगे। विरोधी और आलोचक आपके सामने टिक नहीं पाएंगे।

सुडोकू -53

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5			7		3		
8			2				7	4
		7		1		6		
6								9
	7	2				8		
				6				1
		3		2		5		
9	4				7			2
		6		9			8	

सुडोकू - 52 का हल

2	5	3	8	4	1	6	9	7
6	4	8	2	9	7	3	5	1
1	7	9	3	6	5	4	8	2
8	2	6	7	5	4	1	3	9
9	3	4	6	1	2	8	7	5
5	1	7	9	8	3	2	4	6
4	8	2	1	7	9	5	6	3
7	6	1	5	3	8	9	2	4
3	9	5	4	2	6	7	1	8

हाईलाइट

सूर्यकुमार ने बदली टीम की तस्वीर : पंत

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी कप्तानी ने टीम इंडिया को बदल डाला है। पंत ने आजतक के कार्यक्रम 'सलाम क्रिकेट' में कहा, ''सूर्या भाई की एनर्जी ड्रेसिंग रूम का माहौल ही बदल देती है। वे सिर्फ बल्लेबाज नहीं, बल्कि ऐसे लीडर हैं जो हर खिलाड़ी को आजादी और भरोसा देते हैं।'' पंत के मुताबिक टीम इंडिया में दिखाई दे रही एग्रेसिव माइंडसेट की जड़ में कप्तान की सोच और फास्ट बॉलर्स की भूमिका है। टी20 वर्ल्ड कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और ऋषभ पंत ने पहले सत्र में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप को इंजॉय करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल वे रिकवरी फेज में हैं।

मुंबई-कर्नाटक रणजी क्वार्टर फाइनल आज से

मुंबई। टी20 विश्व कप का बुखार भले ही चढ़ रहा हो लेकिन स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई और कर्नाटक के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अगले पांच दिन तक रोमांचक खेल देखने को मिल सकता है। दोनों टीमों का इतिहास शानदार रहा है जिसमें मुंबई के पास 42 रणजी खिताब हैं और कर्नाटक के पास आठ ट्रॉफियां हैं लेकिन ऐसे नॉकआउट मुकाबलों में पिछले रिकॉर्ड का ज्यादा असर नहीं होता। लेकिन फिर भी ऐसे मुकाबलों में मुंबई का दबदबा बरकरार रहा है जो अब नियमित कप्तान शारदुल ठाकुर और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की वापसी से और बढ़ गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीता डब्ल्यूपीएल खिताब

रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराया, कप्तान स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वॉल ने खेली विस्फोटक पारियां

वडोदरा, एजेंसी

कप्तान स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वोल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग चार के बड़े स्कोर वाले रोमांचक फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया। अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियनस दोनों के नाम पर दो-दो डब्ल्यूपीएल खिताब हो गए हैं। दिल्ली की टीम को लगातार चौथी बार फाइनल में खेलते हुए शिकस्त का सामना करना पड़ा। दिल्ली के 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने स्मृति (87 रन, 41 गेंद, 12 चौके, तीन छक्के) और जॉर्जिया (79 रन, 54 गेंद, 14 चौके) के बीच दूसरे विकेट की 165 रन की साझेदारी से 19.4 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की।

जीत का जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम। एजेंसी

शिनेल हेनरी (34 रन पर दो विकेट) और नंदिनी (41 रन पर एक विकेट) ने अंतिम ओवरों में दिल्ली कैपिटल्स को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाईं। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (57), लॉरा वोल्वार्ट (44), सलामी बल्लेबाज लिजेल ली (37) और सलामी बल्लेबाज हेनरी (नाबाद 35) की पारियों से चार विकेट पर 203 रन बनाए। जेमिमा ने 37 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके मारे और वोल्वार्ट के साथ तीसरे विकेट के निए 76 रन जोड़े जिन्होंने 25 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे। हेनरी ने 15 गेंद में दो चौके और दो छक्के जड़े और वौल्वार्ट के साथ चौथे विकेट के लिए सिर्फ 24 गेंद में 55 रन की तूफानी साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दूसरे ओवर में ही ग्रेस हैरिस (09) का विकेट गंवा दिया जिन्हें हेनरी ने बोल्ड किया।

कप्तान स्मृति और जॉर्जिया ने इसके बाद पारी को संभाला। स्मृति ने हेनरी पर चौके से खाता खोला जबकि जॉर्जिया ने मारिजेन कैप और हेरनी पर दो-दो चौके मारे। स्मृति ने नंदिनी की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 59 रन तक पहुंचाया। स्मृति ने नंदिनी पर छक्के के साथ 10 ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा पूरा किया और फिर श्री चरणी की गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया।

जॉर्जिया ने श्री चरणी की गेंद पर एक रन के साथ 37 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि स्मृति ने स्नेह राणा पर चौके के साथ सिर्फ 22 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के 150 रन 14 ओवर में पूरे हुए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 42 रन की दरकार थी। मीनू मनि ने जॉर्जिया को शेफाली के हाथों कैच कराके स्मृति के साथ उनकी साझेदारी को तोड़ा। रिचा घोष (06) ने नंदिनी पर चौका मारा लेकिन दो गेंद पर मीनू को कैच दे बैठीं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को अंतिम दो ओवर में 18 रन की जरूरत थी। डि क्लर्क ने हेनरी पर चौका मारा लेकिन इस तेज गेंदबाज ने स्मृति को बोल्ड कर दिया। इस ओवर में आठ रन बने। अंतिम ओवर में बल्लेबाजों को जीत के लिए 10 रन बनाने थे और राधा यादव (नाबाद 12) ने श्री चरणी पर लगातार दो चौकों के साथ टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले स्मृति ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद लिजेल और शेफाली वर्मा (20) ने 49 रन जोड़कर दिल्ली कैपिटल्स को सधी हुई शुरुआत दिलाई। शेफाली ने लॉरेन बेल पर पारी का पहला चौका मारा जबकि लिजेल ने सयाली सतघरे (46 रन पर एक विकेट) पर लगातार दो छक्के जड़े। शेफाली ने अरुंधति रेड्डी (एक विकेट) पर दो चौके मारे लेकिन इसी ओवर में विकेटकीपर ऋचा घोष को कैच दे बैठीं।दिल्ली ने पावर प्ले में एक विकेट 53 रन बनाए। वोल्वार्ट ने आते ही अरुंधति पर चौका जड़ा जबकि लिजेल ने श्रेयंका पाटिल का स्वागत लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्के के साथ किया। नेदिन डि क्लर्क ने लिजेल को ग्रेस हैरिस के हाथों कैच कराके बेंगलुरु को बड़ी सफलता दिलाई।

दिल्ली

203/4 (20 ओवर)

लिजेल ली का हैरिस बो डि क्लर्क	37
शेफाली वर्मा का रिचा बो अरुंधति	20
लॉरा वोल्वार्ट रन आउट	44
रॉड्रिग्स का डि क्लर्क बो सतघरे	57
शिनेल हेनरी नाबाद	35

गेंदबाजी : बेल 4-0-19-0, सतघरे 4-0-46-1, अरुंधति 4-0-40-1 श्रेयंका 2-0-32-0, डि क्लर्क 4-0-48-1, राधा 2-0-18-0

बेंगलुरु

204/4 (19.4 ओवर)

ग्रेस हैरिस बो हेनरी	09
स्मृति मंधाना बो हेनरी	87
जॉर्जिया वोल का शेफाली बो मीनू	79
ऋचा घोष का मीनू बो नंदिनी	06
नेदिन डि क्लर्क नाबाद	07
राधा यादव नाबाद	12

गेंदबाजी : कैप 4-0-38-0, हेनरी 4-0-34-2, नंदिनी 4-0-40-1, श्री चरणी 3.4-0-46-0, शेफाली 1-0-9-0, मीनू 2-0-19-1, स्नेह 1-0-15-0

हम वहां खेलने जा रहे हैं : सूर्यकुमार

टी-20 विश्व कप

- बायकॉट पर भारतीय कप्तान ने पाकिस्तान को धोया

मुंबई, एजेंसी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप मैच के लिए कोलंबो जाएगी, फिर भले ही पड़ोसी देश ने मैच का बहिष्कार करने की घोषणा क्यों ना की हो। भारत को 15 फरवरी को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी का सामना करना है लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट टीम को उसकी सरकार ने मैच में हिस्सा नहीं लेने के लिए कहा है क्योंकि सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत में खेलने से इनकार करने के बाद बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार ने यहां टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की प्रेस मीट के दौरान कहा मुझे लगता है कि उनका फैसला मेरे नियंत्रण में नहीं है। काश मैं उनके फैसले ले पाता लेकिन यह उनका फैसला है। हम एशिया कप में भी खेले थे और हम उनके साथ तीन बार खेले थे। विश्व कप शनिवार से शुरू हो रहा है और भारत उसी शाम अपने पहले मैच में अमेरिका से भिड़ेगा। सूर्यकुमार ने कहा हमारी सोच काफी स्पष्ट है। हमने (पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से) मना नहीं किया है। उन्होंने किया है। आईसीसी ने कार्यक्रम तय किया। हमारी फ्लाइट की टिकट बुक हो गई है और हम वहां (कोलंबो) जा रहे हैं। उन्होंने कहा, टीम में चर्चा हुई है कि हम पहले सात फरवरी को खेल रहे हैं और फिर हम वहां जाएंगे। सूर्यकुमार ने कहा हमने उनके खिलाफ कुछ अच्छा क्रिकेट खेला है। हमें बताया गया है कि मैच 15 तारीख को है, मैच तटस्थ स्थल पर है और अगर हमें मौका मिलता है तो हम खेलेंगे। यह उनके (पाकिस्तानी खिलाड़ियों) के लिए भी एक मुश्किल फैसला है।

भारत के खिलाफ मैच हमारे नियंत्रण में नहीं : पाक कप्तान

कोलंबो। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने अपने क्रिकेट बोर्ड के रुख को बरकरार रखते हुए बृहस्पतिवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला उनकी सरकार ने लिया था और यह उनके नियंत्रण में नहीं था। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को यहां होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित पुरुषों के टी20 विश्व कप ग्रुप लीग मैच का रविवार को बहिष्कार करने की घोषणा की। हालांकि पाकिस्तानी सरकार ने सात फरवरी से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को मंजूरी दे दी। सलमान ने कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा भारत का मैच हमारे नियंत्रण में नहीं है। यह सरकार और पीसीबी का फैसला है। वे जो भी कहेंगे, हम वही करेंगे। टी20 विश्व कप शनिवार को भारत और श्रीलंका के अलग-अलग स्टेडियम में शुरू होगा। अगर दोनों टीमें नॉकआउट में आमने-सामने होते हैं तो वे फिर सरकार द्वारा लिए गए फैसले का पालन करेंगे।

बांग्लादेश से एकता दिखाने के लिए किया विरोध : शरीफ

कराची। भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप के मैच के बहिष्कार को सही फैसला बताते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा कि बांग्लादेश के समर्थन के लिए यह सोच समझकर लिया गया फैसला है। पाकिस्तान सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को कोलंबो में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाला मैच नहीं खेलने के लिए कहा है। इससे पहले सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इनकार पर बांग्लादेश को विश्व कप से हटाकर स्कॉटलैंड को उसकी जगह शामिल किया गया। शरीफ ने यहां सरकार की एक बैठक के बाद कहा हमने टी20 विश्व कप पर स्पष्ट रूख अपनाया है कि हम भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे क्योंकि खेल के मैदान पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा हमने सोच समझकर यह रुख अपनाया है और हम पूरी तरह से बांग्लादेश के साथ हैं। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही फैसला है।

अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भारत का पलड़ा इंग्लैंड पर भारी

हरारे, एजेंसी

छठा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी भारत की अंडर 19 क्रिकेट टीम जब आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में शुक्रवार को इंग्लैंड से खेलेगी तो उसकी उम्मीदें शानदार फॉर्म में चल रहे अपने बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जीत दर्ज की जिसमें कप्तान आयुष म्हात्रे और सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज ने यादगार पारियां खेली।

इस जीत से पांच बार की चैम्पियन भारतीय टीम का हौसला बढा है जिसने पिछली बार 2022 में खिताब जीता था। भारत ने अमेरिका के खिलाफ पहले ग्रुप मैच से ही बेहतरीन खेल दिखाया है। सेमीफाइनल में 300 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान को हराकर भारतीय टीम ने अपराजेय रिकॉर्ड कायम रखा। अब उसका सामना एक और अपराजेय टीम इंग्लैंड से होना है । भारत को बखूबी पता है कि गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड के हौसले बुलंद है और उसे हराना आसान नहीं होगा। भारत को एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा और नजरें वैभव सूर्यवंशी पर भी लगी होंगी जिनके बल्ले से हो रही आतिशबाजी का जवाब तलाशने के लिये विरोधी गेंदबाज जूझते नजर आये हैं ।अगले महीने 15 वर्ष के हो रहे सूर्यवंशी तीन अर्धशतक और एक शतक लगा चुके हैं।

इंग्लैंड के सामने उन्हें हालांकि संयम से खेलना होगा क्योंकि मैन्नी लुम्सडेन की अगुवाई में उसके पास मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण है। भारत का अंडर 19 विश्व कप फाइनल में रिकॉर्ड अच्छा रहा है और दसवीं बार टीम फाइनल में पहुंची है। पिछली बार 2022 में वेस्टइंडीज में हुए टूर्नामेंट में भारत ने इंग्लैंड को ही हराया था। अफगानिस्तान के खिलाफ म्हात्रे के फॉर्म में लौटने से बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। मध्यक्रम में विहान मल्होत्रा ने कई अच्छी पारियां खेली हैं जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू भी दो अर्धशतक लगा चुके हैं। दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल और आर एस अम्बरीश की मौजूदगी में भारतीय तेज आक्रमण भी अच्छा रहा है पर इंग्लैंड के बल्लेबाज तेज गेंदबाजों को खेलने में माहिर हैं। ऐसे में स्पिनर कनिष्क चौहान और खिलन पटेल की भूमिका अहम हो जाएगा हालांकि टीम संयोजन पिच की स्थिति पर निर्भर करेगा।

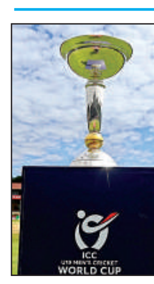

- बल्लेबाजों के शानदार फॉर्म से उम्मीदें बढ़ी
- मुकाबला दोपहर एक बजे से शुरू होगा

टीम

भारत : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उद्धव मोहन और किशन सिंह।

इंग्लैंड : थॉमस रियू (कप्तान), राल्फी अलबर्ट, अली फारूक, बेन डॉकिंस, कालेब फाकनेर, फरहान अहमद, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हैंड्स, इसाक मोहम्मद, मैन्नी लुम्सडेन, बेन मायेस, जेम्स मिंटो, जोसेफ मूरेस, सेबेस्टियन मोर्गन।

सुरुचि-राणा को एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत

एशियाई निशानेबाजी

नयी दिल्ली, एजेंसी

उभरती हुई निशानेबाज सुरुचि सिंह और विश्व चैंपियन सम्राट राणा को शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद बृहस्पतिवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा लेकिन भारत ने अपना दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक की संख्या को 10 तक पहुंचा दिया।

एशियाई निशानेबाजी की मिश्रित विजेता टीम। एजेंसी

रश्मिका सहगल और वंशिका चौधरी ने जूनियर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल जबकि प्रियांशी पूर्वा और चहक कोहली इसी स्पर्धा के युवा वर्ग में शीर्ष दो स्थानों पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के दो दिन के बाद भारत 10 स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है जबकि उज्बेकिस्तान उससे काफी पीछे तीन स्वर्ण के साथ दूसरे पायदान पर है। उज्बेकिस्तान के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में निगीना सैदकुलोवा और मुखम्मद कमालोव ने जीता जिन्होंने 48 शॉट के फाइनल में सम्राट और सुरुचि को 479.6 के मुकाबले 481.3 अंक से हराया। पिछले साल चार आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के अलावा सत्रांत विश्व कप फाइनल में शीर्ष पर रहीं 19 साल की सुरुचि और सम्राट ने 60 शॉट के क्वालीफिकेशन दौर में 10 टीम के बीच कुल 583 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत और उज्बेकिस्तान के अलावा वियतनाम (582 अंक, दूसरा) और चीनी ताइपे (575 अंक, चौथा) की जोड़ियां भी फाइनल में पहुंचीं।

बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने की जीत से शुरुआत

अलीकांटे (स्पेन)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने यहां बोक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 में यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को आसानी से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की जबकि हितेश गुलिया भी अगले दौर में पहुंच गए जिससे भारतीय मुक्केबाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

लवलीना महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग में शानदार फॉर्म में थीं, उन्होंने तेज और सटीक मुक्कों के संयोजन से यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले में हराकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में हितेश ने कनाडा के विन्सेंट सांटाओरिएलो को 5-0 से शिकस्त दी। लवलीना के अलावा भारत की अन्य महिला मुक्केबाजों ने भी दमदार जीत दर्ज कीं।

डेविस कप

नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले भारत के नंबर एक एकल टेनिस खिलाड़ी

दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं : नागल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नीदरलैंड के खिलाफ भारत के डेविस कप मुकाबले से पहले कूल्हे की मामूली चोट से उबरने के दौरान दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। नागल खराब फॉर्म और उसके कारण खराब नतीजों की वजह से मुश्किलों से भरे 2025 सत्र के बाद विश्व रैंकिंग में 281वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों के एकाग्र रिहैबिलिटेशन ने उन्हें मुकाबले में उतरने से पहले आत्मविश्वास दिया है।

नागल ने ट्रेनिंग सत्र के बाद अच्छा महसूस कर रहा हूं, दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा मैं पिछले दो-तीन हफ्तों से बहुत मेहनत कर रहा हूं। मेरे लिए शिविर बैंकॉक के ठीक बाद शुरू हो गया था। मुझे वहां इतना अच्छा महसूस नहीं हो रहा था लेकिन मैं उसी रात वापस आ गया, अपना रिहैब शुरू किया और सच कहूं तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैंने डेविस कप के लिए तैयार होने के लिए वह सब कुछ किया जो मैं कर सकता था। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को बैंकॉक में कूल्हे में चोट लगी थी और उन्होंने माना कि उबरने का दौर मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था। इस सुझाव के बावजूद कि धीमे कोर्ट भारत के लिए बेहतर हो सकते थे नागल ने बेंगलुरु में मुकाबला आयोजित करने के फैसले का समर्थन किया और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की ताकत की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा (जेस्पर) डि जोंग और गाय (डेन ओडेन), वे दोनों क्ले कोर्ट पर बहुत अच्छे हैं। उन्होंने उस सतह पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मुझे लगता है कि यह अच्छा हुआ कि हमने बेंगलुरु को चुना। मैं यहां सहज हूं, मैंने अपने करियर में इन परिस्थितियों में खेलते हुए बहुत समय बिताया है। नागल ने परिचित माहौल के महत्व पर भी जोर दिया और आयोजन स्थल तय होने के बाद अपना ट्रेनिंग स्थल बेंगलुरु में स्थानांतरित कर लिया था। नागल ने कहा जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो हमने अपना शिविर स्थानांतरित कर लिया।

युगल दूसरे दर्जे का प्रारूप नहीं: भांबरी

बेंगलुरु। एक समय भारत के बेहतरीन एकल खिलाड़ियों में गिने जाने वाले युकी भांबरी का करियर एक अप्रत्याशित लेकिन सीखने वाला सफर रहा है। एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 100 में आने के तुरंत बाद चोटों ने उनके एकल करियर को रोक दिया। प्रायोजन की अनिश्चितता ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया और जो उम्मीदें लोगों ने देखीं थी वे उस प्रारूप में काफी हद तक अधूरी रह गईं। युकी खुद को भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी के तौर पर अपने पेशेवर जीवन के सबसे सफल दौर में पाते हैं। पिछले 18 महीने में उन्होंने चार एटीपी खिताब जीते, एक ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल खेला और यह इस बात का एक उदाहरण है कि एलीट स्तर के प्रतिभावान खिलाड़ी के लिए क्या कर सकता है।